हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

13 मार्च, 1991

खण्ड–1, अंक–9

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 13 मार्च, 1991

पृश्ठ संख्या

ताराकित प्र ान एवम उतर	(9)1
नियम 45 के अधीन सदस्यो की मेज पर रखे गए ताराकित प्र ानो के लिखित उतर विभिन्न विशयो का उठाया जाना	(9)29
विभिन्न विशयो का उठाया जाना	(9)46
वर्श 1991–92 के बजट पर अनुदानो की मागो पर चर्चा तथा मतदान	(9)48

हरियाणा विधान सभा

बुधवार , 13 मार्च, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्द सिंह चटठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र ान एवम उतर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगे।

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, मुझे आपसे एक निवेदन करना है। पार्लियामैट मे तो यह रिवाच है कि सवालो के रिटन जवाब एक घंटा पहले सदन मे सप्लाई कर दिये जाते है और यहा पर आधा घंटा पहले देने का रिवाज है। लेकिन आज यहा पर बडी मु कल से 5 मिनट पहले ही दिये गये है और वह भी मेरे कहने पर दिये गये है। कृपया इन्हे समय से दिलवा दिया करे।

श्री अध्यक्षः ठीक है। आप बैठिए।

Upgadation of School in the State

***1227 Shri Hira Nand Arys:** Will the Minister of State for Education be pleased to State-

(a) the constituency wise number of schools upgraded form Primary to Middle to High Schools and: High Schools to 10+2 System during the year 1990:

(b) the criteria fixed by the Government for the upgradation of such schools as referred to in part (a) above;

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade such schools in Loharu consitituency which have not been uprgaded in accordances with the criteria fixed by the Government; and

(d) if so, the nmaes of such Schools togerwith the time by which these Schools are likely to be upgraded?

कृशि मंत्री (श्री कि न सिंह सांगवान): स्पीकर सर, इससे पहले कि मै इस सवाल का जवाब दू मै इसमे थोडी सी क्लैरिकल मिस्टेक्स है, वह आपके माध्यम से हाउस को बताना चाहता हू। इस सवाल के पार्ट ''डी'' का इगलि ा मे तो जवाब ठीक है लेकिन हिन्दी ब र्ान मे कुछ कोरैक ान की जरूरत है। हिन्दी मे यह लिखा हुआ है ''प्र ान नही उठता।'' इगलि ा मे यह लिखा हुआ है''In view of the (c) above, no definite time schedule can be given." मेरे कहने का मतलब यह है कि इगलि ा वाला जवाब चूकि ठीक है इस लिए हिन्दी व र्ान को भी इसी तरह से लिखा समझा जाए। इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, जो लिस्ट हमने सबमिट ही है, उसमे थोडी सी टाईपिग मिस्टेक्स है, उनके बारे मे जब सदस्य सवाल पूछेगे तो मै जवाब दे दूगा। अब मै जवाब पढ देता हू।

श्री अध्यक्ष: ठीक है ।

श्री कि ान सिंह सांगवान:

(क) विधान सभा क्षेत्रवार वर्श 1990–91 मे स्तरोन्नत किये गये स्कूलों की सख्या सूची विधान सभा पटल पर रखी जाती है।

(ख) विभिन्न वर्गो के स्कूलो के स्तरोन्नत करने के प्रस्ताव क्षेत्रीय कार्यालयो से मगवाये जाते है। ये प्रस्ताव राज्स स्तरीय कमेटी के सम्मुख प्रस्तुत किए जाते है जो कि बजट व्यवस्था अनुसार इन प्रस्तावो का निपटाना करती है। स्थानीय जनता द्वारा भूमि तथ कमरो की व्यवस्था, जनसख्या, पढने वाले छात्रो की संख्या, फीडिग स्कूल तथा क्षेत्र की आव यकता और पहलुओ को स्कूल स्तरोन्नत करते समय विचार मे रखा जाता है।

(ग) नही, फिर भी वर्श 1991–92 मे क्षेत्रीय कार्यालयो से केसो की प्राप्ति पर इन स्कूलो पर विचार किया जाएगा।

(घ) उपरोक्त (ग) को मछेनजर रखते हुए कोई नि चत समय सीमा नही दी जा सकती।

सूची

चुनाव क्षेत्र बार वर्श 1990–91 के दौरान अपग्रेड किए गए स्कूलो का ब्यौराः

क्रम सख्या	जिले का नाम/निर्वाचन	प्राथमिक से मिडल	मिडल से उच्च	उच्च विधालय से 10+2

	क्षेत्र	स्कूल	विधालय	पद्धति
1	2	3	4	5
1.	**जिला अम्बाला**			
	नग्गल	1	2	1
	कालका	1	—	1
	नारायणगढ	1	1	1
2.	**जिला यमुनानगर**			
	रादौर	1	—	—
	जगाधरी	—	—	—
3.	**जिला भिवानी**			
	तो ाम	2	—	—
	बवानीखेडा	1	1	1
	बाढडा	1	1	1
	दादरी	2	3	2

	मुण्ढाल खुर्द	–	–	1
4.	**जिला हिसार**			
	भटटूकला	–	5	6
	बरवाला	1	1	1
	घिराय	1	1	2
	टोहाना	–	–	–
	फतेहबाद	1	–	–
	आदमपुर	1	–	–
	रतिया	2	1	–
5.	**जिला गुडगाव**			
	पटौदी	1	–	1
	तावडू	1	1	–
	मूह	1	–	–
	सोहना	1	–	–
6.	**जिला फरीदाबाद**			

	हमनपुर	1	1	1
	पलवल	2	1	2
7.	**जिला जीन्द**			
	जुलाना	–	–	1
	नरवाना	1	–	1
	उचाना	1	1	1
	सफीदो	–	1	1
8.	**जिला करनाल**			
	इन्द्री	–	–	1
	जुण्डला	2	2	1
	घरौडा	2	2	–
9.	**जिला पानीपत**			
	अंसध	–	–	1
	नौलथा	2	2	2
	समालखा	1	–	1

10.	**जिला कुरूक्षेत्र**			
	थानेसर	1	—	1
	पेहवा	1	—	1
	भााहबाद	—	—	1
11.	**जिला कैथल**			
	कैथल	—	—	1
	पुण्डरी	2	1	—
	पाई	1	2	1
	कलायत	1	—	1
12.	**जिला महेन्द्रगढ**			
	अटेली	—	1	1
	नारनौली	2	—	—
13.	**जिला रिवाडी**			
	रिवाडी	—	—	1

	बावल	1	—	—
	जाटूसान	—	1	1
14.	**जिला रोहतक**			
	बडौदा	2	1	2
	बादली	1	2	1
	झज्जर	—	1	1
	कलोई	2	—	1
	गोहाना	2	4	3
	कलानौर	1	1	1
	बहादुरगढ	—	—	1
	साहलावास	1	2	1
	मेहम	—	—	2
15.	**जिला सोनीपत**			
	कैलान	1	1	1
	राई	1	—	1

	रोहट	1	2	1
16.	**जिला सिरसा**			
	दडबाकंला	1	3	4
	ऐलनाबाद	1	1	1
	डबवाली	—	—	1
	सिरसा	1	2	1
		55	**51**	**60**

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, ि ाक्षा के क्षेत्र मे पिछडे हुए इलाको की तरफ, चाहे वह सिरसा जिला हो, चाहे महेन्द्रगढ जिला हो, लोहारू का इलाका हो यहा मेवात का एरिया हो, क्या कोई वि ोश ध्यान रखा गया है? अगर नही रखा गया है तो क्या मेरे इलाके मे बहनी, भाखरा सिरसी और ओबरा मे कोई 10 प्लस 2 के स्कूल अपेग्रेड किये जायेगे क्योकि इनके आस पास कोई लडकियो के स्कूल भी नही है और ये स्कूल सारी भार्ते पूरी करते है ? मै यह भी कहना चाहता हू कि क्या यह बात सही है कि इन स्कूल्ज की अपग्रेडे ान की प्रोपोजल भी इनके पास आयी थी और ये स्कूल सारी भार्ते पूरी करते थे लेकिन जो स्कूल अपग्रेड किये गये उनमे यह नही है? क्या मेरे हल्के के इन तीनो स्कूलो को अपग्रेड करने पर मंत्री जी विचार करेगे ?

श्री कि ान सिंह सागवानः स्पीकर साहब, जो नौर्म्ज है वे मैने बताए है। जो भी स्कूल अपग्रेड किये गये है, वे नौर्म्ज के मुताबिक ही और सब चीजो को ध्यान से रखकर किये गये है। उसमे मेवात का भी, बैकवर्ड इलाको का भी और दूसरी सारी बातो को ध्यान रखा गया है। मै यह भी बताना चाहता हू कि कुछ स्कूल पिछले साल यानी 1989–90 मे भी अपग्रेड हुए थे, जब बहिन सुशमा जी मंत्री थी। उस समय जंहा पर ज्यादा स्कूल अपग्रेड हो गये थे, वहा पर अब कम अपग्रेंड किये गये है। जहा तक आर्य जी का ताल्लुक है इनके इलाके मे अपग्रेड करने के लिये तीन स्कूल कंसीडर किये जाते है।

श्री सूरजभानः अध्यक्ष महोदय, जो जवाब मंत्री महोदय ने दिया है उसमे अगर पहला जिला अम्बाला ही लिया जाये तो यह पता लगता है कि अम्बाला डिस्ट्रिक्ट मे छः कास्टीच्यूऐसीज होने के बावजूद केवल 3 स्कूल ही अपग्रेड किये जाते है यह खु ाी की बात है कि आपके हल्कें मे भी स्कूल अपग्रेड हुए है। मै मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि स्कूल अपग्रेडे ान के लिए उन्होने क्या आइटेरिया रखा हुआ है क्योकि मेरे हल्के मे न तो कोई प्राइमरी स्कूल, न मिडल न ही कोई हाई स्कूल अपग्रेड किया गया है। इसका क्या का कारण है ?

श्री कि ान सांगवानः स्पीकर साहब, इसमे हल्के वाली कोई बात नही है। जो भी स्कूल नौमर्ज पूरा करते है, हमने वहां पर ही स्कूलो को अपग्रेड किया है स्पीकर साहब, हम सभी सदस्यो

का ध्यान रखते है जहा से भी डिमाण्ड आई है और नौर्म्ज पूरे हुए है हम उनको अपग्रेड करने की कोि ा ा करते है।

श्री मुनी लालः स्पीकर साहब,

Mr. Speaker: Muni Lal Ji, please take your seat. I have not permitted you to speak. Dr. Maha Singh.

श्री महा सिंहः स्पीकर साहब, जो स्टेटमैट सदन के पटल पर रखी गई है उसके अनुसार कास्टिचूऐसी राइ मे एक प्राइमरी से मिडिल स्कूल अपग्रेड किया है और एम 10+2 का अपग्रेड किया है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि 10+2 का जो स्कूल अपग्रेड किया है वह कौन सा है ?

श्री कि ान सिह सागवानः स्पीकर साहब, स्कूलो के नाम की लिस्ट इस समय मेरे पास नही है।

श्री योगे ा चन्द भार्माः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि फरीदाबाद की पलवल तथा हसनपुर कास्टिचुऐसीज को छोडकर दूसरी कास्टिचुऐसीज का कोई भी स्कूल अपग्रेड न करने का क्या कारण है? पलवल मे पांच स्कूल अपग्रेड किए है और हसनपुर मे तीन स्कूल अपग्रेड किए है। क्या यह बात जाहिर नही करती कि विपक्ष के सदस्यो के साथ दुभांत बरती जाती है ?

श्री कि ान सिंह सागवानः स्पीकर साहब, ऐसी कोइ बात नही है। सता पक्ष के सदस्य जो कुछ ऐसे है जिनके यहा

कोई स्कूल अपग्रेड नही किया गया। हम सभी सदस्यो को एक जैसी ही मानते है।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, जो लिस्ट हमारे सामने है उससे पता लगता है कि गोहाना मे 9 स्कूल, दडवा कला मे 8, दादरी मे 7 और भटटूकल मे 6 स्कूल अपग्रेड किए है। बाकी जो चुनाव क्षेत्र है, जैसे महेन्द्रगढ मे कोई स्कूल अपग्रेड नही हुआ और लोहारू मे कोई नही हुआ। स्पीकर साहब, तीस चुनाव क्षेत्र ऐसे है जहा कोई भी स्कूल अपग्रेड नही किया गया। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि गोहाना दडवा कंला, दादरी और भटटकला ही ऐसे क्षेत्र है जो नौर्म्ज को पूरा करते थे और कोई ऐसी जगह नही है जो नौर्म्ज को पूरा करते हो ?

श्री कि ान सिंह सागवाना: स्पीकर साहब, ये सब जगह आईटेरिया पूरा करती थीं इसमे कास्टिचुऐसी या पक्षपात की कोई बात नही है। सता पक्ष के सदस्यो की भी ऐसी जगह है जहां कोई स्कूल अपग्रेड नही किया गया लेकिन विपक्ष के सदस्यो की कास्टिचुऐसीज मे स्कूल अपग्रेड किए गए है।

डा0 रघुबीर सिंह: स्पीकर साहब, स्कूल अपग्रेडे ान की जो लिस्ट दी है, उसमे कही पर 9, कही पर 8 और कही पर 7 और कही पर 6 स्कूल अपग्रेड किए हैं। यह लिस्ट अपने आप मे पक्षपात द ार्ाती है और यह बात साबित होती है कि अंधा बाटे भीरनी अपने अपने को दे। स्पीकर साहब, इसमे क्लीयरकट

फेवरटिज्म और नैपोटिज्म जाहिर होता है कि ये स्कूल पक्षपात से अपग्रेड किए गए है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि ये सब स्कूल नौर्म्ज को पर करते थे और कितने ऐसे स्कूल्ज रह गए जो नार्म्ज को पूरा करते है लेकिन अपग्रेड नही किए गए ?

श्री कि ान सिंह सागवानाः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जो यह ऐलगि ान लगाया है कि पोलिटीकल कसीड्रे ान से स्कूलो को अपग्रेड किया गया है यह बात ठीक नही है। जो कडी ान फुलफिल करते थे वे स्कूल मिडल होने के लिये वे 149 थे उनमे से 55 अपग्रेड किए गए। मिडिल से हाई होने का जो आईटेरिया पूर करते थे वे 194 थे उनमे से 51 अपग्रेड किए गए। हाई स्कूल से सीनियर सैकण्डरी स्कूल होने का जो आईटेरिया पूरा करते थे वे 217 थे लेकिन उनमे से साठ अपग्रेड किए गए ।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिला हिसार मे विधान सभा के 10 हल्के है जिनमे से 7 हल्को मे स्कूल अपग्रेड किये गये है तीन हल्के छोड गये हैं। इनमे एक नारनौंद, जहा से मै विधायक हू दूसरा हिसार जहा से हरिसिंह सैनी व तीसरा हल्का हांसी, जहा से श्री पी0के0 चौधरी विधायक है। इन विपक्ष के हल्को को जानबूझ कर छोडा गया है। दूसरी बात यह है कि मेरे हल्के मे एक गांव जामनीखेडा है मै और आज के मुख्यमंत्री एक बार वहा पर गये थे और वहा लोगो ने जब उनके सामने यह मांग की थी कि हमारे स्कूल को अपग्रेड किया गया तो उस वक्त मुख्य

मंत्री महोदय जी ने इस बारे मे लोगो को वि वास दिलाया था कि कुछ जोर मै मारूगा और कुछ जोर यदि चौधरी वीरेन्द्र सिह जी मारेगे जो यह काम हो जाएगा। मगर अभी तक वह स्कूल अपग्रेड नही हुआ है। मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय को यह कहूगा कि अब आप तो यह काम उन्ही की कलम से हो सकता है। वे कब तक उस स्कूल को अपग्रेड कर देगे ?

श्री कि ान सिंह सागवानाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने जिस स्कूल का नाम बताया है उसको, जब अगले साल सम्बन्धित कमेटी बैठेगी, अव य ही कसिडर किया जाएगा।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने कहा है कि पिछडे क्षेत्रो का ि ाक्षा के मामले मे ध्यान रखा गया है। स्पीकर साहब, मेवात भी पिछडे क्षेंत्र मे आता है और फरीदाबाद जिले मे हथीन भी आता है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि बचंारी व कौडल के लडकियो के मिडिल स्कूलो को हाई स्कूल, लोहैना के प्राईमरी स्कूल को मिडल व अन्धोपा और गुराकसर के मिडिल स्कूलो को हाई स्कूल करने का सरकार का कोई विचार है जबकि वे सभी फुलफिल करते है ?

श्री कि ान सिंह सागवानाः माननीय सदस्य महोदय ने जो स्पैसिफिक स्कूलो के बारे मे पूछा है उस बारे मे मै आफ हैन्ड नही बात सकता। इसके लिये सैपरेट नोटिस दे तो हम बता देगे।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, सढौरा, छछरौली व यमुनानगर ये तीनो बडे क्षेत्र है और यहां तीनो सदस्य विपक्ष के है। इन इलाको मे किसी भी स्कूल को अपग्रेड नही किया गया है। क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेगे कि इन क्षेत्रो मे किसी भी स्कूल को अपग्रेड न करने के क्या कारण है ?

श्री कि ान सिंह सागवानाः अध्यक्ष महोदय, ऐसी बात नही है कि विपक्ष के सदस्यो के हल्को मे स्कूलो को अपग्रेड नही किया गया। लिस्ट पढे तो उनको पता चलेगा कि बहुत से ऐसे स्कूलो को अपगेड किया गया है जो कि विपक्ष के सदस्यो के हल्को से सम्बन्धित है। जो जो स्कूल सरकार के आईटेरिया को फुलफिल करते थे वहा स्कूलो को अपग्रेड किया गया है।

श्री मुनी लालः मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि खोरी तथा सैरनवास के हाई स्कूलो को 10+2, और झाबवा के प्राईमरी स्कूल को मिडल स्कूल व प्रोथर के मिडल स्कूल को हाई स्कूल बनाने का सरकार कोई विचार रखती है। क्योकि ये सभी स्कूल अपग्रेडे ान के सभी नौर्मज को पूर करते है ?

श्री कि ान सिंह सागवानाः अध्यक्ष महोदय, अगले साल इनको कसिडर करने का प्रयत्न किया जाएगा।

श्री महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे कोई स्कूल अपग्रेड नही किया गया है। मंत्री महोदय जो कर रहे है कि वहा पर स्कूल अपग्रेड किये गये है यह बिल्कुल गलत है। क्या मंत्री

महोदय मेरे हल्के मे स्कूलो की अप ग्रेडे ान का विचार रखते है ?

श्री कि ान सिंह सागवानः अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी बात है तो हम इसके लिये सीरियसली नोटिस लेगे और बाकयदा इसकी जाच करवाएगे।

श्री ि ाव प्रसादः अध्यक्ष महोदय, सब से पहले हमारा जिला अम्बाला आता है जिसमे अम्बाला, अम्बाला छावनी और मुलाना का क्षेत्र आता है। इन जगहो मे क्या मंत्री महोदय की कृपा करेगे कि जो स्कूल सरकार के नौर्मज पूरा करते है उन स्कूलो के अप ग्रेडे ान मे जो कमी रह गयी है क्या एस पर सरकार विचार करेगी ?

मुख्यमंत्री (श्री हुकम सिंह): स्पीकर साहब, विधायको की रिकमैन्डे ान पर ही स्कूल अपग्रेड होते है और जिला से डी0ई0ओ0 की भी रिकमैन्डे ान होती है। इसके लिए एक कमेटी होती है जिस के अध्यक्ष ि ाक्षा मंत्री होते है। इस साल जो स्कूल अपग्रेड हुए है, वे सभी नौर्म्ज को पूरा करते होगे, तभी अपग्रेड किये गये होगे। पिछले साल किन्ही जिलो मे कम व किन्ही से ज्यादा स्कूल अपग्रेड किये गये होगे। पिछले साल किन्ही जिलो मे कम व किन्ही जिलो मे ज्यादा स्कूल अपग्रेड हो गये थे लेकिन मै हाउस को यकीन दिलाता हू कि जहां नौर्म्ज पूरे होते होगे और

जहा जहा पर आव यकता भी होगी, इन सभी बातो को ध्यान मे रखते हुए स्कूल अपग्रेड किये जाऐगा।

Breed of Cows and Buffaloes

***1402 Shri Lachman Singh Kamboj:** Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state-

(a) the breed wise number of cows and buffaloes in Govt, Livestock Farm, Hissar, during the years 1985-86, 1986-87 1987-88,. 1988-89 and at present i.e up to 28-2-1991; and

(b) whether any stray cows have been caught during the period as referred to in part (a) abvoe; if so, the number thereof?

Minister of State for Animal Husbandry (Shri Kulbir Singh Malik):

(a) Breed wise number of cows and buffaloes at Govt. Livestock Farm, Hissar, during the years 1985-86, to 28-2-1991 is given in the table at Annexure - I

(b) Yes, the number is given in the table at Annexure H

ANNEXURE – 1

Breed wise number of cows and buffaloes at Govt Livestock Farm Hissar during 1985-86 to 28-2-1991

Year	Hariana	Sahiwal	Tharparkar	Milich Buffaloes	Total

1985-86	248	159	96	-	503
1986-87	251	179	102	-	532
1987-88	256	164	90	-	510
1988-89	263	169	105	-	537
1989-90	276	167	111	-	554
1990-91	274	156	107	-	537
(upto 28-2-1991)					

ANNEXURE – 1

Number of stray cows caught during the period form 1985-86 to 28-2-1991

Year	Number
1985-86	-
1986-87	-
1987-88	682
1988-89	906
1989-90	762
1990-91	710
(upto 28-2-1991)	

श्री लक्षमन सिंह कम्बोजः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय जी से जानना चाहता हू कि इनमे मेल कितने है और फीमेल कितनी है। इसके अलावा इनमे दूध देने वाली गाय कितनी है ?

श्री कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मेरे लायक दोस्त पहले इस महकमे के खुद मंत्री रहे है। इन्होने इस महकमे मे अच्छा दूध पिया है। अध्यक्ष महोदय दुधारू गायो को वश्र 1985–86 से 1990–91 तक की सख्या अनैक ार – 1 मे दी हुई है मैम्बर साहब पढने का कश्ट करे। इसी तरह से आवारो प ाूओ की सख्या अनैक ार II मे दी हुई है।

श्री कैला ा चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि दुधारू गायो को दाना और चार किस नौर्म से दिया जाता है ?

श्री कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, बिल्कुल नौर्म्ज के मुताबिक ही दाना ओर चारा दिया जाता है। उसमे किसी किस्म की, कौताही नही रखी जाती है। फार्म ने बडे जिम्मेदार अफसर बैठे है। वहा पर हमारे चीफ सुप्रिन्टैन्डैट है जो ज्वायट डायरैक्टर के रैक के है।

श्री लक्षमन सिह कम्बोजः स्पीकर साहब, हमारे हिसार फार्म के चार सो भेडे चोरी हो गई थी, क्या वे बरामद हो गई है ?

श्री अध्यक्षः कम्बोज साहब, क्या आपको भेडो और गायो मे फर्क का पता नही है ?

श्री कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, हमारी 13 भेडे चोरी हुई थी जो उधर बैठी है। (हंसी)।

डा0 रघुबीर सिहः स्पीकर साहब, हिसार लाइव स्टीक फार्म ब्रिटि ा टाईम से ऐग्जिस्टैस मे है मै मंत्री महोद से जानना चाहता हू कि उस फार्म के औब्जैक्टस कौमि र्यिल है या साइटिफिक है और क्या सभी औब्जैक्टस अचीव हो रह है, अगर नही हो रहे तो उसको अचीव करने के लिए सरकार ने क्या स्टैप्स लिए है?

श्री कुलबीर सिह मलिमः स्पीकर साहब, कादियान साहब इस मामले मे माहिर है क्योकि ये खुद प ाुओ के डाक्टर भी रहे है। मै इनको बताना चाहूगा कि हम उस फार्म मे चार पांच किस्म की गाय रखते है उनसे बहुत बढिया किस्म का ब्रीड तैयार करते है इसके अलावा वहा पर फोरमैन सीमैन भी रखते है। उसको हम कई दूसरी जगहो पर भेजते है। उस फार्म मे बढिया किस्म के साड भी तैयार किए जाते है। यदि किसी गांव की पंचायत को या किसी म्यूनिसिपल कमेटी को या किसी गऊ ाला को साडो की जरूरत हो तो हम उनको पाच हजार कीमत का सांड रियासत वे कर एक हजार रूपए मे देते है।

डा0 रघुवीर सिंहः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, मंत्री जी ने आपके सवाल का जवाब दे दिया है। आप बैठिए।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने आवार गायो के बारे मे बताया है कि क्योकि यह सरकार आवार सस्कृति ने बहुत अच्छी तरह वाकिफ है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि जो आवारो गाये रखी हुई है उनको आपने दूध के लिए रखा हुआ है या आवार बनाने के लिए रखा हुआ है?

श्री कु लबीर सिंह मलिमः स्पीकर साहब, हम आवार प ुओ को डिस्पलिन मे लाना चाहता है। चाहे किसी किस्म की आवारा गाय हो हम उनको गो सदन मे रखते है जो कि 1987–88 मे हिसार के अन्दर चालू किया गया है। राजस्थान मे पिछले कुछ अर्से मे बहुत भयकर अकांल पड गया था जिसके कारण बहुत सी गाये वहा से आ गई थी, उनको हमने पहले तो फाटक मे रिलौफ कैम्प के तौर पर रखा। फिर उसके बाद उन गायो को हमने हिसार गौ सदन मे रखा। हिसार गो सदन मे कुछ गाये तो उसकसमय की है और कुछ गाये ऐसी भी रखी हुई है जिनके बारे मे पचायतो ने दरखास्ते दी है कि जो रानी गाया है वे हमारे खेतो मे घूर रही है और फसलो का नुकसान करती है। उन गायो को

भी हमने उस गो सदन मे रखा हुआ है। कुछ गाय ऐसी है जो मरने की स्टेज पर है। कुछ गाये ऐसी है जो फार्म मे चरने के लिए चली जाती है तो उनको पकड कर फाटक मे दे देते है और उनका फाटक मे 7 दिन तक रखते है यदि 7 दिन के अन्दर अन्दर उनका कोई मालिक आ जाता है तो उससे चारे के पैसे ले करके उन्हे छोडा दिया जाता है। चारे के पैसे बहुत ही नौमिनल है। अगर कोई नही आता है उन गायो को भी गो सदन मे भेजे देते है। ऐसी गायो को हम उनकी रक्षा के लिए रखते है। गाय को हम माता की तरह रखते है, ऐसी गायो को हम दूध के लिए नही रखते।

श्री अध्यक्षः यदि गाय को हम माता कहते है तो बैल को क्या पदवी देगे?

श्री कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, उसको हम बाप की पदवी देगे। (हंसी)

श्री महा सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या हिसार लाइव स्टीक फार्म मे देहात के आम गरीब लोगो को सस्ते रेट पर गाय देने का प्रवाधान है, अगर नही तो क्या सरकार इस बारे मे विचार करेगी ?

श्री कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, लाइव स्टीक फार्म मे अच्छा ब्रीज तैयार करने के लिए गाये रखी जाती है। यदि किसी आदमी को बैहडी या बछडी की जरूरत है तो उसके लिए

वहा पर महीने के पहले मंगलवार को बोली होती है उस बोली मे जो कोई आदमी बैहडी या बछडी लेना चाहे वह ले सकता है। वह बहडी या बछडी ऐसी होती है तो ब्रीड के लिए ठीक नही होती।

श्री सीत राम सिंगलाः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि जो रा ि ा प ाुओ के चारे के लिए निर्धारित की जाती है क्या उस रा ि ा को डेली बेजिज पर जो कर्मचारी रखे हुए है उन पर तो खर्च नही किया जा रहा है क्योकि जो पु ा वहा पर रखे हुए है उनको पूरा चारा न देकर के हरी घास जो ये वहा पर खुद पैदा करते है खिलाते है लेकिन जिस हिसार मे चारा इन प ाुओ को वहा पर मिलना चाहिए, वह नही मिलता। मेरे कहने का मतलब यही है कि जो लोग पोलीटिकल प्रे ार आदि की वजह से लगाये जाते है उन्ही पर ही प ाुओ के चारे का पैसा खर्च कर दिया जाता है?

श्री कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, जितना सवला मै इनका समझ पाया हू उस का जवाब मै दे देता हू। वहा पर दो किस्म की गाये रखी जाती है। मै इनको फिर कलियर कर देता हू कि वहा पर गऊ सदन मे जो गाये रखी जाती है उनको केवल जिन्दा रखने के लिए ही पकडा जाता है और उनको चारा वही दिया जाता है जो हम वा पर घास गगैरहा पैदा करते है दूसरे दूधारू गाय और दूधारू बछडियो जो होती है उनके लिए जो चारा मौसम के हिसब से दिया जाना होता है, वह देते है।

श्री सीता राम सिंगला: स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया। मैने पूछा है कि जो पैसा प ूओ के चारे के लिए रखा जाता है क्या वह डेली वेजित पर रखे गए कर्मचारियो की पे के लिए तो ट्रास्फर नही किया जाता?

Mr. Speaker: Your question is qmbiguous. Please take your seat.

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि जो गया और बडडिय दूध देने मे नाकार हो जाती है उनको किसानो को देते है स्पीकर साहब, जब सरकार उन्हे दूधारू नही बना सकती तो फिर ऐसी गायो को किसानो को देने का क्या फायदा क्योकि जो ऐसी नाकार गाया वहा पर बेची जाती है उनमे बीमारियां भी बहुत अधिक होती है ?

श्री कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, जो जवाब मैने पहले दिया है उसको भाायद ये ठीक तरह से समझ नही पाये। मै इन्हे बताना चाहता हू कि जो बछडिययया या गाय बुल पैदा नही कर सकती और दूध मे नाकार हो जाती है केवल उन्ही की बोली हम हर मगलवार को करते है।

श्री सीत राम सिंगला: स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हू कि जो रा ि ा के चारे के लिए निर्धारित की हुई है क्या उस रा ि ा को डेली बेजिज पर लगे कर्मचारियो के लिए ट्रास्फर तो नही किया जाता ?

श्री कुलबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि वहा 500–600 आदमी डेली वेजिज पर लगे हुए है। वहा पर जो हमारा खर्चा होता है वह तकरीबन एक करोड साठ लाख सालाना है। इसमे से एक करोड तो हम दूध या जो ऊन बेचते है उससे पूरा कर लेते है और 60 लाख रूपये का जो खर्चा बचता है उसको हम बीज व चारे आदि को बेच कर पूर कर लेते है क्याकि हम वहां पर अच्छे बीज व चारा भी पैदा करते है। यह मेरी समझ नही आया कि ये इस डेली वेजिज के मामले को कहा से ले आए?

श्री सीता राम सिंगलाः स्पीकर साहब, तो उत्तर इन्होने दिया ळै यह सतोशजनक नही है।

डा0 हरनाम सिहः स्पीकर साहब, वहां पर 3 किस्म की 503 गाय 1985–86 मे थी। मै जानना चाहता हू कि जो हर साल गाय या बछडियो की पैदावार बढती है उनके जो बछडे होते है वे तो सीमैन के लिए सैन्टरो मे चले जाते है लेकिन जो बछडिया रहती है उनका क्या करते है? मेरे पूछने का मकसद सिर्फ इतना है कि 503 गायो से जो पैदावार बछडियो की हुई, वे कितने लोगो को किस रेट पर दी गई?

10.00 बजे

श्री कुलबीर सिह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को यह बताना चाहूगा कि आये महीने गायो को डिस्पोज औफ किया जाता है। महीने के पहले मंगलवार को बोली होती है।

बोली के लिए एक कमेटी बनी हुई जिसे कलिग कमेटी कहते है जिसमे चीफ सुप्रिन्टैन्डैन्ट, फौर्म्ज, स्टेट कैटल ब्रीडिग्ज प्रोजैक्ट का डायरैक्टर, यूनिवर्सिटी का एनिमल साईस का एक एक्सपर्ट, डी0सी0 का एक रि प्रैजैन्टेटिव तथा एक सैक्टर सुपरिन्टैन्डैन्ट होता है। ये पांचो मिल कर महीने के पहले मंगलवार को बछडियो की कीमत बुक वैल्यू पर निर्धारित करके उन्हे बेचते है।

Canal for Supplying of Drinking Water

***1367 Shri Sita Ram Singla:** Will the Minister for irrgation and power be pleased to state-

(a) whether it is a fuct that any scheme has been formulated by the Govt. for suppling of drinking water in Gurgaon through a Cnaal, digging of which was inauguurated by the Chief Minister, Haryana during last year;

(b) if so, the total amout, if any, received so far from HUDA and Municipal Committee Gurgaon by the Irrigation Department fo rthe said purposes; and

(c) the extent to which the digging work of the said canal has been completed together with the time by which the construction work of the said canal is likely to be completed?

गृह मंत्री प्रो0 सम्पत सिंहः

(क) हां जी।

(ख) 10 करोड रूपये हुडडा से।

(ग) 28.2.1991 तक प्रगति

मिटटी का कार्य	113400 घनमीटर
लाईनिग	675 वर्गमीटर

इस स्कीम के जून 1992 तक पूरा होने की सम्भावना है।

श्री सीतराम सिंगलाः अध्यक्ष महादेय, मै आपके माध्यम से माननीय मंख्यमंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि इस काम पर अब तक कुल कितनी रा ि ा खर्च हुई है और अधिकारियो के दफतर फर्नीचर और अन्य कार्यो पर कितनी रा ि ा खर्च हुई है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि 38932000 रूपये टोटल रा ि ा खर्च हुई है। जिसमे से सबसे ज्यादा खर्च लैण्ड कम्पनसे ान पर हुआ है। लैण्ड कम्पनसे ान पर 28662000 रूपये खर्च हुए है और बाकी ऐस्टेब्लि ामैट और अन्य कामो पर खर्च हुआ है। बाकायदा प्रोग्रैस रिपोर्ट आती है जिसमे अर्थ वर्क और माईनर्ज आदि का खर्च होता है।

श्री सीता राम सिंगलाः स्पीकर साहब, मेरा प्र ान यह था कि कुल कितना खर्च हुआ है और उसमे से अधिकारियो के दफतर पर फर्नीचर आदि पर कितना खर्च हुआ है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैने पहले ही बता दिया है कि जमीन की कम्पनसे ान पर 28662000 रूपये खर्च हुए है बाकी पैसा दूसरे कार्यो पर खर्च हुआ है।

श्री अनिल कुमार विजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि क्या प्रदे ा मे किसी अन्य जगह पर कैनाल बेस्ड ड्रिडिग वाटर स्कीम विचारधीन है ?

प्रो0 सम्पतं सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहूगा कि भाहरो और गावो मे जहा जहा पीने के पान की आव यकता होती है उसके मुताबिक ही स्कीम बनाई जाती है

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, क्या मत्री जी बताने की कृपा करेगे कि गुडगाव नहर की पेयजल की जो योजना है उसी सप्लाई कहा से होगी और यह नहर कहा कहा से आएगी और पीने के पानी के अतिरिक्त भी इसके पानी की कृशि के लिए उपयोग करने बारे भी क्या सरकार विचार करेगी ?

प्रो0 सम्पत ंसिंहः स्पीकर साहब, पानी यमुना से लिया जाएगा और टोटल 135 क्यूसिक पानी पीने के काम आएगा। अगर आव यकता से फालतू पानी होगा तो इसे कृशि के लिए इस्तेमाल करने बारे विचार किया जाएगा। अभी तो यह मामला काफी लम्बार है।

श्री सीता राम बिलासः अध्यक्ष महोदय, जिस गति से काम चल रहा है अगर इस गति से चलता रहा तो क्या मंत्री महोदय बताएगे कि यह काम 1922 तक पूरा हो जाएगा ?

प्रो0 सम्पत ंसिहः कार्य 1992 तक बाकायदा पूरा हो जाएगा।

श्री कैला ा चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, हमारे योग्य मंत्री महोदय बताएगे कि क्या रिवाडी मे भी पेयजल की सप्लाई की जाएगी ?

प्रो0 सम्पत ंसिहः स्पीकर साहब, यह स्कीम तो गुडगाव और बहादुरगढ के लिए है। रिवाडी के लिए इस स्कीम मे से पानी देने की कोई योजना नही है।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि 135 क्यूसिक पानी तो पेयजल के लिए इस्तेमाल होगा और बाकी का पानी कृशि कार्यो के लिए इस्तेमाल होगा। क्या मंत्री जी यह बताने का कश्ट करेगे कि कृशि के लिए जो पानी इस्तेमाल होगा वा किस किस जगह कों दिया जाएगा ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, सबसे पहले तो गुडगाव और बहादुरगढ की पेयजल की आव यकताओ पूरी की जाएगी। किस किस जगह को कृशि कार्य के लिए पानी दिया जाएगा वह तो बाद मे देखा जाएगा।

Allotment of plots of Economically Weaker Sections

***1335. Shri Suraj Bhan:** Will the Minister of State for Tourism and Welfare of Scheduled Castes and Backward classess be pleases to State whether there is any scheme under conisideration of the Government to allot residential plots to the Scheduled Castes, Backward Classes and Economically Weaker Sections of the Society in the State; if so, the details there of?

पर्यटन राज्य मंत्री (श्री श्रीकृश्ण हुडडा): नही।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, मुझे मंत्री जी का जवाब पढकर बहुत अफसोस हुआ है। देहात मे और भाहरो मे भी इसके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। स्पीकर साहब, जिन परिवारो के सदस्यो की सख्या बढ गयी है, उनके मकान उतने ही छोटे पड गए है। इस चीज को ध्यान मे रखते हुए सरकार को हरियाणा के डिप्टी कमि ाजर्न से इत्तलाह मागी थी और कहा था कि जितने भी नीजी परसन्ज, गरीब, पिछडे वर्ग के या इकोनोमिकल वीकर सैक ान्श्रज के लोग है। उनको मकान बनाने के लिये जगह देनी है। उनकी लिस्ट दिसम्बर 1989 तक मांगी गयी थी और यह सूचना यह सोचकर मांगी गयी थी कि उनको प्लाट दिये जायेगे। यही नही इसके लिये सैट्रल गवर्नमैट से फडज भी मिलते है। सैट्रल सहायता भी मिलती है। लेकिन मुझे अफसोस है कि इन्होने यह कह दिया है कि ऐसी कोई स्कीम ही नही है मै यह जानना

चाहता हू कि उन लिस्टो का जो मागी गयी थी, क्या हुआ और उनके बारे मे क्या फैसला किया है ?

श्री श्री कृश्ण हुडडाः स्पीकर साहब, ये प्लाटस हमारा विभाग नही देता। दूसरे विभाग द्वारा ये प्लाटस दिये जाते है ये प्लाटस त्यागी साहब का विभाग देता है हमारी ऐसी कोई स्कीम नही है। पहला सर्वे 1974 मे और दूसार सर्वे 1978 मे किया गया थां उसके मुताबिक 299082 परसंज को प्लाटस के लिए ऐलीजीबल पाया गया था उनमे से सरकार ने 298703 व्यक्तियो को प्लाटस अलाट किये है। भोश कठिन 379 मामलो मे 184 व्यक्तियो के लिए भूमि अधिसूचना जारी की गयी है। इसके लिए 8.00 लाख रूपये का प्रोवीजन किया गया था। इसमे से उपायुक्तो को 7744665 रू0 97 पैसे दिये गये है।

श्री सुरज भानः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया हैं। चौधरी देवी लाल जी ने यह स्कीम मजूर की थी और यह कहा था कि लिस्टे मगवा लो। उसका जवाब नही आया।

श्री श्रीकृश्ण हुडडाः स्पीकर साहब, तीसरा सर्वे अभी पूरा नही हुआ है उपायुक्त महोदय ऐलिजिबल केसिज की छानीबीन कर रहे है।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब.....

श्री अध्यक्षः आज आप की पगडी कहा है?..... (हंसी)

श्री रतन लाल कटारिया: स्पीकर साहब, पहले तो मै यह कहना चाहता हू कि कल मेरी पगडी का आपने थोडा सा जिकर कर दिया था। इसलिये परवाना साहब ने अखबार मे इसके बारे मे लिख दिया। मेरी इस पगडी को देखने के लिये इतनी जनता उमड पडी कि मैने उसको एग्जीबी ान के लिये रख दिया ताकि लोगो उसको देख सके। मैने यह सोचा कि मै जार हाउस अटैड कर लेता हू। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी एक बात जानना चाहता हू मेरे एक सवाल के जवाब मे मंत्री महोदय ने यह कहा था कि वे इस बारे मे एक पौलिसी स्टेटमैट देगे। (व्यवधान एवम भाोर) इनके यहा पर लोकल बौडी के मंत्री कांति प्रका ा भल्ला जी है जो पूरे पहलवान है। (व्यवधान एवम भाोर)

Appinment of Head Master

***1345 Shri Muni Lal:** Will the Minister of State for Educaiton pleases to state-

(a) the district wise the number of Head Master appointed in primary and High Schools, spearately in the State During the period form 1998 to 1990; and

(b) the number of Head Masters out of those referred to in part (a) above belonging to Scheduled Castes and Backward Classes?

Agriculture Minister (Shri Kishan Singh Sangwan): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement showing the No. of Headmaster/Head teachers in Government High/ Primary Schools promoted appointed form 1988-1990.

No.of.promotions/appointements of Headmasters of High School (information is for the entire states as ti is a State Cadre)	Those belonging to S.C / B.C	
	S.C	B.C
346	35	33

No.of.promotions of Headmasters of High School (information is for the entire states as ti is a State Cadre)	Gen	S.C	B.C	Total
1. Ambala/Yamunannagar	641	131	83	855
2. Bhiwani	400	64	64	528
3. Faridabad	400	39	28	467
4. Gurgaon	581	60	49	690
5. Hisar	575	65	48	688

6. Jind	352	58	48	458
7. Karnl/Panipal	257	37	31	325
8. Kurukshetra/Katihal	502	83	57	642
9. Mohindergarh/Rewari	563	65	39	667
10. Rohtak	374	60	33	467
11. Sonipat	265	46	22	335
12. Sirsa	302	54	31	407
Total	5212	762	553	6527

श्री मुनी लालः स्पीकर साहब, इन्होने जो जवाब दिया है उसके अनुसार 5212 मास्टर्ज तो जनरल कैटगरी से भर्ती किये हैं, 762 ि ाडयूल्ड कास्टस के और 553 बैकवर्ड क्लासिज के भर्ती किये गये है। मेरे कहने का मतलब है कि यह कम भर्ती किये गये है। क्या आदमी नही मिले या और कोई कारण है ?

श्री कि ान सिंह सागवानः माननीय साथी ने जो यह फिगर्ज पढी है यह हैड टीचर्ज की फिगर्ज है जो हमने दी है । ये सारी की सारी डिस्ट्रिक्ट काडर की पोस्टस है और ये सारी भर्ती प्रोमो ान से हुई है तभी हैड टीचर्ज लगाये गये है। प्रोमो ान करने के लिये कडी ान होती है जिसमे बाकायदा 6 साल का ऐक्सपीरियैस होना चाहिये। जो इनको पूरा करते है उन्ही को हैड टीचर लगाते है। इसमे और कोई आइटेरिया नही है। यह एक्सपीरियैस की बिना पर बैकलोग है।

श्री परमान्नदः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि हैड टीचर्ज की अप्वायटमैट प्रोमो ान से होती है और उसके लिए छः साल का ऐस्कपीरियैस होना जरूरी है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इस समय जे0बी0टी0 टीचर्ज का छ साल का ऐक्सपीरियैस पूरा करने वाले कितने एस0सी0 और बी0सी0 टीचर्ज अवेलेबल है ?

श्री कि ान सिह सागवानः स्पीकर साहब, कोई बकाया नही बचा है।

श्री सीता राम सिंगलाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि 5212 टीचर्ज को प्रोमोट करने के बाद विभाग के पास इस बारे मे कोई ि ाकायत आई है या कोई कोर्ट मे केस गया है? दूसार मेरा सवाल यह है कि क्या प्रोमो ान होने के बाद कोई स्कूल बच गया है जहा अभी हैड टीचर्ज की डिमाण्ड है?

श्री कि ान सिंह सागवानः स्पीकर साहब, ऐसे स्कूल बचे है जहा हैड टीचर्ज प्रोमोट नही हुए लेकिन मै नाम नही बता सकता। जहां तक कम्लेपट की बात है इस वक्त हमारे पास कोई कम्पलेट पैडिग नही है।

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, तीन सालो का बैकलोग है जिसमे 280 भाड्यूल्ड कास्टस को प्रोमोट नही किया जा सका और इससे पहले का भी बैकलोग होगा। स्पीकर साहब, ि ाक्षा विभाग मे बहुत ज्यादा बैकलोग भाड्यूल्ड कास्टस और बैकवर्ड

क्लासिज का है। चाहिए तो यह था कि बैकलोग को पूरा करने की कोि ा ा की जाती लेकिन बदकिस्मती यह है कि 18 तारीख को कैबिनेट की सब कमेटी की कोई मीटिग होने जा रही है। जिसमे यह फैसला होने जा रहा है कि क्लास श्री मे प्रोमो ान मे रिजर्वे ान को खत्म किया जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सप्लीमैटरी कीजिए।

श्री सूरज भानः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इस बैकलोग को कब पूर कर दिया जाएगा ?

श्री कि ान सिंह सागवानः स्पीकर साहब, बडा अच्छा सवाल लीडर आफ दि अपोजी ान ने किया है। मै सदन को बताना चाहता हू कि 1988 मे पहली जितनी भी अप्वायटमैटस होती थी चाहे वा डायरेक्ट हो य किसी ऐडवरटाइजमैट या ऐम्पलाएमैट ऐस्सचैंज के थ्रू हो, पोस्टस के लिए तीन बार ऐडवरटाइजमैट होती थी और अगर तीन बार के ऐडवरटाइजैमैट के बाद भी कोई सूटबेल केन्डीडेट भाडयूल्ड कास्टस का या बैकवर्ड कलास का नही मिलता था तो पोस्टस को जनरल कैटगरी के कन्वर्ट कर दिया जाता था लेकिन इस सरकार ने फैसला किया कि भाडयूल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लासिज के लोगो के राइटस पर कोई असर नही पडना चाहिए और बैकलौग न बढे इस सम्बन्ध मे 1988 मे यह फैसला किया कि अगर तीन बार ऐडवरटाइजमैट करने के

बाद श्री ि ाडयूल्ड कास्टस और बैकवर्ड कलास के कैडीडेटस न मिले तो भी उन पोस्टस को जनरल मे कन्वर्ट नही किया जाएगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मै आपकी रूलिग चाहूगा कि क्या कोई ऐसा मंत्री बनाया जा सकता है जो हाउस मे जवाब ही न दे सके ? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह कोई सप्लीमैन्टरी नही है।

श्री हीरा नन्द आर्यः क्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि हैड टीचर्ज की डायरैक्ट भर्ती मे भी रिजर्वे ान है ?

श्री कि ान सिंह सागवानः स्पीकर साहब, हैड टीचर्ज की प्रोमो ान होती है डायरेक्ट नही भरे जाते ।

श्री परमानन्दः स्पीकर साहब, हैड मास्टर्ज की प्रोमो ान के बारे मे कहा गया कि 364 पोस्टस भरी गई । 346 मे स्पीकर साहब, ि ाडयूल्ड कास्टस का कोटा 34 कम है और बैकवर्ड क्लासिज के कोटे मे 2 पोस्ट कम है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि हैड मास्टर्ज की प्रोमो ान का आईटेरिया क्या है और क्या उस आईटेरिया को पूरा करने वाल कैडीडेटस कोई रह तो नही गए है ?

श्री कि ान सिंह सागवानः स्पीकर साहब, 346 हैड मास्टर्ज मे से 147 डायरेक्ट भर्ती वाले है और 189 प्रामो ान मे भर्ती किये गये है स्पीकर साहब, इसके अलावा हैडमास्टर्ज की

प्रोमो ान के आईटेरिया के बारे मे इन्होने पूछा है इसके लिए तीन आईटेरिया है। एक तो बी0ए0 या बी0एस0सी0 क्वालीफिके ान होनी चाहिये। दूसरे बी0टी0 या बी0एड0 पास होना चाहिये और तीसरे 8 साल का उस टीचिग ऐक्सपीरिऐन्स होना अनिवार्य है जो जो इन कडी ानज को फुलफिल करते थे उनको उसी के हिसाब से अप्वायट किया गया है। जहा तक एस0सी0बी0सी0 का सवाल है कोई भी ऐसा नही बचा जो कि यह क्वालिफिके ान फुलफिल करता हो उसे प्रामोट न किया गया हो। यदि ऐसा कोई नाम इनके पास है तो हम दे दे, हम उसको एग्जामिन करवा लेगे।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बताएगे कि आज की तारीख मे जिला फरीदाबाद मे कितने हैडमास्टर्ज, हैड टीचर्ज के पद खाली पडे है और अगर कोई पद खाली है तो उनको कब तक भर दिया जाएगा ?

श्री कि ान सिंह सागवानः अध्यक्ष महोदय, यह सवाल इससे सम्बन्धित नही है।

Industrial Growth Centres

***1320 Shri Anil Kumar Vij:** Wil the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under considertion of the Government to set up Industrial Growth Centers in the State; and

(b) if so, the names of places where the aforesaid centres are likely to be set up?

मुख्यमंत्री (श्री हुक्म सिंह):

(क) जी हां।

(ख) (1) जूलाना जिला जीन्द, और

(2) बावल जिला रिवाडी मे।

श्री अनिल कुमार विज: अध्यक्ष महोदय, मै मुख्यमंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि जुलान और बावल मे जो औधेगिक विकास केन्द्र की स्थापना सरकार की और से की जा रही है, उसकी स्थापना का आधार क्या है और किस लेवल पर यह फैसला लिया गया है।

श्री हुक्म सिंह: अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार की एक सर्वे टीम ने राज्य का सर्वे करने के बाद जुलान और बावल दो जगहो को चुना है। इस सम्बन्ध अम्बाला, रोहतक, जीन्द और रिवाडी चार जिले चुने गये है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, जुलाना और बवाल इन दो स्थानो को औधोगिक दृश्टि से पिछडा हुआ मानकर केन्द्र सरकार ने यहा का चुनाव किया है। इसलिये मै सरकार से यह जानना चाहता हू कि इस केन्द्रो को आगे बढाने के लिये जो जो सुविधाए दी जानी है क्या वे सभी सरकार ने उपलब्ध करवा

दी है ताकि इन केन्द्रो का विस्तार किया जा सके। और लोग इस से लाभान्वित हो सके ?

श्री हुक्म सिहः स्पीकर साहब, ये सैन्टर्ज तो अभी स्थापित किये जाने है।

डा0 हरनाम सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री महोदय ने यह बताया कि इन औधोगिक केन्द्रो की स्थापना के लिये चार जिले अम्बाला, रोहतक, जीन्द, व रिवाडी चुने गये थे और इन सभी का दौरा करने के बाद केन्द्र सरकार की सर्वे टीम ने जुलाना और बावल को औधोगिक केन्द्र खोलने के लिए उपयुक्त समझा। मै यह जानना चाहता हू कि इस सम्बन्ध मे फाइनल फैसला केन्द्र सरकार का होता या किसी राज्य सरकार फैसला करती है ? अगर राज्य सरकार इन केन्द्रो को खोलने का फैसला करती है तो सरकार ने किस आधार पर इन चार लिो का चयन कर के केन्द्र सरकार के पास भेजा था ?

श्री हुकम सिंहः अध्यक्ष महोदय, फैसला भारत सरकार करती है। हरियाणा सरकार को भारत सरकार फी सैन्टर के हिसाब से 10 करोड देगी।

श्री दुर्गा दत अत्रीः अध्यक्ष महोदय, अभी चीफ मिनिस्टर साहब ने बताया कि भारत सरकार फी सैन्टर के हिसाब से 10 करोड देगी। तो मै उन से यह जानना चाहता हू कि सारे का

सारा पैसा केन्द्र सरकार ही लगायेगी या कि राज्य सरकार भी अपनी और से कुछ पैसा लगायेगी ?

श्री हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, 10 करोड सैन्ट्रल सरकार व 5 करोड रूपया हरियाणा सरकार लगायेगी।

श्री अनिल कुमार विजः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हू कि जो इन्होने चार जिलो के नाम केन्द्र को भेजे इनकी प्रायरिटी किस हिसाब से बनाई थी ?

श्री हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, इडस्ट्रियल ग्रोथ सैन्टर बनाने के लिए किसी जगह पर रेलवे लाइन का होना जरूरी है ने ानल हाई वे या स्टेट हाई वे का होना जरूरी है। इसके अलावा बिजली हो और पानी हो। इस तरह की बहुत सी चीजे सैन्ट्रल टीम मे देखी थी। जहां उनको ये सुविधाए दिखए दी, उन जगहो को उसने एप्रूव कर दिया।

श्री ि ाव प्रसादः अध्यक्ष महोदय, ये सारी सुविधाए अम्बाला मे है लेकिन अम्बाला को सिलैक्ट क्या नही किया गया?

श्री हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, हमने अम्बाला जिला का नाम भी भेजा था लेकिन उस टीम मे जुलाना और बावल को ऐप्रूव किया।

श्री मुनी लालः स्पीकर साहब, इस सैटर पर बावल मे कब तक काम भाुरू हो जाएगा और कब तक पूरा हो जाएगा ?

श्री हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, इसकी प्रोजैक्ट रिपोर्ट तैयार होने लग रही है। उसके बाद भारत सरकार से पैसा मिल जाएगा और काम भाुरू हो जाएगा।

Grant given to the Municiapal Committees in the State

1336 Harnam Singh & Sh. Parma Nand: Will the Minister of State for Locla Goverment be pleased to state the details of amount of grnat given to each Municipal committee in the State during the yera 1990-91 togetherwith the criteria adopted therefor?

Minister of State for Local Government (Shri Kanti Parkash Bhalla): Statement showing the details of grant given to each Municipal Committee in the State during the year 1990-91 is liad on the Table of the House. While sanctioioning the grants, financila positon of the Municipality and the requirement of funds for words etc. is kept in view.

Statement showing the grant in aid releases to Municipal Committees during the year 1990-91

Sr. No.	Name of Municipal Committee	Amount releases in lacs
1.	Kalka	350000
2.	Jagadhri	100000
3.	Shahabad	100000

4.	Gohana	200000
5.	Palwal	100000
6.	Narwana	100000
7.	Fatehabad	100000
8.	Tohana	100000
9.	Mandi Dabwali	100000
10.	Charkhi Dadri	350000
11.	Bahadurgarh	100000
12.	Narnaul	100000
13.	Jhajjar	100000
14.	Buria	100000
15.	Chhachharauli	150000
16.	Naraningarh	150000
17.	Sadhaura	150000
18.	Radaur	100000
19.	Ladwa	100000
20.	Pehowa	250000
21.	Pundri	100000
22.	Kalayat	100000

23.	Check	200000
24.	Indri	100000
25.	Nilokheri	100000
26.	Gharaunda	100000
27.	Taraori	100000
28.	Samalkha	100000
29.	Assandh	100000
30.	Ganaur	100000
31.	Kharkhoda	100000
32.	Ferozepur Zhirka	100000
33.	Haily Manid	100000
34.	Pataudi	100000
35.	Farukh Nagar	100000
36.	Nuh	100000
37.	Sohna	100000
38.	Taoru	100000
39.	Punhana	100000
40.	Hassanpur	100000
41.	Hodel	100000

42.	Hathin	100000
43.	Julana	150000
44.	Uchana	100000
45.	Safidon	150000

स्थिति बहुत खराब है। मै आपके द्वारा मत्री जी से जानना चाहूगा कि सोनीपत नगरपालिका की वित्तीय स्थिति को देखते हुए उसको ग्राट नही दी गई ?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, मै अपने सीनियर साथी को कहना चाहूगा कि वह नगरपालिका का ऐस्टिमेट बना कर हमारे पास भेज दें अगले साल जितनी ग्राट वे चाहेगे, दे दी जाएगी।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, जिन म्यूनिसिपल कमेटीज पर विपक्ष का कब्जा है उनके साथी सौतेली मां जैसा व्यवहार किया गया है। सरकार की और से उन कमेटीज को ग्राट का एक भी पैसा नही दिया गया। चाहे अम्बाला भाहर की म्यूनिसिपल कमेटी है, चाहे अम्बाला कैन्ट की म्यूनिसिपिल कमेटी है, चाहे यमुना नगर की म्यूनिसिपल कमेटी है, चाहे सोनीपत म्यूनिसिपिल कमेटी है और चाहे रोहतक म्यूनिसिपल कमेटी है इनमे से किसी भी कमेटी को ग्राट नही दी गई। केवल रोहतक म्यूनिसिपल कमेटी को 50 हजार रूपये दिये गयें है वह भी वहा डाक्टर अम्बेदकर साहब का स्टैच्यू इस्टाल करने के लिये दिए गए

है । मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जिन म्यूनिसिपल कमेटीज को ग्राट नही दी गई उसका क्या कारण है ?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, अम्बाला छावनी की म्यूनिसिपल कमेटी, अम्बाला भाहर की म्यूनिसिपल कमेटी, और यमुना नगर की म्यूनिसिपल कमेटी, 'ए' क्लास म्यूनिसिपल कमेटीज है। खास करके जो अम्बाला छावनी की म्यूनिसिपल कमेटी, है उसको बडी भारी आमदनी है। अम्बाला छावनी म्यूनिसिपल कमेटी का जो मथुरा से पैट्रोल की पाई पाइप लाइन आती है उससे भी काफी आमदनी होती है स्पीकर साहब, जो ए क्लास म्यूनिसिपल कमेटीज है उनको ग्राट देने की कोई आव यकता नही है क्योकि उनकी आमदनी बहुत है उनके पा पैसा भी काफी है।

सेठ लक्षमन दासः स्पीकर साहब, करनाल म्यूनिसिपल कमेटी, ए कलास म्यूनिसिपल कमेटी, जरूर है लेकिन उसके पास अपने कर्मचारियो को तन्खवाह देने के लिए भी पैसा नही है। इसके अलावा करनाल भाहर की सडको का बहुत बुरा हाल है वे सारे सडके टूटी पडी है। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय जी से जानना चाहता हू कि करनाल म्यूनिसिपल कमेटी की वित्तीय स्थिति को ध्यान मे रखते हुए उसकी ग्राट क्यो नही दी गई?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा की सभी म्यूनिसिपल कमेटी, के प्रैजीडेटस का एक सैमीना

हुआ था। उस सेमीनार मे मुझे उस म्यूनिसिपल कमेटी, के प्रैजीडैंट ने इस बारे मे बताया था। इसलिए हमने करनाल म्यूनिसिपल कमेटी को 10 लाख रूपए ए स्पे ाल ग्राट के रूप मे इम्प्रवमैट ट्रस्ट से मुख्यमंत्री जी के आदे ा के अनुसार दिए है।

लाख पचाज हजार और मेहम जो पहले मुख्यमंत्री जी को क्षेत्र उसको बीस हजार रूपये दिए गए है अध्यक्ष महोदय, चाहे स्कूल अपग्रेड का मामला हो या ग्राट देने की बात हो जो विभाग जिस माननीय मंत्री के पास है क्या वे केवल अपने अपने चुनाव क्षेत्र को ही हरियाणा मानते है। कई नगरपालिकाओ की हालत इतनी बुरी है कि जिनको एक लाख रूपया भी नही दिया गया है। क्या इसके पीछे कोई राजनैतिक कारण है कि अपने अपने को ही रेवाडिया दे रहे है ?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, ग्राटस म्यूनिसिपल कमेटियो की वित्तिय पोजी ान को देख कर दी जाती है। जैसे अम्बाला कैन्ट के पास चूकि फडज की कमी नही है इसलिए उसको नही दी गई। जो कमजोर कमेटियां है उनको ग्राट दी जाती है।

श्री परमानन्दः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि यह ग्राट कमेटीज की फाइनै ि ायल को देख कर दी जाती है। जीन्द म्यूनिसिपल कमेटी की पेाजी ान इतनी बुरी है कि उन्होने सरकार से एक करोड रूपए का लोन भी मांगा था लेकिन उस कमेटी को

एक पैसा भी ग्राट का नही दिया गया। न तो उसको स्लम क्लीयरैस के लिए और न ही सीवरेज के लिए कोई पैसा दिया गया है। क्या इसलिए नही दिया कि मै इस समय अपोजी ान मे है ?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः अध्यक्ष महोदय, अभी हमने एक करोड तीन लाख की ग्राट बाटी है और एफ0डी0 की तरफ से एक करोड दस लाख की और ग्राट मजूद हो चूकी है। इसके अलावा 21 लाख 25 हजार की ग्राट अलग अलग कमेटियो की बाटी जा चुकी है। उसकी लिस्ट कल तक हमे नही मिली थी इसलिये वह पटल प नही रख सके।

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूगा कि हरियाणा मे ऐसी कितनी म्यूनिसिपल कमेटीज है जो अपने मुलाजिमो को तनख्वाह नही दे सकती और जिस म्यूनिसिपल कमेटी की ऐसी हालत है उसको माली इमदाद क्यो नही दी गई?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा के अन्दर टोटल 81 म्यूनिसिपल कमेटीज है। पेहवा म्यूनिसिपल कमेटी ने अपनी मुलाजिमो की तनख्वाह के 6 लाख रूपए देने थे। उस बारे मे सुप्रीम कोर्ट ने एक हुक्म आया था कि मुलाजिमो को उनकी तनख्वाह दी जाए। उस बात को ध्यान मे

रखते हुए हमने उस म्यूनिसिपल कमेटी को ग्राट दी है जिसका जिकर स्टेटमैट मे है।

श्री देवी लालः स्पीकर साहब, कुल 68 नगरपालिकाओ को अनुदान दिया गया है इनमे सोनीपत नगरपालिका का नाम नही है। सोनीपत नगरपालिका की वित्तीय स्थिति बहुत खराब है। मै आपके द्वारा मत्री जी से जानना चाहूगा कि सोनीपत नगरपालिका की वित्तीय स्थिति को देखते हुए उसको ग्राट नही दी गई ?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, मै अपने सीनियर साथी को कहना चाहूगा कि वह नगरपालिका का ऐस्टिमेट बना कर हमारे पास भेज दें अगले साल जितनी ग्राट वे चाहेगे, दे दी जाएगी।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, जिन म्यूनिसिपल कमेटीज पर विपक्ष का कब्जा है उनके साथी सौतेली मां जैसा व्यवहार किया गया है। सरकार की और से उन कमेटीज को ग्राट का एक भी पैसा नही दिया गया। चाहे अम्बाला भाहर की म्यूनिसिपल कमेटी है, चाहे अम्बाला कैन्ट की म्यूनिसिपिल कमेटी है, चाहे यमुना नगर की म्यूनिसिपल कमेटी है, चाहे सोनीपत म्यूनिसिपिल कमेटी है और चाहे रोहतक म्यूनिसिपल कमेटी है इनमे से किसी भी कमेटी को ग्राट नही दी गई। केवल रोहतक म्यूनिसिपल कमेटी को 50 हजार रूपये दिये गयें है वह भी वहा डाक्टर अम्बेदकर साहब का स्टैच्यू इस्टाल करने के लिये दिए गए

है । मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जिन म्यूनिसिपल कमेटीज को ग्राट नही दी गई उसका क्या कारण है ?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, अम्बाला छावनी की म्यूनिसिपल कमेटी, अम्बाला भाहर की म्यूनिसिपल कमेटी, और यमुना नगर की म्यूनिसिपल कमेटी, 'ए' क्लास म्यूनिसिपल कमेटीज है। खास करके जो अम्बाला छावनी की म्यूनिसिपल कमेटी, है उसको बडी भारी आमदनी है। अम्बाला छावनी म्यूनिसिपल कमेटी का जो मथुरा से पैट्रोल की पाई पाइप लाइन आती है उससे भी काफी आमदनी होती है स्पीकर साहब, जो ए क्लास म्यूनिसिपल कमेटीज है उनको ग्राट देने की कोई आव यकता नही है क्योकि उनकी आमदनी बहुत है उनके पा पैसा भी काफी है।

सेठ लक्षमन दासः स्पीकर साहब, करनाल म्यूनिसिपल कमेटी, ए कलास म्यूनिसिपल कमेटी, जरूर है लेकिन उसके पास अपने कर्मचारियो को तन्खवाह देने के लिए भी पैसा नही है। इसके अलावा करनाल भाहर की सडको का बहुत बुरा हाल है वे सारे सडके टूटी पडी है। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय जी से जानना चाहता हू कि करनाल म्यूनिसिपल कमेटी की वित्तीय स्थिति को ध्यान मे रखते हुए उसकी ग्राट क्यो नही दी गई?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा की सभी म्यूनिसिपल कमेटी, के प्रैजीडेटस का एक सैमीना

हुआ था। उस सेमीनार मे मुझे उस म्यूनिसिपल कमेटी, के प्रैजीडैंट ने इस बारे मे बताया था। इसलिए हमने करनाल म्यूनिसिपल कमेटी को 10 लाख रूपए ए स्पे ाल ग्राट के रूप मे इम्प्रवमैट ट्रस्ट से मुख्यमंत्री जी के आदे ा के अनुसार दिए है।

लाख पचाज हजार और मेहम जो पहले मुख्यमंत्री जी को क्षेत्र उसको बीस हजार रूपये दिए गए है अध्यक्ष महोदय, चाहे स्कूल अपग्रेड का मामला हो या ग्राट देने की बात हो जो विभाग जिस माननीय मंत्री के पास है क्या वे केवल अपने अपने चुनाव क्षेत्र को ही हरियाणा मानते है। कई नगरपालिकाओ की हालत इतनी बुरी है कि जिनको एक लाख रूपया भी नही दिया गया है। क्या इसके पीछे कोई राजनैतिक कारण है कि अपने अपने को ही रेवाडिया दे रहे है ?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, ग्राटस म्यूनिसिपल कमेटियो की वित्तिय पोजी ान को देख कर दी जाती है। जैसे अम्बाला कैन्ट के पास चूकि फडज की कमी नही है इसलिए उसको नही दी गई। जो कमजोर कमेटियां है उनको ग्राट दी जाती है।

श्री परमानन्दः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि यह ग्राट कमेटीज की फाइनै ि ायल को देख कर दी जाती है। जीन्द म्यूनिसिपल कमेटी की पेाजी ान इतनी बुरी है कि उन्होने सरकार से एक करोड रूपए का लोन भी मांगा था लेकिन उस कमेटी को

एक पैसा भी ग्राट का नही दिया गया। न तो उसको स्लम क्लीयरैस के लिए और न ही सीवरेज के लिए कोई पैसा दिया गया है। क्या इसलिए नही दिया कि मै इस समय अपोजी ान मे है ?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः अध्यक्ष महोदय, अभी हमने एक करोड तीन लाख की ग्राट बाटी है और एफ0डी0 की तरफ से एक करोड दस लाख की और ग्राट मजूद हो चूकी है। इसके अलावा 21 लाख 25 हजार की ग्राट अलग अलग कमेटियो की बाटी जा चुकी है। उसकी लिस्ट कल तक हमे नही मिली थी इसलिये वह पटल प नही रख सके।

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूगा कि हरियाणा मे ऐसी कितनी म्यूनिसिपल कमेटीज है जो अपने मुलाजिमो को तनख्वाह नही दे सकती और जिस म्यूनिसिपल कमेटी की ऐसी हालत है उसको माली इमदाद क्यो नही दी गई?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा के अन्दर टोटल 81 म्यूनिसिपल कमेटीज है। पेहवा म्यूनिसिपल कमेटी ने अपनी मुलाजिमो की तनख्वाह के 6 लाख रूपए देने थे। उस बारे मे सुप्रीम कोर्ट ने एक हुक्म आया था कि मुलाजिमो को उनकी तनख्वाह दी जाए। उस बात को ध्यान मे

रखते हुए हमने उस म्यूनिसिपल कमेटी को ग्राट दी है जिसका जिकर स्टेटमैट मे है।

श्री देवी लालः स्पीकर साहब, कुल 68 नगरपालिकाओ को अनुदान दिया गया है इनमे सोनीपत नगरपालिका का नाम नही है। सोनीपत नगरपालिका की वित्तीय है।

सूची

क्रम सख्या	जिले का नाम/निर्वाचन क्षेत्र	प्राथमिक से मिडल स्कूल	मिडल से उच्च विधालय	उच्च विधालय से 10+2 पद्धति
1	2	3	4	5
1.	**जिला अम्बाला**			
	नग्गल	1	2	1
	कालका	1	—	1
	नारायणगढ	1	1	1
2.	**जिला यमुनानगर**			

	रादौर	1	—	—
	जगाधरी	—	—	—
3.	**जिला भिवानी**			
	तो ाम	2	—	—
	बवानीखेडा	1	1	1
	बाढडा	1	1	1
	दादरी	2	3	2
	मुण्ढाल खुर्द	—	—	1
4.	**जिला हिसार**			
	भटटूकला	—	5	6
	बरवाला	1	1	1
	घिराय	1	1	2
	टोहाना	—	—	—
	फतेहबाद	1	—	—
	आदमपुर	1	—	—

	रतिया	2	1	–
5.	**जिला गुडगाव**			
	पटौदी	1	–	1
	तावडू	1	1	–
	मूह	1	–	–
	सोहना	1	–	–
6.	**जिला फरीदाबाद**			
	हमनपुर	1	1	1
	पलवल	2	1	2
7.	**जिला जीन्द**			
	जुलाना	–	–	1
	नरवाना	1	–	1
	उचाना	1	1	1
	सफीदो	–	1	1
8.	**जिला करनाल**			

	इन्द्री	–	–	1
	जुण्डला	2	2	1
	घरौडा	2	2	–
9.	**जिला पानीपत**			
	अंसध	–	–	1
	नौलथा	2	2	2
	समालखा	1	–	1
10.	**जिला कुरूक्षेत्र**			
	थानेसर	1	–	1
	पेहवा	1	–	1
	भााहबाद	–	–	1
11.	**जिला कैथल**			
	कैथल	–	–	1
	पुण्डरी	2	1	–
	पाई	1	2	1

	कलायत	1	—	1
12.	**जिला महेन्द्रगढ**			
	अटेली	—	1	1
	नारनौली	2	—	—
13.	**जिला रिवाडी**			
	रिवाडी	—	—	1
	बावल	1	—	—
	जाटूसान	—	1	1
14.	**जिला रोहतक**			
	बडौदा	2	1	2
	बादली	1	2	1
	झज्जर	—	1	1
	कलोई	2	—	1
	गोहाना	2	4	3
	कलानौर	1	1	1

	बहादुरगढ	—	—	1
	साहलावास	1	2	1
	मेहम	—	—	2
15.	**जिला सोनीपत**			
	कैलान	1	1	1
	राई	1	—	1
	रोहट	1	2	1
16.	**जिला सिरसा**			
	दडबाकंला	1	3	4
	ऐलनाबाद	1	1	1
	डबवाली	—	—	1
	सिरसा	1	2	1
		55	**51**	**60**

Pay Scales to Govt. aided Privat School Teachers

***1339 Shri Shiv Parshad:** Will the Minister of state for Edcuation be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to give new pay scales and other facilities to the teachers of permancently recoginised private schools in the State; and

(b) if so, the time by which the above said faciilities are likely to be provided?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल):

(क) माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अनुपालना मे हरियाणा राज्य के सहायता प्राप्त अराजीकाय तथा स्थाई मान्यता प्राप्त स्कूलो मे अध्यपको कर्मचारियो को वेतनमानो और महगाई भत्ते मे 1.4.1979 से राजकीय स्कूलो मे उनकी भान्ति कार्यरत कर्मचारियो के वेतनमानो मे समानता दी जा चुकी है। जहा तक अन्य सुविधओ का सम्बन्ध है यह मामला सरकार के सक्रिय विचारधीन है।

(ख) भीघ्र ही निर्णय लिया जाना सम्भावित है।

Construction of Roads

***1373 Shri Balbir Singh Chaudhary & Capt. Ajay singh Yadav:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) the districtwise & Constituency wise total number of roads sanctioned for constrcution during the years

1985-86, 1986-87,1987-88,1988-89,1989-90,1990-91 (to date); and

(b) the number of roads out of those referred to in part (a) above have been constructed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगननाथ): एक सूची जिलावार तथा निर्वाचन क्षेत्रवार (अनैक्सचर ए तथा बी की क्रम ।) सदन के पटल पर रखी जाती है।

अनुबन्ध ''ए''

वर्श 1985-86, 1986-87,1987-88,1988-89,1989-90, /अप टू जनवरी – 1991 तक मन्जूर भुदा सडके तथा निर्माण की गई सडको की जिलैवार ब्यौराः–

क्रमाक न0	जिले का नाम			वर्श अनुसार जो सडके स्पीकृत की गई			1990–91 अप टू जनवरी	जोड	पूर्ण हुई सडको की सख्या
		1985-86	1986-87	1987-88	1988-89	1989-90			
1	2	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	8	9	10
1.	अम्बाला	8	78	17	6	1	1	111	83

2.	यमुनानगर	5	3	6	2	7	—	23	15
3.	करनाल	2	3	2	—	4	—	19	6
4.	पानीपत	1	1	2	3	5	1	13	4
5.	कुरूक्षेत्र	9	6	—	1	19	3	38	15
6.	कैथल	21	6	1	2	4	—	34	11
7.	रोंहतक	9	2	26	27	71	10	145	30
8.	सोनीपत	6	—	3	—	2	—	11	3
9.	जीन्द	1	1	2	3	6	3	16	5
10.	फरीदाबाद	1	1	3	5	15	—	25	10
11.	गुडगाव	18	4	2	4	9	1	38	19

12.	भिवानी	33	33	6	8	6	3	89	35
13.	हिसार	61	13	7	9	7	8	105	35
14.	सिरसा	2	3	9	5	13	25	57	11
15.	रिवाडी	7	1	—	1	7	—	16	6
16.	महेन्द्रगढ	6	1	—	2	4	—	13	6
	जोड	190	156	86	86	180	55	753	294

अनुबन्ध ''बी0''

वर्श 1985-86, 1986-87,1987-88,1988-89,1989-90, /अप टू जनवरी – 1991 तक मन्जूर भुदा सडके तथा निर्माण की गई सडको का जिलेवार/क्षेत्रियनुसार ब्यौराः–

क्रमाक न0	जिले का नाम			वर्श अनुसार जो सडके स्पीकृत की गई			1990–91 अप टू जनवरी	जोड	पूर्ण हुई सडको की सख्या
		1985-86	1986-87	1987-88	1988-89	1989-90			
1	2	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	8	9	10
ए जिला अम्बाला									
1.	कालका–1	4	2	–	5	–	–	11	4
2.	नारयणगढ–2	4	–	–	1	–	1	6	4

3.	सढौर–3	–	–	–	–	–	–	–	–
4.	मुलाना–7	–	52	4	–	1	–	57	55
5.	अम्बाला कैन्ट–8	–	–	–	–	–	–	–	–
6.	अम्बाला–9	–	–	1	–	–	–	1	–
7.	नगल–10	–	24	12	–	–	–	36	20
	योग	8	78	17	6	1	1	111	83
	बी– जिला यमुनानगर								
1.	सढौरा–3	–	2	1	–	1	–	4	3
2.	छछरौली–4	1	–	–	2	–	–	3	1

3.	जगाधरी–5	1	–	5	–	2	–	9	5
4.	यमुनानगर–6	1	1	–	–	3	–	5	4
5.	रादौर–21	1	–	–	–	1	–	2	2
	जोड	5	3	6	2	7	–	23	15
	सी–जिला करनाल								
1.	इन्द्री–11	–	1	1	8	1	–	11	3
2.	नीलोखडी–12	–	–	–	–	–	–	–	–
3.	करनाल–13	–	–	–	–	1	–	1	1
4.	जुडला–14	1	2	–	–	1	–	4	–

5.	घरौउा–15	1	–	1	–	1	–	3	2
6.	अंसध–16	–	–	–	–	–	–	–	–
	जोड	2	3	2	8	4	–	19	6
	डी0 जिला पानीपत								
1.	असध–16	1	–	–	1	2	–	4	1
2.	पानीपत––17	–	–	–	–	–	–	–	–
3.	समालखा–18	–	–	–	1	2	1	4	1
4.	नौलथा–19		1	2	1	1		5	2
5.	पाई–27	–	–	–	–	–	–	–	–

	जोड	1	1	2	3	5	1	13	4
	ई जिला कुरूक्षेत्र								
1.	नीलोखेडी	—	—	—	—	—	—	—	—
2..	भााहबाद—20	2	—	—	—	—	2	4	2
3.	रादौर—21	2	—	—	1	—	—	3	2
4.	पेहवा—23	3	2	—	—	3	1	9	4
5.	पुडरी—26	—	1	—	—	—	—	1	—
	जोड	9	6	—	1	19	3	38	15
	एक जिला कैथल								

1.	गुहला–24	–	2	–	1	1	–	4	2
2.	कैथल–25	1	1	–	–	1	–	3	1
3.	पुडरी–26	16	1	1	1	–	–	19	8
4.	पाई–27		2	–	–	1	–	3	–
5.	कलायत–44	4	–	–	–	1	–	5	–
6.	राजौद–22	–	–	–	–	–	–	–	–
	जोड	21	6	1	2	4	–	34	11
	जी जिला रोहतक								
1.	हसनगढ–28	2	–	10	14	3	–	29	12

2.	किलोई–29	–	–	–	1	5	–	6	–
3.	रोहतक–30	–	–	–	–	–	–	–	–
4.	मेहम–31	–	1	10		44	–	55	5
5.	कलानौर–32	2	1		1	1		5	1
6.	बेरी–33	1	–	–	2	–	–	3	1
7.	सालावास–34	–	–	–	–	2	–	2	–
8.	झज्जर–35	–	–	–	–	4	1	5	1
9.	बादली–36	–	–	3	2	3	3	11	3
10.	बहादुरगढ–37	2	–	–	1	4	1	8	3
11.	गोहाना–39	1	–	–	3	–	3	7	1

	जोड	9	2	26	27	71	10	145	30
	एफ जिला सोनीपत								
1.	केलायाना–40	4	–	–	–	1	–	5	1
2.	सोनीतप–41	1	–	–	–	–	–	2	2
3	राई–42	–	–	2	–	1	–	3	–
4	रोहट–43	1	–	–	–	–	–	1	–
5	हंसनगढ–28	–	–	–	–	–	–	–	–
	जोड	6	–	3	–	2	–	11	3
	आई जिला जिन्द								

1.	असंध–16	–	–	–	–	–	–	–	–
2.	कलायत–44	–	–	–	–	–	–	–	–
3.	नरवान–45	–	–	–	–	2	1	3	1
4.	उचाना–46	–	–	–	–	–	1	1	1
5.	राजौद–47	–	–	–	1	1	–	2	–
6.	जीन्द–48	1	1	2	–	–	–	4	–
7.	जुलाना–49	–	–	–	–	3	–	3	–
8.	सफीदो–50	–	–	–	2	–	1	3	2
	जोड	1	1	2	3	6	3	16	4
	जे0 जिला								

	फरीदाबाद								
1.	फरीदाबाद–51	–	–	1	–	–	–	1	–
2.	म्योल महारजपुर–52	–	–	1	–	1	–	2	1
3.	बलबगढ–53	1	–	1	2	1	–	5	–
4.	पलवल–54	–	–	–	–	4	–	4	2
5.	हसनपुर –55	–	1	–	3	5	–	9	5
6.	हसीन–56	–	–	–	–	4	–	4	2
7.	तावडू–59	–	–	–	–	–	–	–	–
8.	सोहाना–60	–	–	–	–	–	–	–	–

	जोड	1	1	3	5	15	—	25	10
	के जिला गुडगावं								
1.	फिरोजपुर झिरका—57	1	—	1	—	1	—	3	3
2.	नूंह—'58	1	—	—	2	—	—	4	4
3.	तावडू—59	2	2	—	1	2	—	7	4
4.	सोहना—60	1	1	1	—	4	1	8	1
5.	गुडगाव—61	2	—	—	—	1	—	3	1
6.	पटौदी—62	10	1	—	1	1	—	13	6
	जोड	18	4	2	4	9	1	30	19

	एल जिला भिवानी								
1.	बादरा–63	–	4	1	3	–	–	8	3
2.	दादरी–64	2	–	1	–	2	–	5	–
3.	मुडाल–65	–	3	1	4	1	–	9	4
4.	भिवानी–66	4	9	–	–	–	–	13	4
5.	तौ ाम–67	7	6	1	–	1	1	16	8
6.	लौहारू–68	–	4	2	1	1	1	9	3
7.	बवानी खेडा–69	20	7	–	–	1	1	29	13
	जोड	33	33	6	8	6	3	89	35

	एम जिला हिसार								
1.	बवानी खेडा–69	19	5	–	–	–	5	29	18
2.	बरवाला–70	–	–	–	1	1	–	2	1
3.	नारनौद–71	1	–	–	6	–	–	7	2
4.	हांसी–72	4	2	2	–	1	–	9	–
5.	भटटू कला–73	1	2	1	–	–	2	8	2
6.	हिसार–74	1	1	–	–	–	–	2	–
7.	घिराय–75	2	2	–	2	1	–	7	–

8.	टोंहाना–76	3	–	4	–	1	–	8	–
9.	रतीया–77	2	–	–	–	–	–	2	–
10.	फतेहबाद–78	2	–	–	–	–	–	2	–
11.	आदमपुर–79	26	1	–	–	–	–	27	12
12.	दडवा कला–80	–	–	–	–	1	1	2	–
	जोड	61	13	7	9	7	8	105	35
	एन जिला सिरसा								
1.	दडबा कंला–80	–	–	1	–	3	23	27	1

2.	ऐलनाबाद–81	–	1	5	–	3	1	10	2
3.	सिरसा–82	1	1	–	–	1	–	3	–
4.	रोडी–83	1	1	1	2	5	–	10	2
5.	डबवाली–84	–	–	2	3	1	1	7	6
	जोड	2	3	9	5	13	25	57	11
	ओ0 जिला रिवाडी								
1.	बावल–85	3	–	–	–	3	–	6	3
2.	रिवाडी–86	4	–	–	1	–	–	5	2
3.	जाटूसाना–87	–	–	–	–	2	–	2	–

4.	सालहावास–34	–	1	–	–	2	–	3	1
	जोड	7	1	–	1	7	–	16	6
	पी जिला महेन्द्रगढ								
1.	जाटूसाना–87	2	–	–	–	–	–	2	–
2.	महेन्द्रगढ–88	1	–	–	1	2	–	4	1
3.	अटेली–89	1	–	–	1	2	–	4	1
4.	नारनौल–90	2	1	–	1	2	–	6	5
	जोड	6	1	–	2	4	–	13	6
	कुल जोड	190	156	86	180	55	753	55	294

Election to Block Samitis

***1349 Dr. Raghvir Singh:** Will the Minister for Development and Pachayat be pleases to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to hold election of Block Samits of Pachayts: and

(b) if so, the time by which the election are likely to be held?

विकास मंत्री (श्री सुभाश चन्द कटियान):

(क) जी हां ।

(ख) मामला राज्य सरकार के विचारधीन है।

Poly Clinic for Anmials

***1358 Shri Mani Ram:** Will the Minister fo State for Animal Husbandry be pleases to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Poly-Clinic for animal in Village Chautala, Tehsil Dabwali District Sirsa; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materilaized?

प ुपालन राज्य मंत्री (श्री कुलबीर सिंह मलिक):

(क) जी हां।

(ख) प्रस्तावित पोलीक्लिनिक धनराि ा की उपलब्धि की स ार्त वर्श 1991–92 के दौरान पूरा होने की सभावना है।

विभिन्न विशयो का उठाया जाना

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, आज अखबारो मे छपा है कि हरियाणा सरकार चन्द्रास्वामी को प्रोटैक ान देने के लिए सिपाही देती है। मै जानना चाहता हू कि सरकार किस कानून के तहत उनको यह प्रोटैक ान दे रही है। (ाोर एवम विघ्न) हरियाणा सरकार जब अपने लोगो को तो प्रोटैक ान नही द पा रही तो फिर बाहर के लोगो को प्रौटैक ान कैसे दिया जा रहा है? हमारे सी0आई0डी0 के दो सिपाही पहले ही पकडे गए है जिससे सरकार बदनाम हुई है। (ाोर एवम व्यवधान) इस बारे मे सरकार को अपनी स्थिति स्पश्ट करनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब मि0 रावत की इस बारे मे एक काल अटैन ान मो ान आई है। That is under consideration.

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, दिल्ली मे सी0आई0सी0 वाली जो घटना हुई यह बहुत ही अपनाम जनक थी। इसके बाद जो कहानी इन्होने जवबा के तौर पर घडी कि थे तो किसी भाादी के सिलसिले मे चौधरी सुलतान सिंह से मिलने गए थे। वह ठीक नही थी। (ाोर एवम व्यवधान) उनके बारे मे अखबारो मे भी आया और उनकी परिवार वालो की तरफ से भी

आया है कि उनकी जान को खतरा है क्योकि पुलिस ने उन दोनो को गायब कर दिया है।(ाोर)

गृहमंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, हमने कोई कहानी नही घडी बल्कि जो सच्चाई थी वह बताई गई है। (ाोर एवम व्यवधान) हमने सौ फिसदी सही बात कही है।

श्री अध्यक्षः भार्मा जी, यह कहानी कहने की बजाये अच्छा होता यदि आप यह पूछते कि मेरी काल अटैन् ान मो ान का क्या हुआ।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, अब बता दीजिए कि मेरी उस काल अटैन् ान मो ान का क्या हुआ?

Mr. Speaker: Sharma Ji, I have reveived that today and the same is under consideration.

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, उनको गायब कर दिया है। (ाोर एवम व्यवधान) उनकी जान को खतरा है।

Mr. Speaker: Sharma Ji, as I have said, I have received your calling attention motion and that is under conisderation.

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैने कल भी आपसे प्रार्थना की थी और आज फिर प्रार्थना करता हू कि एच0सी0एम0 के पेपर्ज लेते समय जो धाधलिया हुई है। उस बारे मे मैने एक काल अटैन् ान मो ान दी थी उसका क्या हुआ ?

Mr. Speaker: I have sent it to the Government for commets.

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, सारे दे ा मे यह बहुत ही चर्चित विशय रहा है हरियाणा प्रदे ा की सी0आई0डी0 के दो आदमी दिल्ली मे पकडे गए है।(ोर एवम व्यवधान) उनकी पत्नी की तरफ से ि ाकायत आई है कि उनको गायब कर दिया है और अब उनकी जान को खतरा हो सकता है। मेरी इस काल अटैन् ान मो ान का क्या हुआ है ?

Mr. Speaker: Arya Ji, that is under consideration.

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, यमुना नदी के तट से पुलिस की मिली भगत से हजारो गाय यू0पी0 मे भेजी जा रही है मैने इस बारे मे एक कालिग अटै ान मो ान दिया हुआ था उसका क्या बना?

Mr. Speaker: Kataria Ji, I have sent it to the Government for comments.

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैने भी भटठो के मजदूरो के बारे मे एक काल अटैन् ान मो ान दी थी क्योकि उन मजदूरो के साथ बहुत अधिक ज्यादती हो रही है। मेरी उस काल अटै ान मो ान का क्या बना।

Mr. Speaker: Commrade Sahib, I have rejected it.

श्री परमा नन्दः अध्यक्ष महोदय, ट्रासपोर्ट डिपार्टमैंट मे चौरी छिपे ऐडहाक बेसिज पर और 89 डेज पर जो एम्पलाईज रखे जा रहे है उनके बारे मे मैने एक काल अटै ान मो ान दी थी, उसका क्या बना?

श्री अध्यक्षः मेरे रिकार्ड के मुताबिक आपकी तरफ से इस बारे मे कोई कालिग अटैन्ा ान मो ान नही आई है। However, you please enquire form me about it afterwards.

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, फरीदाबाद मे तहसीलदार सेल ने रिहैबिलिटे ान के प्लाट लोगो से झूठे एफिडेविट लेकिन अलाट किये है। इस बारे मे मैने एक काल अटै ान मो ान दी है उसका क्या बना?

Mr. Speaker: Chaudhry Sahib that is under consideration.

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, मैने बहन कमला वर्मा की इल लीगल डिटै ान के बारे मे एक प्रिविलेज मो ान दी थी उसका क्या बना?

Mr. Speaker: Chaudhry Sahib, I have called the comment of the Government on it within 24 hours.

वर्श 1991–92 के बजट पर अनुदानो की मागो पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब वर्श 1991–92 के बजट की डिमाडज फार ग्रान्टस पर डिस्क ान होगी।

पहली प्रैक्टिस के मुताबिक और हाउस का टाईम सेव करने के लिए आर्डर पेपर पर रखी गई सभी डिमाडज (स0 1 से 25) एक साथी पढी गई तथा मूव की गई समझी जाएगी। आनरेबल मैम्बर्ज किसी भी डिमाड पर डिस्क ान कर सकते है लेकिन बोलने से पहले वे डिमांड का नम्बर बता दे जिस पर बोलना चाहते हो। डिस्क ान के बाद डिमांडज हाउस की वोट के लिए पुट की जाएगी। साथ ही मै रिक्वैस्ट करूगा कि हर मैम्बर 10 मिनट से ज्यादा टाईम न ले ताकि ज्यादा से ज्यादा मैम्बर साहेबान को बोलने का मौका मिल सके।

That a sum not exeeding Rs. 17447000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. I Vidhan Sabha.

That a sum not exeeding Rs. 460008000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 2 General Administration.

That a sum not exeeding Rs. 124707000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 3 Home.

That a sum not exeeding Rs. 282180000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 4 Revenue.

That a sum not exeeding Rs. 108467000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 5 Excise & Taxation.

That a sum not exeeding Rs. 792625000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 6 Finance.

That a sum not exeeding Rs. 11991694000 for revenue expenditure and Rs. 3665000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 7 other Administrative Services.

That a sum not exeeding Rs. 570531000 for revenue expenditure and Rs. 534367000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 8 Buildings and Roads.

That a sum not exeeding Rs. 3557614000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 9 Education.

That a sum not exeeding Rs. 1654161000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 10 Medical and Public Health.

That a sum not exeeding Rs. 80697000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 11 Urban Devlopment.

That a sum not exeeding Rs. 212064000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 12 Laboru and Employment.

That a sum not exeeding Rs. 1800102000 for revenue expenditure and Rs. 18264000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 13 Social Welfare and Rahabiliation.

That a sum not exeeding Rs. 48254000 for revenue expenditure and Rs. 1970080000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 14 Focd and Supplies.

That a sum not exeeding Rs. 2313501000 for revenue expenditure and Rs. 848394000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that

will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 15 Irrigation.

That a sum not exeeding Rs. 229535000 for revenue expenditure and Rs. 64216000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 16 Industries.

That a sum not exeeding Rs. 849720000 for revenue expenditure and Rs. 6300000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 17 Agriculture.

That a sum not exeeding Rs. 300599000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 18 Animal Husbandry.

That a sum not exeeding Rs. 31766000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 19 Fisheries.

That a sum not exeeding Rs. 452406000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 20 Forest.

That a sum not exeeding Rs. 737814000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in

respect of chargs under Demand No. 21 Community Development.

That a sum not exeeding Rs. 352767000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 22 Cooperation.

That a sum not exeeding Rs. 184892000 for revenue expenditure and Rs. 255400000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 23 Trasport.

वर्श 1991 के बजट पर अनुदानो की मागो पर चर्चा तथ मतदान

That a sum not exeeding Rs. 18252000 for revenue expenditure and Rs. 20500000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 24 Tourism.

That a sum not exeeding Rs. 2476256000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 25 Loans and Advances by State Government.

श्री जय नारायण खुण्डिया (कलानौर अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मै डिमाड नम्बर 8,3,20,23 तथा 9 पर अपने विचार

व्यक्त करना चाहता हू। सबसे पहले मै कृशि की डिमाड पर बोलना चाहूगा। (ाोर एवम विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो मै गुस्ताखी कर रहा हू क्योकि टाईम समाप्त हो गया है और मुझे इन्ट्रप्ट से मै यह अर्ज करना चाहता हू कि श्री दुर्गा दत्त अत्री जी ने जो प्रिविलेज मो ान का नोटिस दिया है उसका क्या बना?

Mr. Speaker: That matter and S.P's conduct has already been discussed and raised here for a number of times.

Shri Verender Singh: Sir, It is fresh privilege motion.

Mr. Speaker: I will discuss it with you.

श्री जय नारायण खुण्डियाः स्पीकर साहब, कृशि के लिए 84 करोड 97 लाख 20 हजार रूपये की रा ि ा रखी गई है। मै आपका ध्यान इस और दिलाना चाहता हू कि वैसे तो सरकार ने कृशि के बारे बहुत ही बढा चढा कर बाते कही है। यह कहा गया है कि हमने गन्ने का रेट बहुत ज्यादा दिया हैं। यह बात ठीक है कि गन्ने का रेट बहुत जयादा दिया है। यह बात ठीक है कि गन्ने का रेट हरियाणा प्रदे ा मे बढा है लेकिन फिर भी हरियाणा के किसानो के साथ बहुत बडा भेदभाव किया गया है। लोहे और सीमेन्ट के रेट कितने बढे है और गेहु का रेट कितना बढा है इससे ही किसान के साथ हुए भेदभाव का पता चल जाएगा। गेहू का भाव किसान को 215 रूपये क्विटल दिया गया लेकिन वह 450

या 500 रूपये प्रति क्विटल पर बिक रहा है। यह रेट पिछले दिनो ही बढे है। जब किसान के खेत मे फसल होती है तो रेट बहुत ही कम तय किया जाता है। लेकिन जब फसल किसान के घर मे चली जाती है तो उसका रेट बढता ही चल जाता है। स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हू कि यह सरकार किसानो की हमदर्द सरकार नही है। बल्कि किसानो के हित की बात को बढा चढा कर कहा गया है और किसान के साथ भेदभाव किया जा रहा है। आज सीमेट और लोहे के रेट कही से कही पहुच गए है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप कौन सी डिमाण्ड पर बोल रहे है ?

श्री जय नारायण खुण्डियाः स्पीकर साहब, मै कृशि की डिमाण्ड पर बोल रहा हू। एस0वाई0एल0 का मामला भी वही का वही अटका हुआ है। इसी मामले पर चौधरी देवी लाल और स्वर्गीय डा0 मगल सेन ने मिलकर युद्ध भ्ारू किया था। एस0वाई0एल0 के पानी का मामला हरियाण प्रदे ा के लिए जीवन मरण का प्र ान है। इस मामले का हल करने के लिए अभी तक सरकार ने कोई गम्भीर प्रयत्न नही किए है। चौधरी देवी लाल जी ने इलैक ान के वक्त बार बार कहा था कि अगर चुनाव मे हमारी सरकार बनी तो एम0वाई0एल का पानी प्रदे ा मे लाया जाएगा। नहर का काम आज चल नही रहा। मै सरकार से यह पूछना चाहूगा कि क्या सरकार यह पानी हवाई जहाज से प्रदे ा मे लाएगी? जमीन ऐक्वायर कर रखी है लेकिन काम ठप्प पडा है। इस प्रकार से किसानो के साथ बडा भद्दा मजाक किया जा रहा

है। स्पीकर साहब, किसानो के साथ हरिजनो और पिछडे वर्गो के साथ भी भेदभाव किया जा रहा है। भीम राव अम्बेदकर जी ने भारतीय सविधान मे 20 प्रति ात नौकरिया एस0सीज0 के लिए रिजर्व करने का प्रावाधन किया था। यह 20 प्रति ात आरक्षण हरिजनो की हालत को सुधारने और समाज मे बराबरी का दर्जा दिलाने के लिए किया था। काग्रेस की सरकार ने 40 वर्श तक इस दे ा पर भाासन किया लेकिन आज भी आरक्षण के मामले पर हरिजनो और पिछडे वर्ग के लोगो के साथ अन्याय किया जा रहा है। एक तरह से यह उनके साथ भद्दा मजाक है। इसी तरह से तीन साढे तीन साल से यह सरकार भी उनके साथ भेदभाव कर रही है। मैने असैम्बली मे इस बारे मे क्वै चन भी किया था कि पुलिस की भर्ती के अन्दर कितने एस0पी0, डी0एस0पी0, इन्सपैक्टर, सब–इन्सपैक्टर, हवलदार, हैड कान्स्टेबल और कान्स्टेबल भर्ती किए गए है और उनमे कितने हरिजन और पिछडे वर्ग के है? जवाब मे बताया गया कि टोटल जो भर्ती हुई है, उसके अन्दर पुलिस मे डी0एस0 पीज मे 12 की कमी है निरीक्षको मे 221 की कमी है, उप निरीक्षक मे 62 की कमी है, और सिपाहियो मे 421 की कमी है। मै यह कहना चाहता हू कि बार बार हाउस के अन्दर आ वासन दिया जाता है कि जो बैकलौग रिजर्वे ान के अन्दर है, उसको पूरा करेगे लेकिन यह सरकार इस बारे मे कुछ भी नही कर रही है। यह बैकलौग हर साल बढता जा रहा है। इसको कम नही किया जा रहा है। मेरी अपनी सरकार से यह निवदेन है कि आपको इसके लिए स्पै ाल रिकूटमैट करनी चाहिये। पुलिस के

अन्दर या दूसरे जिन भी महकमो के अन्दर इस तरह की हालत है, वहा पर इस कमी को पूरा किया जाये। मै ि ाडयूल्ड कास्टस एड ि ाडयूल्ड ट्राइब्ज कमेटी का मम्बर हू। इस नाते मुझे पूरा पता है कि आज भी डिपार्टमैटस के अन्दर क्लास 1 के अन्दर एक डेढ परसैट, क्लास 2 के अन्दर 2 परसैट और क्लास 3 के अन्दर केवल 10 या 11 परसैट से ज्यादा इनकी भर्ती नही है। यह बात ठीक है कि क्लास फोर मे रिजर्वे ान पूरी है और वह भी इसलिये क्याकि बाल्मीकि इन पोस्टस पर आ जाते है। सफाई वगैरहा करने के लिये वे आ जाते है। इसके बगैर काम नही चल सकता इसलिए क्लास फौर मे 20 से 25 परसैट तक है। क्लास फोर मे इनकी रिजर्वे ान पूरी है। मै यह कहना चाहता हू कि हमारे महकमो के अन्दर जो बैकलौग है, उस के बारे मे बार सैट्रल गवर्नमैट से चिटठी आयी हुई है कि इस बैकलौग को पूरा किया जाये। पता नही किस तरह से यह सरकार काम करती है। यह बैकलौग दिन प्रतिदिन बढता ही जा रहा है। मै सरकार से पुरजोर अपील करता हू कि इस बैकलौग को स्पै ाल रिकूटमैट करके पूरा किया जाये। इसके साथ साथ इन डिमाडज मे होम डिपार्टमैट के लिये भी पैसा मांगा गया है। मै यह कहना चाहता हू कि पिछले दो साल के अन्दर हरियाणा प्रदे ा के अन्दर जो घटनाए घटी है, उससे हरियाणा प्रदे ा का नाम सारे हिन्दुस्तान के अन्दर उजागर हुआ है। जिस तरह से कोसलीह के अन्दर बहुत बडा कांड हुआ। गोहाना के अन्दर काड हुआ। मेहम के अन्दर भैसी का काड हुआ। इतना ही नही, जैसे सूरज भान जी की जीप जलायी गयी, उनके

मकान को नश्ट किया गया, बनारसी दास गुप्ता पर हमला हुआ, दुर्गा दत्त अत्री अब भी बार बार यह कह रहे है कि जींद का एस0पी0 हजारी लाल उनको आज भी चुनौती दे रहा है। (व्यवधान एवम भाोर) उन्होने यह कहा है कि पडित जी, अब विपक्ष के अन्दर जितने भी आप पडित बैठे हुए है, आप सावधान रहना। पजाब से उग्रवादी आये है और आपकी जान खतरे मे है। हमारे लायक दोस्त श्री सम्पत सिंह जी मेरी इस बात पर हंस रहे है। हमने इस हाउस मे बार बार उस की धमी का जिकर किया है। मेरा कहना यह है कि जब बार बार हाउस के अन्दर उस एस0पी0 का नाम आ रहा है तब आप उसके खिलाफ एक ान क्यो नही लेते।

एक आवाजः यह किस मांग पर बोल रहे है।

श्री जय नारायण खुण्डियाः मै होम डिपार्टमैट की मांग सख्या 3 पर बोल रहा हू। इसमे वह मांग भाामिल है। यह मांग सख्या 3 की बात है। इसके साथ ही मै परिवहन के मुताल्लिक यह कहना चाहता हू कि उसकी इतनी बुरी हालत है कि अगर आप चडीगढ से रोहतक या नारनौल को जायेगा तो रास्ते मे कम से कम 10 बसे खराब मिलेगी क्योकि उनके स्पेयर पार्टस ठीक ढग से लगाते नही है। यह नही बसो के भी ो तक नही होते और उनकी सफाई तक नही होती। इतना ही नही परिवहन के अन्दर फर्जी टीकटे भी चलती है यहा पर फर्जी टिकटे भी छापी जाती है और इनके अपने चहेते ही उन फर्जी टिकटो को बेचते है। स्पीकर साहब, मण्डल कमि ान की रिपोर्ट के सम्बनध मे जो झगडे हुए

उनमे कम से कम 150 बसिज राजनीतिक्ष्ज्ञो के इ ाारे पर फूकी गई और बहुत अधिक नुकसान किया गया। एस0पी0 और डी0एस0पी0 पर हमले हुए। इन झगडो के दौरान जितने भी एस0पी0 और बी0सी0 के आई ए0एस0 और एच0सी0एस0 औफिसर्ज थे उनके साथ बुरा व्यवहान किया गया। मि0 बिडसाल हांसी के एस0डी0एम0 थे उन पर हमला किया गया। औ0पी0 इन्दौरा एस0डी0एम0 फतेहबाद थे उनके साथ बुरा व्यवहार किया गया और आर0सी0 चौधरी डी0सी0 सोनीपत के साथ भी इसी तरह का दुर्व्यवाह किया गया। (इस समय श्री उपाध्यक्ष महोदय, पदासीन हुए।) उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह का वातावरण इस प्रदे ा के अन्दर फैला हुआ था। डिप्टी स्पीकर महोदय, भिवानी के अन्दर जो घटनाए हुई उनके बार मे आप अच्छी तरह से जानते है क्याकि आप वहा के रहने वाले है। इस साढे तीन साल के माहौल मे लोग अपने आपको सुरक्षित नही समझते। आज हर जगह प्लाटो पर नायायज कब्जा किया जा रहा है। आम आदमी अपने आपको सुरक्षित महसूस नही कर रहा है। बहन बेटियो की इज्जत पर हमला हो रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, तीन साल के दौरान इतनी चौरिया हुई है जिसका कोई हिसाब नही है। मैने असैम्बली के अन्दर इस बारे मे क्वै चन भी किया था और वे आकडे मेरे पास है। 1987 मे कम से कम दो सौ, 1988 मे तीन सौ, 1989 मे 400 और 1990 मे 500 इस तरह से चोरिया बढती गई है। इस तरह से स्कूटर्ज, कारो, ट्रक्स की चोरियां हुई है। डिप्टी स्पीकर साहब, ये लोग हमसे पैसा मन्जूर कराना चाहते है लेकिन मै इनसे पूछना

चाहता हू कि इन्होने क्या काम किया? क्या यह सरकार इन फौजो के लिए पैसा मन्जूर कराना चाहती है जिनसे लोग परे ाान है और लोगो को तंग करते है। आज हर थाने मे लोगो से जबरदस्ती पैसा लिया जा रहा है। अगर एस.एच.ओ. से पूछते है कि तुम पैसा क्यो लेते हो तो वे कहते है कि ऊपर भेजने के लिए पैसा चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री मनी रामः डिप्टी स्पीकर साहब, मै इनसे पूछना चाहता हू कि जब ये ज्योति लेकन गए थे तो इन्होने जो अरबो रूपया इकटठा किया था वह कहा से आया था ?(ाोर एवम व्यवधान)

श्री जय नारायण खुण्डियाः डिप्टी स्पीकर साहब, मनी राम को बडी तकलीफ हो रही है आने वाले समय मे सारे हिन्दुस्तान के अन्दर ज्योति जागेगी और भारत वर्श के अन्दर भारतीय जनता पार्टी का राज होगा। (ाोर एवम व्यवधान)

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै ि ाक्षा के बारे मे कहना चाहता हू। (ाोर एवम व्यवधान) पचास हजार रूपया लेकर एक्सीयन तेरे पास आया था। (ाोर एवम व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, ि ाक्षा के बारे मे मै सदन का ध्यान दिलाना चाहता हू। ि ाक्षा का स्तर इतना गिर चुका है जिसकी कोई हद नही है। आज किसी भी स्कूल के अन्दर जाकर देख लीजिए न तो वहा बैठने के लिए स्थान है और बिल्डिग की हालत इतनी खराब है कि

वह सारी टपकती है। बच्चो के बैठने के लिए कोई टाट भी नही है और अध्यापको की इतनी कमी है कि आप उसका अन्दाजा नही लगा सकते। डिप्टी स्पीकर साहब, ि ाक्षा का स्तर ऊंचा करने के लिये बार बार इस हाउस मे कहा गया। ि ाक्षा का स्तर तो तभी ऊंचा हो सकता है जब राज्य के अन्दर हरेक स्कूल मे पूरे अध्यापक हो। मैने अपने हल्के के बारे मे भी कहा कि वहा पर कई स्कूलो के अन्दर टीचर्ज का अभाव है। सो ाल साइंस के टीचर्ज नही है, मैथ के टीचर्ज नही है। आप ही बताइये डिप्टी स्पीकर साहब, जिन स्कूलो मे टीचर्ज का अभाव होगा वहा कैसे बच्चे सुचारू रूप से अपनी ि ाक्षा ग्रहण कर सकेगे? कैसे उनका ि ाक्षा का स्तर ऊचा हो सकेगा? यहा पर यू ही हवाई मुल बताये जा रहे है कि हरियाण प्रदे ा मे ि ाक्षा का स्तर बडर ही ऊंचा जा रहा है। मै आपको स्कूलो की हालत का क्या बताऊ? कही टाट नही है, कही बिल्डिग नही है तो कही पर टीचर्ज नही है। कई जगहो पर स्कूलो की बिल्डिगो की ऐसी दुर्द ाा है कि उनको अनसेफ डिक्लेयर किया जा चुका है लेकिन सरकार को उस और कोई ध्यान नही है।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसी तरह से हस्पतालो की भी बडी ही दुर्द ाा है। पब्लिक हैल्था के लिए सरकार ने 1 करोड 65 लाख 41 हजार रूपये मागे है। उपाध्यक्ष महोदय, बार बार कहने के बावजूद भी सरकार इस और कोई ध्यान नही दे रही है। मेरी मांग भी थी कि मेरे इलाके मे एक हस्पताल बनाया जाए लेकिन

सरकार ने अनसुनी कर दी। जो हस्पताल सरकार के चल रहे है उनकी हालत ऐसी है कि कही दवाई नाम की कोई चीज नही है मै आपका रोहतक की बात बताना हू कि वहा पिछले चार साल से सिविल हस्पताल रोहतक के अन्दर एक रेडियो ग्राफर काम कर रहा है। इस बारे मे मै कई बार हाउस मे भी कह चुका हू कि जहा भी वह आदमी आता है, वहा की म ीने जानबुझ कर खराब कर देता है। पहले उसको बहादुरगढ बदला गया, वहा की म ीने खराब की और उसके बाद उसे जीन्द ट्रासफर कर दिया गया तो वहा की म ीनो का भी उस आदमी ने भट्ठा बिठा दिया। वह आदमी पोलिटिकल आदमियो के इ ाारे पर चल रहा है और पिछले चार सालो से वह आदमी रोहतक सिविल के अन्दर ही बिराजमान है। उनको वहा से हिलाने की किसी की हिम्मत नही पडती। वह हर जगह की म ीने इस लिये खराब कर देता है ताकि लोग बाहर प्राईवेट तौर पर जाकर अपने एक्सरे करवाए। उस आदमी ने प्राईवेट दुकान वालो से अपनी साठ गाठ कर रखी है। पिछले दिनो हम रोहतक हस्पताल के अन्दर गये तो पता चला कि वहा की ऐक्सरे म ीन उस आदमी ने 15 दिनो के अन्दर खराब कर दी है जिससे लोगो को बडी भारी परे ाानी हो रही है। रोहतक हस्पताल की म ीन खराब होने के कारण लोगो को झज्जर वगैरहा जाना पडता है या फिर प्राईवेट दुकानो से अपने इलाज के लिये ऐक्सरे करवाने पडते है जो कि उनको बहुत ही महगा पडता है। यह सब कुछ उसी एक आदमी की वजह से हो रहा है जो कि रोहतक मे ही बैठा है। प्राईवेट दुकानो के साथ

उस आदमी ने अपना पचास प्रति ात भोयर रखा हुआ हैं और वह सरकार के साथ साथ लोगो को भी लुट रहा है। इस सारे मामले की जांच होनी चाहिये और उस तुरन्त ही वहा से बदला जाना चाहिये।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै नगरपालिकाओ की और आपका ध्यान दिलाना चाहता हू जिनके लिये इस सरकार ने 8 करोड 6 लाख 97 हजार रूपये की रा ि ा की मांग की है। नगरपालिकओ की इतनी बुरी हालत है कि क्या कहू। खासतौर पर रोहतक भाहर की बहुत बुरी हालत है। आपने आते जाते देखा भी होगा कि सडको की हालत खस्ता है और बडे बडे खडडे है जिससे लोगो को आगे जाने मै बडी दिक्कते होती है लेकिन इस सरकार का उनकी तरफ कोई ध्यान नही है। मै तो यहा तक भी कहूगा कि वहा विपक्ष मे प्रधान सुन्दर लाल सेठी है इसलिए वहा ग्राट भी एक नये पैसे की नही दी गई। उपाध्यक्ष महोदय, रोहतक के साथ इतना भारी भेद भाव किया जा रहा है। जब सम्पत सिंह जैसे राजनीतिक लोग और बडे बडे नेता चुनाव के दौरे के समय रोहतक मे आते है तो रोहतक भाहर की मिटटी को उठा कर तिलक लगाते है लेकिन अब इन्होने वहा पर खुन बहाना भुरू कर दिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, चुनाव के दिनो मे तो रोहतक भाहर इनकी भारीफ नजर आता है लेकिन जब वहा से जीत जाते है तो उसके बाद उस तरफ इनका ध्यान ही नही जाता। (विध्न) इम्प्रवमैट ट्रस्ट भी अभी बहाल किए गए है। उस ट्रस्ट के 5–6

मैबर है। उस ट्रस्ट ने 17 दुकानो बनाई जिनमे से दो दो दुकाने तो मैम्बरो ने बाट ली और बाकी की चेयरमैन ने रख ली। इन दुकानो को 60–60 हजार रूपए मे उन्होने अपने रि ते दारो के नाम अलौट करवा दिया लेकिन औक ान नही की। वह एक दुकान आज चार लाख रूपए की है। जिन लोगो को ये दुकाने दी गई थी उन्होने उनको चार चार लाख रूपए मे डिस्पोज आफ कर दिया। रोहतक की गलियो और सडको की भी बहुत बुरी हालत है। अब की बार हमारे लायक दोस्त समपत सिह जी रोहतक मे आएगे तो इनको मजा चखाएगे।

गृहमंत्री (प्रो0 सम्पत सिह): डिप्टी स्पीकर साहब, रोहतक तो मै जाता रहता हू। वहा पर बाकायदा काम हो रहे है लेकिन ये भााम के टाइम रोहतक में निकलते है उस वक्त इनको... .....नही होंता । इसलिए इनको सब जगह खडडे ही खडडे नजर आते है।

श्री जय नारायण खुण्डिया: डिप्टी स्पीकर साहब, ये दिन मे वहा मेरे साथ चले इनकी धरण न गिर जाए तो मुझे बता दे।

प्रो0 सम्पत सिंह: .....

श्री उपाध्यक्ष: हो ा और भाराब वाली बात रिकार्ड न की जाए।

कामरेड हरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, दूसरे लोगो को भी टाइम मिलना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः अभी आप बैठे। खुण्डिया जी, अब आप वाईड अप करे क्योकि आपने काफी टाईम ले लिया है। इसीलिए पहले की कहा गया था कि कृपया दस दस मिनट के लिए ही बोले।

श्री जय नारायण खुण्डियाः डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी क सरकार ने जो बुढापा पैन् ान की स्कीम चलाई थी यह बहुत ही सराहनीय काम है जिन लोगो को पहले 60–60 रूपए मिलते थे, जिस दिन से यह सरकार आई है उनको उस दिन से वह 60 रूपए भी मिलने बन्द हो गए है। तीन चार केस तो मेरी नालेज मे है, मेरे पास उनकी चिटिठयां है। उनको पिछले चार साल से एक पैसा नही मिला है। वे 85–85 साल के बूढे है, मेरे पास उनका पीछे का रिकार्ड है पीछे वे मानी आर्डर लेते रहे थे। लेकिन जब से यह सरकार आई है।

11.00 बजे।

उनकी पै ान बंद हो गई है मेरे खुद के गांव गरनावठी मे भी ऐसे 5–6 केस है जिनको पहले पै ान मिलती थी लेकिन अब ंबंद हो गई है। सरकार से मेरा अनुरोध है कि इस तरह की अनियमितताओ का सरकार सुधार करें। डिप्टी स्पीकर साहब, एक बात मै फूड एड सप्लाईज विभाग के बारे मे कहना

चाहूगा कि इस विभाग के डी0एफ0सी0 के कारण रोहतक भाहर मे भाोर मचा हुआ है। पिछले दिनो रोहतक भाहर मे गरीब लोगो को 4–5 रूपए किलो के हिसाब से भी आटा नही मिला इसमे कोई भाक नही कि वह उस डी0सी0 और एस0पी0 साहब से मिला। वहा के डी0सी0 और एस0पी0 साहब बडे सज्जन आदमी है। उन्होने उस समय हमे कहा था कि जो अच्छी बाते होगी वह हम जरूर करेगे। डिप्टी स्पीकर साहब, उन्होने कई जगहो पर हमारे कहने मे छापा मारा। वहा पर जितने भी डिपो होल्डर्ज है उनके साथ भी हमने बात की। डिपो होल्डर्ज कहते है कि हम क्या करे? हमसे 15–15 रूपए बोरी के हिसाब से फूड एंड सप्लाईज विभाग के आफिसर्ज लेते है। हम उन बोरियो को आगे बेच देते है। इसी तरह से चीनी का हाल है। सरकार ने जितनी भी गेहू गावो के गरीब लोगो के लिए भेजी थी वह गावो मे न जा कर भाहरो मे जा करके मिलीभग्त से बेची गई। मैने इस बारे मे फूड एंड सप्लाइज विभाग के मंत्री श्री नर सिंह दाडा से बात भी कि थी जब हम कैटीन मे चाय पी रहे थे। मैने इनसे कहा था कि इसका कोई न कोई समाधान जरूर किया जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, भारद्वाज साहब सदन से उठ कर बाहर जा रहे है मैने उनसे भी रेडियो ग्राफर्ज के बारे मे बात की थी। अब मै हल्के की कुछ बातो की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहूगा। मेरे हल्के कलानौर का बहुत बुरा हाल है। ज्यादातर मंत्री रोहतक जिले के होते हुए रोहतक जिले के बारे मे नही बोल सकते। क्यो नही बोल सकते क्योकि उनको कुंर्सी मिली हुई है। रोहतक जिले मे सडको और

स्कूलो का इतना बुंरा हाल है जिसका कोई हिसाब नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे हल्के कलानौर मे मडौदी जाटाना और मडौदी रागडान दो गाव है। उन गावो मे मुख्यमंत्री जी भी कई बार गए है उनके साथ मै भी था। वहा पर जो रोड बननी है उसकी सैक ान हो चुकी है लेकिन अभी तक उसका काम भाुरू नही किया गया है। वहा पर डेढ डेढ फुट पानी खडा रहता है। दोनो साईड मे गांव है और उसके बीच से रोड जाती है। सरकार से मेरी प्रार्थना है कि उस रोड का काम जल्दी से जल्दी भाुरू करवाया जाए ताकि लोगो को कोई दिक्कत न हो। इसी तरह से मेरे हल्के मे एक सडक कलानौर से सैम्पल होती हुई कलगा तक बननी है। वह सडक मार्किट कमेटी से बनानी है। लेकिन उस सडक का काम भी खटाई मे पडा हुआ है। उसको बनाने के बारे कोई जिकर नही है। मै सरकार से प्रार्थना करूगा कि सरकार उस और ध्यान दे कर उस सडके को बनाने का काम भाुरू कराए। इसी तरह से मेरे हल्के मे स्कूलो की बिल्डिगो की हालत खराब है। उन बिल्डिगो के बारे मे मै सरकार से रिक्वैस्ट करूगा कि उनकी रिपेयर का काम जल्दी से जल्दी भाुरू कराया जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, मै ज्यादा समय न लेते हुए और आपका धन्यवाद करते हुए सरकार से यह अनुरोध करूगा कि जो भी मेरी मांग है उनकी तरफ ध्यान दे करके खास तौर से रोहतक जिले के कामो की तरफ ध्यान दे। (धन्यवाद)

श्री योगे ा चन्द भार्मा (बल्लबगढ): डिप्टी स्पीकर साहब, समय अभाव के कारण मुझे बजट पर बोलने के लिए समय नही दिया गया। आपने इन डिमाडज पर बोलने के लिए जो समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। मै डिमाड नम्बर 2,3,4,6,9,10,11,12,14 और 23 पर अपने विचार प्रकट करना चाहूगा। इन डिमाडज पर बोलने से पहले मै कहना चाहूगा कि जैसे तुलसी दास जी ने रामायण की रचना करते समय राक्षओ और देवताओ का आहबान किया था कि वे उनको प्रणाम करते है उनको प्रमाण करते है उसी तरह से मै भी अपने स्पीच स्टार्ट करने से पहले सत्ता पक्ष के भाईयो का प्रणाम करता हू। मेरा प्रणाम करने का मकसद है कि जब मै बोलू तो सत्ता पक्ष के भाई कोई विघ्न न डाले। मै आपको वि वास दिलाता हू कि मै ऐसी कोई बात नही कहूगा जो आपको अच्छी नही लगेगी। उपाध्यक्ष महोदय, अग मै सबसे पहले ऐग्रीकल्चर की डिमाड पर बोलना चाहूगा। औला दृश्टि से हुए नुकसान का जो 400 करोड रूपये पर एकड के हिसाब से पैसा किसानो को सरकार द्वारा दिया जा रहा है यह आज की महगाई के समय मे बहुत कम है इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस रा ि ा को बढाया जाये क्योकि जो खर्चा उनका एक एकड पर आता है वह 400 रूपये से ज्यादा आता है। पीछे मेरे हल्के के एक गांव बहबुलपुर मे काफी तुफान आया जिससे वहा पर सारे पेड उखड गए थे और लोगो का बडा भारी नुकसान हआ था। वहा पर लोगो को किसी प्रकार की सुविधा नही दी गई। बिजली के जो खम्भे थे वे भी सारे उखड गए थे उनको तो

एच0एस0ई0बी0 ने लगा दिया है। कुछ थोडी बहुत सुविधा जो डी0सी0 की तरफ से दी जानी थी वह दी गई है लेकिन एडमिनिस्ट्रे ान लैवल जो सुविधाए दी जानी चाहिए थी वे आज तक नही दी गई है। वे लोग आज काफी परे ाान है। जब लोगो को किसी प्रकार की कोई सुविधा न दी जाये और फिर इतनी भारी डिमांड सरकार की और से मन्जूरी के लिए आये तो वह ठीक नही लगता क्योकि जब सरकार किसी साइक्लोन और ओलावृश्टि से हुए नुकसान की तरफ ध्यान नही दे सकती और उनका कोई सुंविधा नही दी जा सकती तो फिर इस पैसे लेने का क्या फायदा है?

उपाध्यक्ष महोदय अब मै ि ाक्षा की जो मांग है उस पर बोलना चाहूगा। हाउस मे एक सवाल के जवाब मे मंत्री महोदय ने जवाब देते हुए बताया कि सभी हल्को मे बराबर अनुपात मे स्कूल और कालेज अपग्रेड किए गए है मेरे हल्के मे कालेज तो कोई अपग्रेड नही किया गया। इसका मुझे कोई दुख नही है। जहां पर ज्यादा अनपढ लोग है वहा पर कालेज पहले अपग्रेड किए जाए अच्छी बात है। लेकिन जहा मासूम बच्चो के साथ अन्याय हो यह ठीक बात नही है। सरकार ने फरीदाबाद जिले मे पलवल क्षेत्र मे 5 और हसनपुर क्षेत्र मे 3 स्कूल अपग्रेड किए है। वहा पर चार हल्के और बकाया रहते है जहा पर कोई स्कूल अपग्रेड नही किया गया। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहा पर भी स्कूल अपग्रेड किये जाये। मै सरकार के नोटिस मे यह लाना चाहता हू कि

फरीदाबाद जिले मे और फरीदाबाद के अन्दर जो लोग रह रहे है वह पावर्टी लाईन से भी नीचे की लाईन के रह रहे है। यदि उन बच्चो को ि ाक्षा नही मिलेगी तो स्टेट के अन्दर अन सो ाल ऐलिमेटस पैदा होगे तो जो बाद मे झगडे करेगे और सरकार के लिए मुसीबत बन सकते है। मेरी सरकार से पुरजोर प्रार्थना है कि बच्चो को ि ाक्षा देने के लिए वि ोश प्रबध करना चाहिए क्योकि अमीर लोग तो अपने बच्चो को 200–250 रूपये देकर पब्लिक स्कूलो मे पढा सकते है लेकिन बेचारे गरीब आदमी कहा जाये। इसलिए मेरी सरकार से पुरजोर प्रार्थना है कि गरीब बच्चो की तरफ से सरकार वि ोश ध्यान दे ताकि वे पढ लिख सके। उपाध्यक्ष महोदय, देवली मे एक सैन्ट्रल स्कूल मन्जूर हुआ था। वह सेन्ट्रल स्कूल वहा पर इस भार्त के साथ मन्जूर हुआ था कि गांव की पंचायत स्कूल के लिए जमीन ट्रास्फर करेगी। यह स्कूल खुला भी है लेकिन इस समय वह देवली मे न चल कर पलवल मे एक बहुत बडे आदमी के घर मे चल रहा है। इसको उसको किराया भी बहुत अधिक आ रहा है। गांव की पंचायत की तरफ से स्कूल के नाम जमीन ट्रास्फर करने की फाईल करीब डेढ साल से डिवैल्पमैट मिनिस्टर के पास पडी है लेकिन उस फाईल को कलियर नही किया जा रहा है। वह इसलिए नही कलियर किया जा रहा क्योकि उससे उस बडे आदमी को काफी किराया आ रहा है। इसलिए मेरा मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि इस फाईल को जल्दी से जल्दी कलियर किया जाये ताकि यह स्कूल देवली मे चालू हो सके। वहा पर यह स्कूल इसलिए खेला गया था कि उससे 4–5 गावो जैसे

मान्दकौल, देवली, जटोला व असावटी आदि के बच्चो को फायदा हो। भाहरो मे तो वैसे ही बहुत से स्कूल खुले हुए है। इसलिए भाहर के बच्चे आई0ए0एस और एच0सी0एस0 बनते है। गाव का तो कोई बच्चा नही निकलता, अगर एकाध निकलता भी है तो वह मु कल से क्लर्क से ऊपर नही निकल पाता।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै अपने एरिये के एक गाव सागरपुर की चर्चा करना चाहता हू। भाम ाान और दूसरी सुविधाओ के लिए गाव की जो नजूल जमीन थी उसे पिछले 2–3 महीने पहले तहसीलदार सेल्ज ने मौके पर जा कर 19 लाख रूपये मे नीलाम कर दिया। उसका बाजारी भाव 38.40 लाख से कम नही होगा। गवर्नमैट रेट के मुताबिक और डी0सी0 के रेट के मुताबिक वहा पर 50 हजार रूपये एकड का रेट है। तहसील मे जा कर जब इसकी रजिस्ट्री करवाई गई तो यह 2 लाख 35 हजार की हुई। यानि कबीब साढे सोलह लाख रूपये बीच के अफसर और पोलिटि ियन्ज या ब्यूरोकेटस खा गए। इसी प्रकार द ाहरा ग्राउड की जो जमीन बेची गई थी सरकार ने मेहरबानी करके उस रजिस्ट्री को कैसल कर दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने मेरी यह प्रार्थना है कि सागरपुर गांव की जमीन की जो रजिस्ट्री है उसे भी फौरन कैसिल किया जाए और उस पर ये नायायज कब्जे को हटाया जाए। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै डिमांड नम्बर 14 जो कि खाध एवम आपूर्ति से सम्बन्धित है पर बोलना चाहता हू। खाध एवम

आपूर्ति महकमा जब बना था तो यह बहुत महत्वपूर्ण विभाग था। लोगो की जरूरतो की जो चीजे है उनका वितरण लोगो सही हो इस महकमे का यही मतलब था। लेकिन आज इस महकमे मे इतना भ्रश्टाचार बढ गया है कि यदि पानी और हवा पर भी इस महकमे का अधिकार होता तो यह महकमा इन्हे भी ब्लैक मे बेच डालता। भगवान का भुक्र है कि हवा और पानी पर इस महकमे का कन्ट्रोल नही है वरना लोगो को जीने के लिए इन्हे भी ब्लैक मे खरीदना पडता और पूरा महकमा उसको खा जाता। हमारा डी0एफ0एस0ओ0 बराबर दो साल मे वहा बैठा हुआ है जब कि उसकी प्रोमो ान होनी है लेकिन उसे प्रोमोट नही किया जा रहा है। उस प्रोमोट कर के चण्डीगढ लगाया जाए और हमारी जान उससे बचाई जाए। सरकार ने कज्यूमर्ज प्रोटैक ान ऐक्ट, 19888 बनाया था। इससे लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। इस ऐक्ट के तहत सरकार ने डिस्ट्रिक्ट फौर्म पूरे हरियाणा मे दो जगह रखे है। यह 3 टायर सिस्टम है। डिस्ट्रिक्ट फोरम, स्टेट कौसिंल और ने ानल कौसिल इस प्रकार इसकी क्लासिफिके ान की गई है।डिस्ट्रिक्ट फोरन के लिए इस ऐक्ट मे खासतौर मे लिखा गया है—

"There shall a be a District Forum is every District"

उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी से मेरी यह प्रार्थनाप है कि कज्यूमर्ज को लुटाई से बचाने के लिए, सभी कज्यूमर्ज की रक्षा करने के लिए इसको सभी जिलो मे स्थापित किया जाए। आज

अगर एक कज्यूमर से 15–20 रूपये लूट लिये जाते है तो वह परे ाानी से बचने के लिए फोरम के पास नही जाता। अगर सभी जिलो मे कन्जयूमर्ज फोरम होगे तो जिसकी लुटाई हुई है वह इनमे जा कर ि ाकायत करेगा। इस प्रकार बाकी के लोग इस लूट से बचेगे। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी स्टेट एक वैल्फेयर स्टेट है। वैल्फेयर स्टेट मे जो भी कार्य किये जाते है वे लोगो की भलाई के लिए ही किए जाते है उससे सरकार को कुछ नही मिलता। इस प्रकार कार्य लोगो की भलाई के लिए होते है इसलिए सरकार को कन्जयूमर्ज प्रोटैक ान ऐक्ट के तहत जल्दी से जल्दी डिस्ट्रिक्ट फोरम बनाने चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इस मे कोई भाक नही कि इस कुछ खर्च तो जरूर होगा लेकिन इससे लोगो को बहुत ही फायदा होगा। जब हम करोडो रूपये दूसरे जनहित कार्यो पर खर्च कर रहे है तो इस कार्य पर यदि कुछ पैसा खर्च किया जाए तो यह बहुत ही अच्छी बात होगी। आन्ध्र प्रदे ा की सरकार ने अपने सारे जिलो मे डिस्ट्रिक्ट फोरम बनाए है। सबसे जो इफैक्टिव डिस्ट्रैट कज्यूमर्ज फोरम है, वे महाराश्ट्र सरकार के है। इसलियस मेरा कहना यह है कि अगर सरकार को इस बात की नौलेज न हो तो मै सरकार को यह बताना चाहता हू कि वह अपने लोगो को महाराश्ट्र मे यहा आन्ध्रप्रदे ा मे भेजकर इसकी नौलेज गेन कर सकती है। (व्यवधान एवम भाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपका इस बात के लिए बहुत बहुत धन्यवाद करते हुंए आगे कुछ ओर कहना चाहता हू अब मै जनरल ऐडमिननिस्ट्रे ान के ऊपर थोडा सा बोंलना चाहूगा। बल्लभगढ तहसील के अन्दर तकरीबन 25 गांव

ऐसे है जो अब पलवल तहसील मे पडते है उन गावो की बहुत बुरी द ाा हैं। वहां का एम0एल0ए0 जो उनको रिप्रेजैट करता है, वह कटियाल साहब है। मै इनके बारे मे कुछ नही कह सकता हू लेकिन आज तक भी उन गावो का कोई बाली वारिस नही है। मार्किट कमेटी की सडक बनेगी तो उन गावो मे नही बनेगी, पी0डब्लयू0डी0 कोई सडक बनायेगा तो उन गावो मे नही बनायेगा, कहने का मतलब है कि उन गावो मे कोई काम नही होगा। पचायतो के अन्दर ग्राट देनी हो या किसी और तरह का काम डिवैल्पमैट का हो, तो वह वहा पर नही होगा। डिप्टी स्पीकर साहब, ये गाव बल्लभगढ सब डिवीजन मे पहले लगते थे। मेरा कहना यह है कि इन गावो को पलवल सब डिवीजन से तोड कर फिर से बल्लभगढ सब डिविजन मे मिलार दिया जाये। इसमे सरकार का कोई खर्चा भी नही आयेगा। मुख्यमंत्री जी यहा पर बैठे हुए है वह कृपया इस बात को नोट कर ले। हम जैसे विरोधी दल के विधायक भी इनकी बडाई करते है। यकीनन इनमे कोई बात होगी, आखिर यह दुनिया पागल तो नही है। आज जो हम लोग इनकी बडाई करते है इसके पीछे कोई न कोई बात है।(व्यवधान एवम भाोर) मै डिमाड पर ही आ रहा हू। आप मेरी बात को जरा ध्यान से सुन तो ले।

श्री उपाध्यक्षः भार्मा जी, आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गये है।

श्री योगे ा चन्द भार्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, मै जल्दी ही खत्म कर रहा हू। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने काम किये है। बहुत से इलाको मे सडके बनायी है। सब तरह की योजनाए बनायी है लेकिन कुछ विरोधी पक्ष के विधायाको से कुछ नाराजगी थी इसलिए उनके इलाको मे सडके रह गयी है। थोडा सा हुयूमैन बिहेबीयर भी ऐसा है कि जब भी कोई बाटता है तो वह अपनो अपनो को ही देता है। हमारे मुख्यमंत्री महोदय इतने अच्छे है कि मै उनसे एक रिक्वैस्ट करना चाहता हू यह पी0डब्लयू0डी0 का महकमा श्री भारतद्वाज जी के पास है। (व्यवधान एवम भाोर) ठीक है, यह महकमा जगन नाथ जी के पास होगा। मे यह बताना चाहता हू कि हमारे यहा पर भी सडको की बहुत आव यकता है। मेरे यहा खादर का इलाका है। चौधरी देवी लाल जी न्याय युद्ध के दौरान वहा पर गये थे। वहा के लोगो ने बडी ही दरिया दिली के साथ उनका स्वागत किया था। उस समय उनको पगडी भी दी थी और उस रूपया भी साथ दिया था। उसके नतीजे के तौर पर यह हुआ कि बल्लभगढ से हमे जीत मिली।

श्री उपाध्यक्ष: आप अब समाप्त करे।

श्री योगे ा चन्द भार्मा: केवल 5 मिनट और लूगा। मुख्यमंत्री जी यहा पर बैठे हुए है। वहा की 20000 की आबादी है। उन लोगो को जीवन की कोई सुख सुविधा मुहैया नही है बस की भाक्ल तक वहा के लोगो ने नही देखी है। लेडीज को डिलीवरी

आदि के लिये भी कोई मैडीकल सहायता की सुविधा नही है। रास्ते मे ही वे दम तोड देती है। ला एंड आर्डर नाम की वहा पर कोई चीज नही है थानेदार अगर वहा पर कोई चला जाये तो वह पेट पर हाथ रखकर कहता है कि इस पेट के लिये क्या लाये हो। मै यहा चाहूगा कि वहा पर पुल जल्दी से जल्दी बनाया जाये ताकि वहा के लोगो को समुचित विकास हो सके। पुल के निर्माण के बनाये जाये ताकि वहा के लोगो का समुचित विकास हो सके। पुल के निर्माण के बिना वहा पर कुछ भी नही हो सकता। मै विधान सभा के अन्दर उन लोगो की तरफ से यह माग रख रहा हू। मेरा विचार यह है कि सरकार इस बारे मे विचार करेगी। उस समय चौधरी देवी लाल ने बडी मेहरबानी की थी। उन्होने वायदा किया था कि सता मे आने के बाद छ महीने मे यह पुल बनवा दूगा। उन्होने इवैस्टीगे ान रिपोर्ट और फिजिबिलिटी रिपोर्ट मगवाई थी और बाबु मूल चन्द ने एक पत्र लिखा था कि इस पुल के निर्माण की तुरन्त आव यकता है लेकिन धनाभाव के कारण उसका निमार्ण भाुरू नही हो सकता। डिप्टी स्पीकर साहब, यह काम सात करोड रूपए का है लेकिन जन जीवन को सुविधा देने के लिए कुछ न कुछ तो करना ही पडेगा। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि वहा पर जल्दी से जल्दी पुल की सुविधा दी जानी चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, फरीदाबाद मे जुडि ायल कौम्पलैक्स को डिप्टी कमिन ार के बैठने के लिए दे दिया गया। उपाध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद एक बहुत ही इम्पौरमैट डिस्ट्रिक्ट है और वहा मुख्यमंत्री जी और गृहमंत्री जी जाते रहते है। मेरी मुंख्यमंत्री जी

और गृह मंत्री जी से प्रार्थना है कि वहा पर जुडि ायल कौम्पलैक्स के साथ साथ वकीलो को बैठने के लिए कोई स्थान दिया जाए। इस समय वहा वकीलो के बैठने के लिए कोई स्थान नही है। वैसे तो मै समझता हू कि हरियाणा मे कही पर भी वकीलो के बैठने के लिए कोई स्थान नही है। लेकिन कई जगह मारी सरकार ने वकीलो के लिए चैम्बर प्रोवाइड किए है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि मेहरबानी करके मेरी इस प्रार्थना को स्वीकार करे कि वहा पर वकीलो के बैठने के लिए जुडि ायल कौम्पलैक्स के साथ साथ चैम्बर की सुविधा भी प्रदान की जाए। कौम्पलैक्स होने से वहा सारे के सारे दफतर इक्टठे हो जाएगे और लोगो को इधर उधर भागना नही पडेगा। इससे लोगो की तकलीफो कम हो जाएगी। डिप्टी स्पीकर साहब, इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करता हू क्योकि आपने मुझे समय दिया।

श्री मोहम्मद असलम खा (छछरोली): उपाध्यक्ष महोदय, मै डिमाण्ड नम्बर 2,3 और 4 पर अपने ख्यालत रखना चाहता हू। डिप्टी स्पीकर साहब, मै सब से पहले डिमाण्ड नम्बर 2 के बारे मे यह कहना चाहता हू कि हमारे यहा खिजराबाद मे एक्साइज एंड टैक्से ान का एक बैरियर लगा हुआ है। वह बोर्डर से पच्चीस किलो मीटर पर है लेकिन इस बैरियर के कारण लोगो को बहुत भारी परे ाानी हो रही है। लोगो को बहुत तकलीफ है। कोई भी अपने घर के लिए सामान लाता है उसको परे ाान किया जाता है कोई कार वाला हो, कोई ट्रक वाला या कोई स्कूटर वाला हो

मतलब यह है कि कि कोई आदमी थोडा सा भी सामान लेकर आता है उसको बहुत अधिक परे ाानी किया जाता है। कोई कार वाला, कोई ट्रक वाला या कोई स्कूटर वाला हो मतलब यह है कि कोई आदमी थोडा सा सामान लेकर आता है उसको बहुत अधिक परे ाानी का सामना करना पडता है। पहले यह बैरियर क्लेसर मे या उसके बाद ताजेवाला मे लगाया और उसके बात खिजरबाद मे लगा दिया। मै सरकार से प्रार्थना करता हू कि लोगो को इससे बडी तकलीफ है इसलिए इस बैरियर को वहा से हटा दिया जाए। दूसरी बात मै यह कहना चाहूगा कि आर्म लाईसैस को रिन्यू कराने के लिए लोगो को बडी भारी एक्सरसाइज करनी पडती है। एस0डी0एम0 के दफतर से पांच छ रूपया फीस जो प्रैसकाइब्ड है जमार कराने के बाद लोगो का पांच सौ छ रूपया और खर्च हो जाता है। कभी उसको थाने मे जाना पडता हैं कभी उसको एस0पी0 के दफतर मे जाना पडता है। तब जाकर एस0डी0एम0 के दफतर मे जाना पडता है और कभी उनको डिप्टी कमी ानर के दफतर जाना पडता है। इस तरह से उनको पूरी एक्सरसाइज करनी पडती है। तब जाकर लाइसैस रिन्यू होता है। मै यह कहना चाहता हू कि जो भी आदमी आर्म लेता है यह कोई गरीब आदमी नही होता वह अमीर आदमी होता है। आज एक अच्छे आर्म की कीमक बीस हजार से कम नही है। और वह अमीर आदमी ही खरीद सकता है। अगर इस फीज को पाच छ सौ रूपए से बढकर सौ रूपए कर दिया जाए और इस दौड धूप से आदमी को बचाया जाए तो ज्यादा अच्छा रहेगा। इससे सरकार को रैवेन्यू मे भी

फायदा होगा और लोगो की दिक्कत भी कम हो जाएगी। तीन साल के बाद लाइसैस रिन्यू होता है लेकिन जिसके पास आर्म होता है उसको दुबारा से पूरे प्रोसीजर से गुजरना पडता है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर किसी आदमी का करैक्टर खराब है तो पुलिस सीधे एस0डी0एम0 को लिख दे कि फलां आदमी का लाइसैस रिन्यू न किया जाए। इससे लोगो की भागदौड कम हो जाएगी। मै और कही की बात तो नही जानता लेकिन मुझे पता है कि यमुना नगर मे तीन हजार या अढाई हजार ऐप्लीके ान पिछले डेढ साल से पैडिग पडी है। लोगो को पता ही नही लगता कि उनकी फाइल कहा पर है। वे बेंचारे फाइल ढूडते रहते है लेकिन पता नही लगता कि उनकी फाइल कहा पर है।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै डिमांड न0 8 पर कुछ कहना चाहूगा जोकि बिल्डिग एण्ड रोडज से ताल्लुक रखती है। मेरे इलाके मे काफी देर पहले दो पुलो की मन्जूरी हुई थीर लेकिन उन पर अभी तक काम भ चालू नही हुआ है। एक पुल पर थोडा बहुत काम ऐसे चल रहा है जैसे कि कीडी रेंग रही हो। कभी एक साल मे उसका एक पाया, अगले साल दूसरा पाया बना देते है और अब तक तीसरे पाया का कुछ पता नही है कि वह कब बनता है? एक उसके ऊपर लैटर जरूर डाल दिया है। सात पाये बनने है और आप इस से अन्दाजा लगा लीजियेगा कि जिन रफतार से वहा पर काम हो रहे है। उसके हिसाब से कम से कम 10 साल का वकफा लगेगा। इसलिये मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है

कि इन दो पुलो कोटुपर व फतेहगढ जो कि सोमनदी पर बनने है का काम जल्दी ही किया जाना चाहिये, क्योकि इन पुलो के न बनने के कारण लोगो को 25 किलोमीटर का फासला तय करके चक्कट काट कर आना पडता है मेरे विचार मे भाायद इनका किसी ठेकेदार के साथ झगडा चल रहा है। मेरी प्रार्थना है कि उस को निपटा कर इन पुलो के निर्माण का काम जल्दी ही भाुरू करवाया जाना चाहिये।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै आगे यह कहना चाहता हू कि इस सरकार ने लोगो से वायदा किया था कि छोटे छोटे गावो को सडको से जोड दिया जाएगा। मेरे हल्के मे कुछेक सडके है जिनका हदबस्त नम्बर अलग अलग है। एक रोड है द्वारपुर से खानपुर तक और दूसरे भीलपुरे से कन्यावाला तक। इन सडको का निर्माण जल्द से जल्द किया जाना चाहिये ताकि लोगो को आने जाने मे दिक्कत न हो। हमारा खादर का इलाका है। अगर कोई आदमी बीमार हो जाता है तो उसको ट्रैक्टर या चारपाई पर लिटा कर हस्पताल ले जाना पडता है लेकिन रोडज वहा को इतनी खराब है कि अगर बरसात पढ जाए तो रास्ता बिल्कुल ठप्प पड जाता है जिससे लोगो को काफी परे ाानी होती है।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै ऐजूके ान के मुताबिक कुछ बाते रखना चाहता हू। यहा हाउस मे सरकार की तरफ से कई बार कहा गया कि जिन स्कूलो मे टीचर्ज नही है हम वहा पर टीचर्ज अप्वायट कर रहे है लेकिन मै आपका बताना चाहता हू कि

इस कमी को अभी तक सरकार ने पूरा नही किया है जिस कारण से बच्चो की पढाई का नुकसान हो रहा है। हिन्दी का टीचर तो साईस पढा नही सकता और न ही मैथ का टीचर इगलि ा ही पढा सकता है। इसलिये हरियाणा के अन्दर जहा स्कूलो के अन्दर अलग अलग सब्जैक्टस के टीचर्ज की कमी है, वहा पर टीचर्ज लगाए जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, आज से चार महीने पहले डी0ई0ओज0 को यह पावर्ज दी गई थी कि वे अपने लैबल पर इस तरह की अप्वायटमैन्टस कर ले। कुछ देर के बाद वह फाइल चण्डीगढ मे मंगवा ली गई और अब फाईल पता नही कहा पर है। यह मसला अब बिल्कुल ही ठप्प हो गया है जिस कारण से बच्चो की पढाई का नुकसान हो रहा है। कितने ही ऐसे बच्चे है जो स्कूलो मे पूरे सब्जैक्टस के टीचर्ज न होने के कारण नुकसान उठा रहे है और फेल हो रहे है। इसलिये मेरी रिक्वैस्ट है कि इन स्कूलो मे टीचर्ज की कमी को दूर किया जाए। यह सिलसिला पूरे हरियाणा के अन्दर की है। सरकारइस और ध्यान दे।

अब मै डिमाड नम्बर 15 जो कि इरीगे ान से ताल्लुक रखती है पर अपने विचार रखूगा। सन् 1870 मे ताजेवाला हैडवर्कस बना था और आज उस हैड वर्कस की हालत इतनी खस्ता है कि वह किसी वक्त भी टूट सकता है। सरकार उसकी मुरम्मत तो समय समय पर करती ही रहती है लेकिन उसका यह पता नही कि वह कौन सी बरसात निकालेगा और कौन सी बरसात मे वह हैड टूट जाएगा। उसकी हालत इतनी खस्ता है कि वह

कभी व किसी वक्त भी टूट सकता है। अगर वह टूट गया तो उसके कारण से ईस्टर्न व बैस्टर्न यमुना कैनाल्ज दोनो ही बन्द हो जाएगी। ईन्टर्न यमूना कैनाल का तेा ऐडमिनिस्ट्रटिव कन्ट्रोल यू0पी0 सरकार का है। इस बारे मे तो उसने देखना है लेकिन वैस्टर्न यमुना कैनाल जो है उससे सारे हरियाणा को पानी दिया जा रहा है। अगर यह नहर बन्द हो गई तो आप सोचिये कि हरियाणा के किसानो की क्या हातल होगी? लोगो का भारी नुकसान होगा। इस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिये।

इसी तरह से डिप्टी स्पीकर साहब, हथनी कुण्ड का मामला है। एक बार चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी, जो कि बिजली एवम सिचाई मंत्री थे, मेरे साथ वहा पर गये थे और अखबारो नुमाइन्दे भी वहा पर मौजूद थे। हथनी कुण्ड बैराज के बारे मे, मैने उन से बातचीत की थी। उन्होने मुझे कहा कि इस स्कीम की काग्रेस के वक्त से वे लोग लटकाते रहे है और आज सरकार हमारी है हमारी सरकार जल्द ही इस पर काम भाुरू करवाएगी। अगर सरकार ने यह काम भाीघ्र न करवाया तो इससे भी वैस्टर्न यमुनास कैनाल के ऊपर असर पडेगा और वह बन्द हो जाएगी जिसका पानी आज सारे हरियाणा के अन्दर मुहैया किया जाता हैं आज भी इस काम को लटकाया जा रहा है। हमने सरकार को यह कहा थ कि अभी इस काम को करवा दीजियेगा क्योकि सारी म ीनरी बाद मे लेनी पडेगी। सारा स्टाफ भी यहा से चला जाएगा। मैने जाती तौर पर यह रिक्वैस्ट की थी कि सरकार को इस बारे मे कुछ न कुछ

करना ही चाहिये। कही यह हो कि खुदा न खास्ता हथनी कुण्ड बैराज भी बना और दूसरा ताजेवाला हैड टूट गया तो दोनो नहरे बन्द हो जाएगी और लोगो को पानी नही मिल पाएगा और हमारा हरियाणा का किसान रोता रहेगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै डिमांड न0 20 पर बोलना चाहता हू । मेरी कास्टीच्यूएंसी मे जगलात पडता है और जो लोगो की दिक्कते है वह भी जगलात से ही संबधती है चाहे कोई उस जंगल मे अपने प ा चराता है या कोई चोरी से लडगी काटता है वहा पर फौरेस्ट गार्ड को बडी जबरदस्त पावर दी गई है वह एक आदमी पर दस और बीस हजार रूपए तक जुर्माना कर सकता है उसके पास किसी भी मैजिस्ट्रेट से ज्यादा पावर है। होता क्या है कि किसी आदमी ने चोरी से लकडी काट ली। जंगलात के ऊपर ही हम लोगो का गुजारा है और उसके बगैर जिन्दा नही रह सकते। वहा पर किसी के पास अपना पक्का मकान नही है और लोग झोपडियो मे रहते है। वे झोपडियो लकडी से ही बनती है। उसके लिए कोई कायदा बनना चाहिए, या तो उनको झोपडी के लिए 3–4 साल के बाद लकडी दी जाए। अगर उसको लकडी नही दी जाएगी तो वह लकडी की चोरी करेगा। अगर उसको लकडी दी भी जाती है तो उस वक्त दी जाती है जब जगंल मे आग लग जाती है। अगर उनको रूटीन मे तीन चार साल के बाद लकडी दे दी जाए तो वे चोरीनही करेगे। एक आदमी अगर लकडी काट लेता है और उसकी कीमत पांच सौ रूपए है तो

पांच सौ रूपए तो उससे फारैस्ट गार्ड मांगता है और पांच सौ रूपए पुलिस वाले मांगते है इस हिसाब से उसको एक हजार रूपए देने पडते है। मै कहना चाहता हू कि अगर किसी ने असल मे चोरी से लकडी काटी है और पुलिस समझती है कि वाकया ही उसने चोरी की है तो उससे पैस वसूल किया जाए। अगर पुलिस समझती है कि उसने चोरी नही है तो उससे पैसा वसूल किया जाए। अगर पुलिस समझती है कि उसने चोरी नही की है तो उसे छोड देना चाहिए। इसलिए एक पावर होना चाहिए। अब पुलिस को भी पावर है और फौरेस्ट गार्ड को भी पावर है। इस तरह से लोगो को लूटा जाता है मै आपको एक मिसाल देता हू कि महकमा जंगलात से वहा पर पिलर्ज लगाए हुए है ताकि जानवर जगंल के अन्दर न जा सके। वहा पर बडे छोटे छोटे पिलर्ज बनाए गए है। एक पिलर मे मु कल से किलो डेढ किलो सरिया डाला होगा और सीमेट के बारे मे तो सभी को मालूम है कि कितना डाला जाता है। वे पिलर्ज रेत से बनाए गए थे इसलिए वे टूट गए और उनमे जो सरिया लगाया हुआ था उसको बच्चे उठा कर ले गए होगे। लेकिन वहा पर लोगो को पकड कर उन पर पाच पाच हजार रूपए जुर्माना किया गया। पाच हजार रूपए के तो वे सारे पिलर नही होगे। चार पाच पिलर गिरने से पांच हजार रूपया जुर्माना कर दिया। वहा का आदमी पाच हजार रूपया तो दो तीन साल मे भी नही कमाता। इसलिए इस बारे मे सरकार तवज्जह दे।

डिमांड न0 23 पर भी मै बोलना चाहता हू। अभी दो साल पहले कलेसर मे सैट्रल गवर्नमैट की तरफ से एक टूरिस्ट कौम्पलैक्स बनाने की ऐप्रूवल आई। उसको मौके पर देखने के लिए डा0 महा सिंह जी गए थे। मगर आज तक उस सिलसिले मे कुछ नही किया गया। मै जानना चाहता हू कि वह स्कीम कहा गई। क्या उस सैन्टर की सरकार ने वापिस ले लिया या उसके कागज की रूले पडे है। इसके बारे भी सरकार गौर के ताकि उस इलाके की भी डिवैल्पमैट हो सके। वह जगह बहुत खूबसूरत है और उसे और भी खूबसूरत बनाया जा सकता है। धन्यवाद।

श्री आत्मा राम गोदार (घिराय): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसलिए मै आपका धन्यवाद करता हू। वर्श 1991–92 मे जो पैसा खर्च होगा वह बजट मे अलग अगल डिपार्टमैटस के हिसाब से रखा गया है। मै सब से पहले मांग न0 3 पर बोलना चाहता हू जो गृह विभाग से संबधित है। उपाध्यक्ष महोदय, जब से विधान सभा का सै ान चल रहा है तब से मेरे विपक्ष के साथियो ने गृह विभाग पर बहुत बडे हमले किए है। जो जनरल मु कलात हुई है उनका जिकर करना, लोगो के सामने लाना और उनको हाउस मे डिस्कस करना जरूरी है और उस पर जरूर हैल्दी डिस्क ान होनी चाहिए लेकिन किसी पोलिटिकल मकसद को पूरा करने के लिए किसी बात को उछाला जाए तो वह कोई हैल्दी डिस्क ान नही होती। मेरे विपक्ष के साथी पब्लिक मे जा कर आग लगाने की बात कहे और यहा आ

कर सरकार को यह कहे कि सरकार आग नही बुझाती। इस रूप मे जो डिस्क ान हुंई वह कोई हैल्दी डिस्क ान नही है उसके पीछे कोई मकसद होता है और वह मकसद राजनीतिक है और उसको ले कर मेरे विपक्ष के साथियो मे तानाजनी करनी है। उसके आधार पर जो मर्जी आए कह दिया जाए और यहा तक कह दिया जाए कि फला मंत्री 420 है या और कुछ कह करके मेरे विपक्ष के साथी हसते है और खु ा होते है। यह उसको भाोभा नही देता। ऐसी बाते करना कोई हैल्दी डिस्क ान नही है। यदि आपके पास इस विभाग के बारे मे कोई ऐसी बात हो तो उसकी ठीक ढग से डिस्कस करे ताकि जो असलियत है वह सामने आए, हाउस को भी उस बात का इल्म हो और लोगो को भी उस बात का पता लगे। उपाध्यक्ष महोदय, मै समझता हू कि हिन्दुस्तान के सभ लोग जानते है कि 1990–91 मे दो बहुत बडी घटनाए हुई उनको घटनाए नही बल्कि दुर्घटनाए कहा जाए तो अच्छा है। उन दुर्घटनाओ को लोग मण्डल कमण्डल कहते है। अगर देखा जाए तो वास्तविक रूपए मे मण्डल आयोग की रिपोर्ट लागू की गई थी। बहुत अच्छी बात हुई उस रिपोर्ट का कोई विरोध नही हुआ। यह बहुत अच्छी बात थी क्योकि कमजोर वर्ग के लोगो को और पिछडे वर्ग के लोगो को न्याय देने की बात थी। लोगो ने उस रिपोर्ट को सराहा भी लेकिन जिस रूप मे और जिस सोच को आगे रख करके मण्डल आयोग की रिपोर्ट को एकदम पब्लिक के अन्दर फैक दिया गया, उसका उल्टा असर हुआ। बजाये उस रिपोर्ट को ऐप्रि िाएट करते उसका रीएक्ा न हो गया। ये जो बाते हुई

उनसे सारे हिन्दुस्तान के अन्दर जान और माल का बहुत नुक ाान हुआ। सारे हिन्दुस्तान मे करोडो रूपए का नुकसान हुआ उसमे हमारा हरियाणा प्रदे ा भी लपेट मे आगया लेकिन मे अपने गृह विभाग की इस के लिए सराहना करूगां कि उसने हरियाणा के अन्दर किसी जान का नुकसान नही होने दिया। उस समय हरियाणा प्रदे ा के लिएसैटर की तरफ से फोर्स उपलब्ध नही हुई। ऐसे वक्त से ज्यादा से ज्यादो फोर्स होनी चाहिए लेकिन उस समय जो हमारी हरियाणा पुलिस थी वह उस ऐजीटे ान के लिए नाकाफी थी पूरी फोर्स न होने के कारण हरियाणा माल नुकसान होने से तो नही बच पाया लेकिन जान का नुक्सान नही होने दिया गया। हमारी हरियाणा पुलिस ने उस ऐजीटे ान मे हरियाणा के अन्दर एक भी जान का नुकसान नही होने दिया लेकिन माली नुकसान को होने से नही बचा पाई। मै समझता हू कि हमारी हरियाणा पुलिस ने उस समय जानी नुकसान नही होने दिया उसके लिए उसने सारे हिन्दुस्तान मे सराहनीय काम किया है। सारे हिन्दुस्तान के अन्दर जहा सैकडो और हजारो जाने गई है वहा हरियाणा प्रदे ा के अन्दर एक भी जान का नुकसान हमारी पुलिस ने नही होने दिया। यह हमारी पुलिस का एक सराहनीय काम था। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा एक ऐसा राज्य है जिसकी 300–400 किलोमीटर लम्बी सीमा पजाब बोर्डर के साथ लगती है। हम पिछली 8–9 साल से देख रहे है कि पजाब मे किस तरह से घटनाए हो रही है। यदि हमारे साथ लगते हुए पजाब राज्य मे ऐसी घटनाए हो तो स्वाभाविक है कि उसका असर हरियाणा

प्रदे ा पर भी पडेगा। लेनिक मै अपने गृह विभाग की सराहना करता हू कि हमारे पडोसी राज्य पजाब मे इतनी उग्रवादी घटनाए होती है और हो रही है लेकिन हरियाणा मे ऐसी उग्रवादी घटनाए उसने नही होने दी। अगर कोई घटना किसी प्वायट पर हो जाए तो उस समय पुलिस का यही रोल होता है कि वह दोशिया को पकड ले। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा ही एक अकेला ऐसा राज्य है जहा पर आज तक जो भी उग्रवादियो द्वारा घटना हुई उनमे सभी को या तो पकडा लिया गया या उनको मार दिया गया या फिर उन्हे जेलो की सलाखो मे डाल दिया गया है। पुलिस का यही काम है कि जहां पर कोई घटना हो जाये तो उस केस की छानबीन की जाये और दोशियो को पकड कर उन्हे सजा दिलाई जाये। हमारे गृह विभाग का काम बहुत ही प्र ासनीय रहा है। आजकल पजाब मे उग्रवादियो के पास माडर्न वैपन्ज है इसलिए उनका मुकाबला करने के लिए हमारी पुलिस के पास भी मार्डन वैपन्ज होने चाहिए ताकि उनका मुकाबला आसानी से हमारी पुलिस कर सके। मेरे हिसाब से तो इस मांग के तहत जो पैसा मांग गया है वह बहुत कम सके। मेरे हिसाब से तो इस इस मांग के तहत जो पैसा मांगा गया है वह बहुत कम है क्योकि हमारी पुलिस ने अब तक बहुत ही अच्छा काम किया है। यह बात भी मै इनके नोटिस मे लाना चाहता हू कि हरियाणा दिल्ली के तीन तरफ लगता है और दिल्ली हरियाणा से घिरी हुई है।

उपाध्यक्ष महोदय, आज तक दिल्ली मे जितनी भी घटनाए हुई है उनको वहा की पुलिस पकड नही पाई लेकिन हमारी पुलिस ने उन लोगो को पकडा है जिन्होने यहा पर आ कर कोई घटना की है। उपाध्यक्ष महोदय, यहा पर मण्डल रिपोर्ट की बात आई। 1990 मे एक लहर मण्डल और कमण्डल की भी चलो। हमारे साथी बैठे है। यहा कममण्डल की लहर चलो उसके पीछे भी कुछ राजनीतिक चाल थी। उपाध्यक्ष महोदय, मै मण्डल रिपोर्ट का जिकर कर रहा था। सबसे पहले मै यह उन्होने बताना चाहता हू कि जिस समय चौधरी देवी लाल हरियाणा के मुख्यमंत्री थे तो उन्होने बहुत से ऐसे काम किए जिनको सारे हिन्दुस्तान मे सराह गया और सारे हिन्दुस्तान की नजरे हरियाणा की तरफ लगी कि जो हरियाणा मे काम हो रहे है यानि जो कल्याणकारी काम यहा पर किए जा रहे है वे काम उनके प्रदे ाो मे भी हो। मेरे कहने का मतलब यह है कि चौधरी देवीलाल की स्कीमो ने सारे हिन्दुस्तान के लोगो को प्रभावित किया चाहे मजूर था या चाहे कोई किसान था। इन दो वर्गो के लोग तो वि ोशकर प्रभावित हुए क्योकि हरियाणा मे इन के हको के लिए काम किया जा रहा था। इसका नतीजा यह हुआ कि चौधरी देवी लाल जी हिन्दुस्तान मे बहुत लोकप्रिय हो गए और उस लोकप्रियता को तत्कालीन प्रधन मंत्री श्री वी0पी0 सिंह मीट आउट नही कर सके और उन्होने जल्दबाजी मे यह मण्डल रिपोर्ट लागू कर दी ताकि उनकी लोगप्रियता को घटाया जा सके। इस रिपोर्ट को वी0पी0 सिंह ने लागू करते समय न तो अपनी पार्टी के सदस्यो से पूछा और न ही

सहयोगी पार्टियो से। बल्कि अपने नम्बर बनाने के चक्कर से खुद हो फैसला करके यह रिपोर्ट जल्दबाजी मे लागू कर दी और उसका जो नतीजा हुआ वह सभी को पता है।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै कमण्डल का जिकर करना चाहता हू। इस बात को सविधान इजाजत नही देता कि कोई भी राजनीतिक पार्टी किसी धार्मिक मामले मे भामिल हो। (ाोर एवम व्यवधान) इन्होनें राम मन्दिर बनाने के बहाने से एक आन्दोलन चलाया। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री राम बिलास भार्मा: आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, ये कौन सी डिमाड पर बोल रहे है जरा नाम तो बताए। मै पूछना चाहता हू कि ये किस डिमाड पर बोल रहे है या इनका जवाब दे रहे है। (ाोर एवम व्यवधान) कौन सी डिमाड मे बी0जे0पी0 का जिकर आया है क्या इनको दिन रात सिर्फ बी0जे0पी.0 ही दिखाई है। उपाध्यक्ष महोदय, इनको इररैलेवैट नही बोलना चाहिए।(ाोर एवम व्यवधान)

श्री आत्मा राम गोदार: उपाध्यक्ष महोदय, इनके उस आन्दोलन मे जगह जगह जाने गई है लेकिन हरियाणा मे हमारे गृह विभाग ने बडी मुस्तेदी के साथ काम करते हुए इनके ऐजिटे ान की बढने नही दिया। (विघ्न)

श्री सीता राम सिगलाः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, ये डिमाड पर ही बोले तो ज्यादा अच्छा रहेगा। (विघ्न)

श्री आत्मा राम गोदाराः उस समय बी0जे0पी0 के लोगो ने एक आन्दोलन चलाया था। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, बी0जे0पी0 वालो ने कोई आन्दोलन नही चलाया था। मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि वह आन्दोलन वि व हिन्दू परिशद वालो ने चलाया था। (विघ्न)

श्री आत्मा राम गोदाराः आदरीणय श्री अडवानी जी ने कमल का फूल लगा कर रथ यात्रा भुरू की थी। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः आप कौन सी डिमाण्ड पर बोल रहे है ?

श्री आत्मा राम गोदाराः मै गृह विभाग की मांग पर बोल रहा हू। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, रथ यात्रा जहा से भी गुजारी वही पर तनाव फैला। आप तो जानते है कि रोहतक से जब रथ यात्रा गुजरी तो स्टूडैटस पर लाठी चार्ज हुआ था। रथा यात्रा के कारण ही वहा पर तनाव फैला था।

श्री राम बिलास भार्माः आपको सरकार ने रथा यात्रा मे अडचन डालने की कोि ा ा की लेकिन आपकी यह कोि ा ा सफल नही हुई।

प्रो0 सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने रथ यात्रा मे अडचन डालने की कोि ा ा नही की। तनाव की आ ांका को देखते हुए सरकार ने पूरे प्रबन्ध किये थे। रथ यात्रा के कारण सारे दे ा के अन्दर एक तनाव फैला हुआ था और जयपुर मे सकडो लोग मारे गए थे। इस बात को ध्यान मे रखते हुए सुरक्षा के प्रबन्ध मे सकडो लोग मारे गए थे। इस बात को ध्यान मे रखते हुए सुरक्षा के प्रबन्ध किए गए थे। हमे हरियाणा की जनता और हरियाणा की पुलिस पर नाज है कि उन्होने साम्प्रदायिकता की आग को भडकने नही दिया। हमे इस बात पर गर्व है।

श्री राम बिलास भार्माः आपने तो हरियाणा पुलिस और सी0आई0डी0 की डयूटी लगाई थी कि रथ यात्रा मे अडचन डाली जाए। रथ यात्रा के कारण रोहतक मे कोई तनाव नही फैला बल्कि लाखो लोगो ने रथ यात्रा का स्वागत किया था।

प्रो0 सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, सारे दे ा मे साम्प्रदायिक तनाव फैला हुआ था। हरियाणा मे भी भाई चारे और साम्प्रदायिक सदभावना को खत्म करने की साजि ा की गई थी लेकिन इसके बावजूद भी हमने भाई चारा और साम्प्रदायिक सदभाव को बनाए रखने की पूरी कोि ा ा की। (विघ्न)

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खडे हो गये)

श्री उपाध्यक्षः आप सभी लोग अपने अपने स्थान पर बैठिए।

श्री कैला ा चन्द भार्मा: कही पर भी साम्प्रदायिक तनाव नही था। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष: आप प्लीज बैठे।

श्री सीता राम सिंगला: माननीय गृह मंत्री जी बहुत ही योग्य है और बडी योग्यता से उन्होने रथ यात्रा के समय साम्प्रादायिक माहौल को कट्रोल किया। लेकिन मै इनसे पूछना चाहता हू कि मण्डल कमी ान आन्दोलन के समय इनकी योग्यता कहा चली गई थी। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंह: मण्डल कमी ान आन्दोलन के समय भी कुल मिला कर स्थिति नियन्त्रण मे रह थी और मिलिट्री की सहायता से स्थिति को काबू मे रखा गया था। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष: आप कृपया बैठिए।

श्री आत्मा राम गोदारा: इस आन्दोलन का नतीजा यह हुआ कि गृह विभाग पर भारी अतिरिक्त खर्च का बोझ पडा। इस बात की जिम्मेदारी उस हालात पर है जो उस वक्त पैदा हो गए थे। पुलिस ने स्थिति से निपटने मे बहुत ही सराहनीय काम किया। उपाध्यक्ष महोदय, गृह विभाग पर यह अनवसैस्री खर्च पडा जिस कारण गृह विभाग के खर्च मे बढौतरी हुई।

श्री उपाध्यक्ष: अब आप अगली डिमाण्ड पर बोले।

श्री आत्मा राम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, गृह विभाग को जो अतिरिक्त खर्च करना पडा है मै उसके कारणो को कह रहा हू। यह ऐसी डिमाण्ड है जो सब लोगो से कन्सर्ड है। मेरे साथी आवाज उठाते है कि हम असुरक्षित है हमारी रक्षा की जाए यह डिमाड उनसे सबधित है।(विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः आप बैठे और श्री गोदार को बोलने दीजिए।

श्री आत्मा राम गोदाराः उपाध्यक्ष महोदय, हमारी पुलिस ने बडे बडे ऐजिटे ान्ज मे हमारे लोगो को बचाया, सम्पति को बचाया। मेरी बी0जे0पी0 के साथी फिर उठ कर खडे हो जाएगे। रथ यात्राा के अलावा उन्होने एक ज्योति भी जलाई थी। जो ज्योति जली थी उसके कारण भी पुलिस पर अतिरिक्त कार्य का बोझ पडा। (विघ्न)

एक आवाजः वह ज्योति प्रका ा के लिए थी। (विघ्न)

श्री आत्मा राम गोदारः उपाध्यक्ष जी, इस अतिरिक्त बोझ के बावजूद भी पुलिस ने बडी सतकर्ता से काम करके हरियाणा को बचाने मे बहुत बडा योगदान कियां। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः डिप्टी स्पीकर साहब, क्या यह बजट की डिमाडज पर बोल रहे है या बहस का जवाब दे रहे है? (व्यवधान एवम भाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, आप देखिये कि यह डिमाडज पर बहस का जवाब दे रहे है या अपनी बात बोल रहे है?

इनको सपने मे कोई बात दिखाई दे गयी। कोई ज्याति दिखाई दे गयी या कमल का फूल दिखाई दे गया जिसकी वजह से अब यह डर रहे है। अडवानी जी अयोध्या जायेगे तो वहा पर कमल का फूल ही तो चढाएगे। इनका हाथ काट कर तो चढाएगे नही।

श्री उपाध्यक्षः गोदरा जी, आप डिमाडज पर ही बोले। (व्यवधान एवम भाोर)

श्री हीरा नन्द आर्यः डिप्टी स्पीकर साहब, अगर दोनो तरफ से भाोर न हो तो ज्याद अच्छा रहेगा।

श्री आत्मा राम गोदाराः अगर सभाी इस पर अमल करेगे तो मै भी ठीक तरह से बोल पाऊगा और आप लोग भी असलीयत जान पायेगे। मेरे साथी अखबारो को बार बार दिखाते है कि वह छपा है वह छपा है। यहा पर कुछ न कुछ गडगड लगती है। अखबार वाले ऐसे मामलो को कवर करते है और लोगो तक खबरे पहुचाते है लेकिन उन्होने सही खबरे नही पहुचायी है। पिछले दिनो तक इनकी खबरे पहुचाने की जो भूमिका थी, वह सही नही थी। पिछले दिनो तक इनका रोल खबरे पहुचाने का सही नही था। वास्तविक रूप से जो रोल इनका होना चाहिये था, वह नही था, अखबार वाले भी हयूमैन बीडग्ज होते है। कई बार वह भी गलत सूचा दे देते है। जिसकी वजह से लोगो के अन्दर बहुत उतेजना आयी। इससे भी पुलिस के उपर सबसे ज्यादा भार पडा है। मै अपने साथियो से यह कहना चाहता अखबार की बात कोई

गौस्पल ट्रूथ नही होती। कई बार ऐसा भी होता है कि अखबार वाले साथी सही घटना की गहराई मे नही जा पाते। उनको जल्दी से रिपोर्ट भेजनी होती है। इसलिये कई बार खबरो मे त्रुटिया रह जाती है। जिस कारण कई दफा खबर मे फर्क आ जाता है। इसलिये मे बी0जे0पी0 के साथियो को यह कहना चाहता हू कि अखबार वालो पर ज्यादा रिकार्ड करेगे तो यह लोग खुद ही फंस जायेगे। अखबार वालो ने तो पता नही इनके बारे मे क्या क्या बाते लिख रखी है। इसी तरह से हमारे जनता दल वाले भी खुद फस जायेगे क्योकि इनके बारे मे भी पता नही अखबार वालो ने क्या क्या लिख रखा है। तो मेरा कहना यह है कि गृह विभाग से संबधित मांग इसलिए है क्योकि पब्लिक मे उतेजना आयी। झगडे बढे और उन झगडो को रोकने के लिये पुलिस पर ज्यादा पैसा खर्च करना पड रहा है।

श्री उपाध्यक्षः आप डिमाडज पर ही बोलिये।

श्री आत्मा राम गोदारः ठीक है जी। अगर आप समझते है कि मै डिमाडज पर नही बोल रहा हू तो आप मुझे टोक दे। मै अब इस संबध मे इससे ज्यादा नही बोलूगा।

इसके अलावा अब मै थोडी सी बात ट्रासपोर्ट के बारे मे भी कहना चाहूगा। यह डिमांड न0 23 पर है। सारा ही हिन्दुस्तान जनता है कि हरियाणा के अन्दर हरियाणा परिवहन बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। इसका कार्य बडा ही सराहीनय रहा है।

हरियाणा परिवहन सारे हिन्दुस्तान मे नम्बर वन पर है। कमाई के लिहाज से और लोगो को सहूलियते देने के लिहाज से इसने बडा ही सराहनीय काम किया है। फिर यहा पर मडल कमी ान का जिकर भी आया है। मै अगर इसका जिकर कर दूगा तो फिर वही बात आयेगी। मै सिर्फ बताना चाहता हू कि 1990–91 वर्श के अन्दर मडल और कमडल की वजह से हरियाणा परिवहन पर सबसे ज्यादा भार पडा है।

श्री ि ाव प्रसादः यही मंडल और कमडल आपका ना ा करेगा। (विघ्न)

श्री आत्मा राम गोदाराः उपाध्यक्ष महोदय, मै यह कह रहा था कि इससे हरियाणा परिवहन पर अतिरिक्त भार पडा है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे हरियाणा की परिवहन की सम्पति को बडा नुकसान पहुचाया गया। इसके बावजूद आज भी इस समय हरियाणा परिवहन लोगो की सुख सुविधा के लिए बहुत काम कर रहीहै। इसके साथ ही साथ मै हरियाणा परिवहन मंत्री के नोटिस मे एक बात लाना चाहता हू। हमने देखा है कि कुछ लोग बसो की छप पर बैठकर चलते है। इसका कारण यह हो सकता है कि या तो बसो मे बैठने की जगह नही होती या उनको छत पर बैठने को भाोक है और छत पर बैठने की उनकी आदत बनी हुई है। मै मंत्री महोदय से प्रार्थना करूगा कि वे कोई व्यवस्था करे और कम से कम लोगो की सुरक्षा के लिए कोई ऐसा इन्तजाम करे कि लोग छते पर चढे हुए नजर न आए। चाहे तो परिवहन विभाग ज्यादा

बसिज चलाए या कोई और इन्तजाम करे। मेरी परिवहन मंत्री श्री वेद मलिक से वि ोश प्रार्थना है कि इस चीज पर वे वि ोश ध्यान दे।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै इरीगे ान एड पावर के बारे मे कुछ कहना चाहता हू। 1987 मे जब से हमारी सरकार आई है इन दोनो विभागो ने बहुत अच्छा काम किया है। हमारा प्रदे ा कृशि प्रदे ा है। इसलिए कृशि के मामले मे हमारे दे ा बहुत तरक्की की है हमारे प्रदे ा मे 61 प्रति भात लोग खेती करके अपना पेट पालते है। डिप्टी स्पीकर साहब, कृशि विभाग और सिचाई विभाग से प्रभावित होती है। बिजली विभाग और सिचाई विभाग ने बहुत कोि ा ा करके लोगो को नहर का पानी और टयूबवैल्ज दिए है। इन विभागो का बहुत ही अच्छा काम रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै अपने हल्के के बारे मे कहना चाहता हू। पावडा ब्राच मे मेरे हल्के मे पडती है और वह सतर साल से सब ब्राच चल रही है। मुझे पता लगा है कि सरकार ने कोई स्कीम बनाई है जिसके तहत पावडा सब ब्राच मेरे हल्के पर टेल बन जाएगी। डिप्टी स्पीकर साहब, इससे मेरे हल्के को बहुत नुसान पहुचेगा। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस स्कीम को अच्छी तरह से स्टडी किया जाए और इसको इस रूप मे लाया जाए जिससे कि मेरे हल्के मे भी ज्यादा फायदा हो और मेरा हल्का किसी नुकसान से प्रभावित न हो तो इस स्कीम का जो भी फायदा हो वह मेरे हंल्के को भी पहुचे।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै फुड एण्ड सप्लाईज के बारे मे कहना चाहता हू यह मांग नम्बर 14 है। पिछले दिनो खाडी युद्ध के कारण लोगो ने जमाखोरी करनी भुरू कर दी थी और इस कारण कीमतो मे वृद्धि हुई थी लेकिन अच्छा हुआ कि वह युद्ध अब खत्म हो गया है। वैसे तो हमारे यहा फूडग्रेज की कोई कमी नही है लेकिन खाडी युद्ध के कारण लोगो के मन मे ऐसी भावना पैदा हो गई कि युद्ध के कारण अनाज की कमी हो जाएगी। इस बात को देखते हुए अनाज की कीमतो मे कुछ बढौतरी आई। कीमतो का बढना न तो हरियाणा सरकार के हाथ मे है और न ही फूड एण्ड सप्लाईज विभाग के हाथ मे हैं यह तो सारे दे ा का मामला है। लेकिन देखने वाली बात है। उपाध्यक्ष महोदय, इस दि ाा मे फूड एण्ड सप्लाईज विभाग ने जो काम किया उसके आकडे मे आपके सामने पे ा करना चाहता हू। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले साल जनवरी, फरवरी और मार्च 1990 इन तीनो महीनो मे फूड एण्ड सप्लाईज विभाग ने लोगो को कितना अनाज गेहू वितरण किया मै उस वितरण के आकडे आपके सामने देना चाहता हू।

12.00 बजे

उपाध्यक्ष महोदय, अनाज के वितरण का मामला बडा ही आव यक है हमारे साथी इस बात की आवाज उठा रहे थे कि अनाज नही मिला। मंहगा हो गया। इसलिये मै इस सबंध मे कुछ आकडे यहा आपकी आज्ञा से सदन मे प्रस्तुत करता हू। (ाोर) फूड एण्ड सप्लाई विभाग की बहुत जरूरी बाते सदस्यो के सामने

मै रखना चाहता हू। जनवरी, 1990 मे 2009 मीट्रिक टन अनाज का वितरण किया गया और जनवरी 1991 मे 19500 मीट्रिक टन अनाज बाटा गया। इसी तरह से फरवरी 1990 मे 470 मीट्रिक टन अनाज और इसके मुकाबले मे फरवरी 1991 मे 30529 मीट्रिक टन अनाज बाटा गया। (ाोर एवम व्यवधान) तो ये लोग कैसे कहते है कि अनाज नही मिल रहा।

श्री उपाध्यक्षः गोदारा साहब, आप बैठिए। आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है।

श्री आत्मा राम गोदारः उपाध्यक्ष महोदय, ये सच्ची बात तो सुनना ही नही चाहते। इनको सच्ची बात तो कम से कम सुननी ही चाहिये। इसलिये मै यह कहूगा कि इस फूड एण्ड सप्लाई विभाग मे बडा ही सराहनीय काम किया हैं।

अब मै डिमांड न0 13 जो कि समाज कल्याण विभाग से ताल्लुक रखती है पर कुछ बोलूगा। समाज कल्याणा के मामले मे अगर सब से ज्यादा समाज कल्याण कारी काम हुए है तो वे केवल चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व मे ही भाुरू कि ये गये थे। यह विभाग छोटे एवम कमजोर वर्गो के लोगो के लिये बडे ही सराहनीय काम कर रहा है। इस विभाग की भूमिका बहुत बढिया है **इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।** इस विभाग के बढिया कामो की भी हमे यहा पर अव य ही चर्चा करनी चाहिए। यह सारा काम 1987 मे जब हमारी सरकार आई और चौधरी देवी लाल

जी उस वक्त मुख्यमंत्री बने तो उन्होने लोगो की भलाई के लिये, लोगो के कल्याण के लिये बुढापा पैन ान और भोडयूल्ड कास्ट लोगो को कर्जा देने की स्कीमे चलाई। इन स्कीमो की वजह से इस विभाग का काम और बढ गया।

श्री अध्यक्षः गोदार साहब अब आप वाइड अप कीजियेगा।

श्री आत्मा राम गोदाराः स्पीकर साहब, मुझे तो बोलते हुए अभी केवल 10 मिनट ही हुए और आप मुझे वाइड अप करने के लिए कह रहे है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः गोदारा साहब, आपने 11.34 पर बोलना भाुरू किया था अब आपको बोलते हुए आधा घन्टा हो गया है लेकिन आप कह रहे कि मुझे 10 मिनट ही हुए है। आप कृपया वाइड अप कीजिएगा। (ाोर)

श्री आत्मा राम गोदारः स्पीकर साहब, मै यह कह रहा था कि जितनी भी आज इस विभाग के पास कल्याणकारी स्कीमे है वे सभी चौधरी देवीलाल जी के कार्यकाल मे ही उन्ही द्वारा बनायी गयी थी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गोदारा साहब, बस आप बैठिये। आपका समय हो गया है।

श्री आत्मा राम गोदारः ठीक है जी, धन्यवाद।

चौधरी सतबीर सिंह कादयाना (नौलथा): स्पीकर साहब, धन्यवाद। मै 1991–92 के बजट से सबधित डिमाडज पर अपने विचार रखने के लिये खडा हुआ हू और इनका समर्थन करता हू सब से पहले डिमाड न0 3 जो कि गृह विभाग से ताल्लुक रखती है, पर कुछ कहूगा जिसके तहत 1241707000 के खर्चे का प्रावधान है। यह खर्चा कल्याणकारी स्कीमो के बे ाक ज्यादा है परन्तु इस प्रदे ा मे राजनीतिक अस्थिरता के कारण इस विभाग के कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिये ज्यादा पैसे का प्रावधान करना स्वाभाविक ही था ताकि जनता को सामान्य प्र ाासन और न्याय दिलाया जा सके। यह नही, इस डिमाण्ड के तहत तो और पैसा बढाने की आव यकता है। पुलिस को आधुनिक हथियार और जीपे चाहिए क्योकि हमारी प्रदे ा पजाब से जुडा हुआ है और दिल्ली के भी तीन तरफ लगा हुआ हैै। दिल्ली मे जब कभी राजनैतिक अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए गलत काम कर जाते है। जैसे मडल कमी ान की रिपोर्ट को जल्दबाजी मे अपने साथियो से सलाह मि वरा किए बगैर लागू करने की कोि ा ा की गई। उससे सारे दे ा मे हालत बिगडे। हम मानते है कि सब को अपने अपने अधिकार चाहिए लेकिन मडल कमी ान की रिपोर्ट जल्द बाजी मे लागू की गई। उस समय चौधरी देवी लाल जी दे ा के उप प्रधान मंत्री थे उनका इस्तीफा जिन हालात मे लिया गया वह भी सब को मालूम है। उन्होने एक भ्रश्ट मंत्री के खिलाफ प्रधन मंत्री को दर्खास्त भेजी थी वे देखे कि इस मामले मे कही मंत्री का हाथ तो नही है। हम लोग जब यहा पर अपने मुख्यमंत्री को कोई

ऐसी बात बताते है तो वे उसकी छानबीन का आदे ा देते है। लेकिन इतिहास मे ऐसा कभी नह हुआ कि एक प्रधान मंत्री उप प्रधान मंत्री की दर्खास्त की तरफ ध्यान न दे और उल्टे उनको सरकार से बर्खास्त कर दे। उसके बाद चौधरी देवी लाल जी ने दे ा की जनता को बताने के लिए एक वि ााल रैली की कि यह मडल कमी ान की रिपोर्ट जल्दबाजी मे लागू की गई है। उनकी बातो को सुन कर लोगो की आत्मा भडकी लेकिन हरियाणा पुलिस ने बडी बखूबी से हालात कन्ट्रोल किया। स्पीकर साहब, विधार्थी मार्किट कमेटी के दफतर मे आग लगा दे या सेल्ज टैक्स के रजिस्टर फूक दे, उनका इससे कोई वास्ता नही। ऐसे रजिस्टरो मे सरकार के रैवेन्यू का रिकार्ड होता है। इसके पीछे तो किसी राजनीतिक स्वार्थ को सिद्ध करने के लिए किन्ही लोगो का हाथ था। बडे बडे पूजीपति चाहते थे कि वे रजिस्टर गुम हो जाए या जला दिए जाए ताकि प्रदे ा मे अव्यवस्था फैल जाए। परन्तु मै हरियाणा सरकार और गृह मंत्री को इस बात के लिए बधाई देता हू जिन्होने स्थिति को बडे अच्छे ढग से काबू किया। इसके अलावा जब भी पजाब से आतकवादियो ने हरियाणा की तरफ घुसने की कोि ा ा की, हरियाणा पुलिस ने उनको रोका। उनके साथ ऐनकाउटर किए ओर उनको पकड पर टौरचर कियां हमारी पुलिस उनको दिल्ली की सल्तनत तक जाने मे रोकने के लिए सफल रही। जहा तक आरक्षण की बात है हमने श्री गुरनाम सिंह की अध्यक्षता मे एक कमी ान बनाया। उस कमी ान की रिपोर्ट को आदरणीय चौधरी हुकम सिंह की सरकार ने लागू किया। इस

रिपोर्ट को लागू करने से हरियाणा के हरि वर्ग के आदमी को न्याय मिला है।

अब मै डिमाड न0 4 जो राजस्व के बारे मे है पर अर्ज करना चाहता हू इस विभाग के खर्चे को आज कम करने की जरूरत है क्योकि सरकार किसानो के लिए एक ऐसी पद्धति बना सकती है जिससे यह खर्चा कम हो सकता है।जैसे जमा बन्दी की नकल लेने के लिए किसान को बार बार पटवारी के पास जाना पडता है, कभी उसने बैक से कर्जा लेना होता है या अपनी जमीन किसी को रहन रखनी पडती है तो उसके लिए उसको जमीन को पूरी जानकारी पटवारी लिख कर देता है। मै चाहता हू कि सरकार किसान को कोई ऐसा डाकुमैट बना कर दे जिस मे उसकी जमीन की पूरी डिटेल हो कि किस गांव मे उसकी जमीन है और कितनी है । इससे उनको लोन लेने मे सुविधा होगी। अध्यक्ष महोदय, मेरे नोटिस मे एक बात रीहैबलीट ोन के बारे मे आई है। फरीदाबार मे एक तहसीलदार ने कुछ लोगो से झूठे एफेडैविट ले कर गलत तरीके से प्लाट अलौट किए है। उस तहसीलदार को हमारी सरकार ने सस्पैड कर दिया है। मै अपनी सरकार से यह जानना चाहूगा कि उस समय मंत्री कौन थे और अफसर कौन कौन थे जिनकी रहनुमाई मे यह काम हुआ। इस बारे मे सरकार जांच करे ताकि हरियाणा प्रदे ा के राजस्व के जो खर्च है उनका दुरूपयोग न हो, प्रदे ा की सम्पति का सदुपयोग हो। सरकार को इस बारे मे पूरी तरह से जाच करनी चाहिए।

अब मै डिमाड नम्बर 5 के बारे मे अपने विचार प्रकट करना चाहूगां। यह डिमाड कराधान विभाग से सबधित है। हमारी सरकार ने यह एक बहुत ही सराहनीय काम किया है कि उसने ट्रैक्टरो, जीपो और कारो के टैक्स कम किए है। हमारी सरकार ने उधोगपतियो को पिछले तीन चार साल मे 8.66 करोड रूपए की अनुदान जेनरेटिग सैटस लगाने के लिए दिया। हमारी सरकार ने जेनरेटिग सैटस लगाने के लिए जो 50 हजार रूपए की सबसिडी दी जाती थी उसको बढा कर 15 लाख रूपए कर दिया है ताकि उधोगो को पूरी बिजली मिल सके और 24 घंटे बिजली मिले और उधोगपति स्वय अपने जेनरेटर से बिजली पैदा कर सके। इसके इलावा हरियाणा के किसानो को भी 24 घंटे बिजली मिल रही है।

अब मै डिमाड नम्बर 8 के बारे मे अपने विचार प्रकट करना चाहूगा। यह डिमाड भवन तथा सडको से सबधित है। हमारी सरकार ने हरियाणा प्रदे ा के गावो मे सडको का जाल बिछा दिया है। मै अपनी सरकार से निवेदन करूगा कि करनाल मे मूरथल तक जो हाईवे को फोर लेन बनाना है उसको जल्दी से जल्दी बनाया जाए क्योकि जनसख्या बढने के कारण हाईवे पर ट्रैफिक बहुत ज्यादा मांत्रा मे चलता है। इसके अलावा मै अपनी सरकार से निवेदन करूगा कि पानीपत मे दो फलाई ओवर ब्रिज बनने है। एक असध रोड पर और एक गोहाना रोड पर, उनका काम जल्दी भाुरू कराया जाए ताकि लोगो को कोई परे ाानी न हो। हरियाणा का बिजली विभाग सारे दे ा मे सबसे अच्छा विभाग

है जिसके कारण हमारे किसानो को 24 घटे बिजली मिल रही है दूसरे प्रदे ाो मे किसानो को टयूबवैल कनैक ान लेने मे बडी भारी दिक्कत है लेकिन हरियाणा मे किसानो को को कोई दिक्कत नही है क्योकि हरियाणा प्रदे ा मे बिजली की कोई कमी नही है। जब भी चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री बने है या उनकी पार्टी का राज आता है बिजली के मामले मे हरियाणा प्रदे ा की जनता अपने आपको स्वर्ग मे महसूस करती है।

अब मै डिमाड न0 17 के बारे मे अपने विचार प्रकट करना चाहूगा। यह डिमाड कृशि विभाग से सबधित है। हमारे प्रदे ा का मुख्य पे ा कृशि है। हमारे दे ा की 80 प्रति ात जनता गावो मे रहती है। आदरणीय चौधरी देवीलाल जी का कृशि महकमे पर इतना कट्रोल है कि केन्द्रीय सरकार बनते ही कृशि से सबधित जो बात जनता सोचती है उसको उससे पहले ही पूरा कर देते है औलावृश्टि से फसलो के हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाता है किसानो को खाद दी जाती है। कृशि विभाग एक डाइवर्सीफिके ान भी हुई है। एक होर्टीकल्चर विभाग भी बनाया गया इसलिए स्वाभविक है कि उस पर खर्चा ज्यादा होगा। होंर्टीकल्चर विभाग ने बागबानी लगाने की स्कीम चलाई है। यह बहुत अच्छी बात है। बाग लगाने से वातावरण भी ठीक होता है। इसके अलावा आदरणीय नेता चौधरी देवी लाल जी ने पहली बार 32 रूपए क्विटल के हिसाब से गेहू का भाव बढाया था और लगभग 19 रूपए प्रति क्विटल के हिसाब से हमारी मोजूदा सरकार

पिछले तीन साल मे गन्ने का भाव बढा चुकी है। चीनी का भाव भी उस समय से 8 या 9 रूपए किलो रहा है। हमारी सरकार की अपने सारे खर्चे कम करके जनता को ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुचाने की जो स्कीम है उसकी हम बडी प्र ासा करते है।

हमारी हरियाणा प्रदे ा का परिवहन विभाग एक नमूने का विभाग है। हरियाणा राज्य परिवहन की बसे दे ा के दूसरे प्रान्तो मे भी आती है जब हरियाणा की बस उत्तर प्रदे ा मे जाती है तो उत्तर प्रदे ा के पैसेजर हरियाणा राज्य की बसो मे बैठ कर बहुत खु ा होते है पजाब की सवारिया भी पजाब की बसो मे बैठने की बजाय हरियाणा की बसो मे बैठना पसद करती है। स्पीकर साहब, मण्डल और कमण्डल के बारे मे जो बाते कही गई है उसको कुछ भाइयो ने अच्छा नही माना इसलिए मै उसकी बात नही कहता (विघ्न) स्पीकर साहब, दूसरे प्रदे ाो मे जो रोडवेज है वे हमारी रोडवेज का मुकाबला नही कर सकती।(विघ्न) लेकिन मण्डल कमी ान की रिपोर्ट के विरोध स्वरूप हमारी बसो को कुछ बैड एलिमेटस ने जला दिया। जिन बैड एलिमेटस ने हमारी बसो को जलाया उससे उनको तो कुछ फर्क नही पडा लेकिन उसका नुकसान हरियाणा रोडवेज और हरियाणा की जनता को हुआ। इसलिये अब मै मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हू कि ऐसे बैड एलिमेटस पर कन्ट्रोल करे और गावो मे पूरी बसे भिजवाने की व्यवस्था करे क्योकि चौधरी देवी लाल की की पार्टी की सरकार कभी भी वह नही चाहेगी कि गावो मे बसो न जाये। गावो मे बसे

अव य भेजी जाये चाहे इसके लिए बाहर के रूटो को ही कैन्सिल क्यो न करना पडे। यदि फिर भी कमी बनी रहती है। तो सरकार को नई बसो की खरीद कर लेनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मै सहकारिता विभाग के बारे जो डिमाड है उस पर बोलना चाहता हू इस विभाग ने भी बहुत ही अच्छा काम किया है। इस विभाग के माध्यम से लोगो को भूमि विकास बैक और को आप्रेटिव बैको के जरिये काफी लोन लेने सुविधा दी जा रही है। हमारी स्टेट मे जितने भागर मिल लगे हुए है वे सभी के सभी मुनाफे मे चल रहे है। इन मिलो मे काफी लोगो को रोजगार भी मिलता है। और किसानो को कै ा आप का लाभ भी मिलता है। इस समय सारे हिन्दुस्तान मे हरियाणा के अन्दर गन्ने का भाव सबसे अधिक दिया जा रहा है हमारे प्रदे ा मे किसानो को 45 रूपये प्रति क्विटल के हिसाब से गन्ने का भाव दिया जा रहा है। (घटी) स्पीकर साहब, मै जल्दी ही खत्म कर देता हू। इतना भाव देकर सरकार ने एक बहुत ही खु ाहाली का कदम उठाया है। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, अब मै सिचाई की डिमाड पर बोलना चाहता हू इस डिमाड के तहत जो पैसा मांगा गया है वह बहुत ही कम है इसे और बढाया जाना चाहिए। सरकार को किसानो को ठीक समय पर नहरी पानी देने की व्यव्स्था करनी चाहिए। हरियाणा सरकार ने जो सुविधाए अपने किसानो को अब तक दी है उन पर किसी को कोई आपत्ति नही है। इसलिये इस मांग के

तहत जो पैसा मांगा गया है वह सब को स्वीकार्य होना चाहिए। इस संबध मे मै बोलते हुए यह भी कहना चाहता हू कि एस0वाई0एल0 नहर जल्दी से जल्दी बने ऐसे निर्दे । चौधरी देवी लाल जी के कहने पर केन्द्र सरकार ने दिए है इस नहर को जल्दी से जल्दी बनाया जाये। जिनती जल्दी यह नहर बनेगी उतना ही अधिक फायदा हरियाणा को होगा। अध्यक्ष महोदय, बाते तो बहुत सारी कहनी थी लेकिन समय के अभाव जी की तरफ से सदन मे आई है इनको पास कर दिया जाना चाहिए। धन्यवाद।

श्री देवी दास (सोनीपत): स्पीकर साहब, मै मांग की सख्या 3,8,9,11,12,14 और 16 पर बोलना चाहता हू । सबसे पहले मै माग सख्या 3 पर ही बोलूगा क्योकि इस माग पर मेरे से पहले सतबीर ंसिंह कादियान और गोदारा साहब ने बोलते हुए काफी कुछ कहा है। साथ ही साथ मांग है कि इस डिमाड के तहत जो 134 करोड रूपये मागे गए है इनको पास कर देना चाहिए। इस मांग के तहत बोलते हुए यहा पर मण्डल और कमण्डल की बात भी आई है। मै मण्डल की बात तो करूगा ही लेकिन कमण्डल की बात करते हुए मै यह स्पश्ट कर देता हू कि वह कमण्डल नही था बल्कि एक रथ यात्रा थी। कल मेरे एक सवाल के जवाब मे हाम मिनिस्टर साहब ने बताया था कि मण्डल रिपोर्ट लागू होने पर जो दगे हुए उनमे अकेले सोनीपत जिले मे पुलिस विभाग का 1 लाख 46 रूपये, हरियाणा रोडवेज का 3 करोड 35 लाख रूपए, पी0डब्लयू0डी0 बी0एण्ड0आर0 का 1 लाख 10 हजार रूपये, फूड

एण्ड सप्लाई डिपार्टमैट का 29 हजार रूपये, पी0एड0टी0 का 50 हजार रूपये, सैन्ट्रल एक्साईज डिपार्टमैट का 50 हजार रूपये, हरियाणा टूरिज्म का 30 हजार रूपये, एफ0सी0आई0 का 30 हजार रूपये, भारतीय खादय निगम का 2 लाख 50 हजार रूपये, हैफेड का 31 हजार रूपये, सहकारी बैक का 1 लाख 70 हजार रूपये, दूरभाश तथा सचार केन्द का 2 लाख 50 हजार रूपये और इसी तरह से पजाब नै ानल बैक का भी काफी नुकसान हुआ था। इसके अतिरिक्त रेलवे स्टे ान भी वहा पर जलाया गया और म्यूनिसिपल कमेटी के औफिस को भी आग लगाई गई। इतना ही नही जो वहा से दिल्ली को पानी जाता है। उसमे भी साईफन डाल दिया गया। (विघ्न) वहा पर होम मिनिस्टर साहब दो बार गए थे। (विघ्न) यह जो कहा जा रहा है कि इस सरकार ने बहुत कल्याण कार्य किए है ठीक नही है। (विघ्न) अभी मेरे माननीय साथी श्री गोदारा जी ने कहा है कि सरकार ने किसानो का बडा भला किया है और चौधरी देवी लाल पापुलर हो रहे है। स्पीकर साहब, इस बात मे कोई भाक नही है कि चौधरी देवी लाल ने किसानो के लिए, आम आदमी के लिये बहुत काम किए है। मण्डल और कमण्डल की बात भी कही गई । इस बारे मे मै यह कहना चाहता हू कि वह कमण्डल नही बल्कि रथ यात्राा थी जो दे ा को इक्टठा करने के लिये और लोगो मे जागृति लाने के लिये की गई थी। रथ यात्रा गुजरात से भाुरू हुई। विघ्न। वहा पर कुछ नही हुआ। गुजरात मे जनता दल का राज था और वहा पर बिल्कुल अमन रहा और हजारो लोगो ने रथ यात्राा का स्वागत किया था

और भााति के साथ सहयोग दिया। महाराश्ट्र के अन्दर काग्रेस का राज है, रथा यात्रा जब महाराश्ट्र के अन्दर गई तो वहा पर भी कुछ नही हुआ। भाहरो और गावो के लाखो लोग ने रथ यात्रा का स्वागत किया। मध्यप्रदे ा मे और राजस्थान मे भी लाखो लोगो ने रथ यात्रा का स्वागत किया। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः जयपुर मे 200 लोग मारे गये थें।

श्री देवी दासः यह रथ यात्रा के दौरान की बात नही है। एक हरियाणा स्टेट ही ऐसी रही जहा रथ यात्रा मे कुछ बाधा डालने की कोि ा ा की गई और रथ यात्रा के समय नारे बाजी की गई। जब यह रथ यात्रा दिल्ली के अन्दर से गुजरी तो वहा पर किसी प्रकार का कोई तनाव नही था। बिहान मे कुछ नही हुआ। (विघ्न) कहने काम मतलब यह है कि जहा जहा भी रथ यात्रा गई उसका स्वागत हुआ। (विघ्न) यह कमण्डल की बात नही थी बल्कि यह रथ यात्रा थी।

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है?

Mr. Speaker: What is the point of order at this stage?

श्री देवी दासः अध्यक्ष महोदय, अब मै डिमाड नम्बर 8 पर आता हू। स्पीकर साहब, इस मद मे 570531000 रूपये खर्च करने का प्रोविजन है। अध्यक्ष महोदय, सोनीपत जिले के अन्दर

एक भी नई सडक नही बनाई गई और न ही किसी सडक की मुरम्मत की गई। स्पीकर साहब, कादियान साहब ने मूरथल से लेकन करनाल तक डबल सडक बनाने का जिकर किया था लेकिन अभी तक यह सडक बन नही सकी और इस काम बन्द पडा है। मै चौधरी जगननाथ जी और माननीय मुख्यमंत्री साहब से यह जानना चाहूगा कि सडक बन क्यों नही रही, इस को ठेकेदार कौन है, इस सडक को बीचे मे छोडने की क्या बैकग्राउड है? स्पीकर साहब, इस सडक के बनने से हमे बडी खु ाी होगी। इसलिये मे चाहूगा कि इस सडक को जल्दी ही बनाया जाए।

स्पीकर साहब, अब मै डिमाड नम्बर 16 पर बोलना चाहूगा। हमारी सरकार ने एक रूरल इण्डस्ट्रीच स्कीम बनाई थी जिस मे यह कहा गया था कि सरकार कच्चा माल देगी और तैयार सामान भी खरीदगी। आज हजारो लोग ऐसे है जिन्होने यह स्कीम ऐडाप्ट की थी लेकिन उन्हे न तो कच्चा माल मिला और न ही उन द्वारा तैयार किए गए माल को खरीदा गया और न ही कोई अन्य सहायता उन्हे दी गई। रूरल स्कीम के अर्न्गत चल रहे उधोग आज ठप्प हो रहे है इसलिये सरकार से अनुरोध है कि वह इस और वि ोश ध्यान दे और इन उधोगो को तबाह होने से बचाए।

श्री अध्यक्षः अब आप वाईड अप करिये।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, अब मै डिमाड नम्बर 11 पर बोलना चाहूगा। सोनीपत के अन्दर और सारे हरियाणा के

अन्दर टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिक विभाग से जमीन ऐक्वायर करने के नोटिस आ जाते है। इसलिये लोग बहुत परे ाान है। उसकी मियाद होती है कि इतने साल तक वह कन्ट्रोल एरिया रहेगा। फिर सैक ान 4 का नोटिफिके ान होगा, फिर सैक ान 6 का नोटिफिके ान होगा और फिर वह जमीन ऐक्वायर होती है। 15–15 साल तक कन्ट्रोल एरिया पडा हुआ है। गाव के गाव पडे हुए है जो भाहर के साथ लगते है और उनके सरकार कन्ट्रोल एरिया डिक्लेयर किया हुआ है। हमारे लोकल बौडीज के मिनिस्टर कहते है हम सोनीपत को कुछ नही दे सकते जबकि नगर की बहुत ही खराब हालत है तो मै यह कहना चाहता हू कि लोग तीन किस्म के अदायतरो से परे ाान है। एक तो हुडडा है दूसरा हाउसिग बोर्ड है और तीसरा म्यूनिसिपल कमेटी है। तीनो के अलग अलग सीवरेज ओर तीनो के ही अलग अलग नक ो बनवाये गये है। भाहर के बन्द की निकासी के लिये यह बहुत ही नुक्सानदायक डालेगे। हाउसिंग बोर्ड वाले यह कहते है कि हम अपने सीवरेज मे डालने नही देगे। नगरपालिका वाले अपने सीवरेज मे डालने नही देते क्योकि उनकी अपनी समस्या है। सरकार के तीनो डिपार्टमैट यहा पर बैठे हुए है, मेरा कहना चहा है कि भाहर के अन्दर ऐसी समस्या है। इसको हल करना चाहिये। वि ोशकर सोनीपत मे जो ड्रैन न0 8 है उसके बारे मे कई दफा सी0एम0 साहब ने कहा भी है कि वहा पर एक पुल बनायेगे। वहा पर सैक्टर 14 और 15 के बीच मे एक पुल बनना है। वह फौरी

तौर पर बनना चाहिये ताकि सैक्टर 14 और 15 को भाहर के साथ मिलाया जा सके।

अब मै मांग सख्या 9 जो ि ाक्षा के बारे मे है, पर आता हू।

श्री अध्यक्षः देवी दास जी, आप कन्क्लयूड करे।

श्री देवी दासः मुझे तो अभी 6–7 मिनट ही हुए है।

श्री अध्यक्षः आपको 9 मिनट हो चुके है। आप अब जल्दी खत्म करे।

श्री देवी दासः मै एक दो मिनट से खत्म कर देता हू। सोनीपत के अन्दर एक गोहान गाव है। वहा के स्कूल की हालत बहुत खराब है। कई दफा डी0जी0ओ0 ने ऐजुके ान डिपार्टमैट की लिखा हुआ है कि वहा पर बच्चो की जिन्दगी खतरे मे है। मेरे साथी कृशि मंत्री श्री कि ान सिंह जी सागवान यहा पर बैठे हुए है और ऐजूके ान डिपार्टमैट के औफिसर्ज भी यहा पर बैठे हुए है। मेरी प्रार्थना है कि इसकी और ध्यान दिया जाये। स्पीकर साहब, अब तो ि ाक्षा राज्य मंत्री बरवाला जी भी आ गये है। मै इनसे अर्ज करूगा कि आठवी की किताबे तो सरकार छापती है लेकिन 10वी किताबे ऐजूके ान बोर्ड छापता है। किताब बनाता ऐजूके ान बोर्ड और सरकार है और उनको सरकार प्रैस से छपाते है। वहा पर इतनी देरी हो जाती है कि प्राईवट लोग किताबो को छाप कर मार्किट मे लाकर ब्लैक करते है। ये दोनो डिपार्टमैट ही

सरकार के डिपार्टमैटस है। इसके लिये कोई न कोई बोर्ड बनाना चाहिये ताकि आठवी और मैट्रिक की कितबो ठीक समय पर छप सके। बे ाक इनको एक बोर्ड ही छापे। मै सरकार से यह कहूगा कि इसकी तरफ भी पूरा ध्यान देना चाहिए।

अब मै मांगा सख्या 12 के बारे मे कुछ कहना चाहता हू। सोनीपत एक इडस्ट्रियल एरिया होने के कारण वहा पर लेंबर की बडी प्रौब्लम है। फैक्टरियो के मलिक मजूदरो को बिना किसी कारण के निकाल देते है। (व्यवधान व भाोर).....

Mr. Speaeker: Will up please.

श्री देवी दासः गरीब आदमी लेबल औफिस मे घूमते रहते है। उनका टाईम जाया होता है मेरा कहना यह है कि इनका फैसला डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर होता चाहिये ताकि मजदूरो को तकलीफ न हो । धन्यवाद।

श्री हीरा नन्द आर्य (लोहारू): स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया, इसके लिये धन्यवाद। यह बजट के अनुदानो की मांगो पर चर्चा हो रही है। मै आपका ध्याना वि ोश रूप से मांगा सख्या 2,3,7,17,23,5 और 21की और दिलाते हुए इन पर अपने विचार रखूगा। अध्यक्ष महोदय, एक बात तो यह है कि मै सबसे पहले वित्त मंत्री महोदय का धन्यवाद करूगा कि उन्होने इस तथ्य को सबके सामने रखा है कि पहले 240 करोड रूपए का कर्जा माफ करने की बात कहते थे, वह केवल 41 करोड रूपया

है। इस तरह से सच्चाई हाउस के सामने और जनता के सामने आ गई है। इसके लिए इनका धन्यवाद। स्पीकर साहब, दूसरी बात यह है कि कृशि के जितने भी उपकरण है दूसरे प्रान्तो मे उन पर सेल्ज टैक्स माफ है। हरियाणा सरकार स्प्रिक्लर सैटसपर चार हजार रूपया सबसिडी के तौर पर किसान को देती है। उस सबसिडी को लेने देने मे अधिकारियो/कर्मचारियो, बैक के अधिकारियो और कर्मचारियो और किसान के बीच काफी गडगड होती है और उका नतीजा यह होता है कि जो किसान को लाभ होना चाहिए वह खत्म हो जाता है। सबसिडी देकर किसान को जो लाभ पहुचाने की सरकार की मं ाा है, उसका लाभ किसान को नही मिलता। इसलिये मै चाहूगा कि सरकार इस बारे मे दुबारा विचार करे। सरकार जो चार हजार रूपया सबसिडी दे रही है यह अच्छी बात है लेकिन जितना फायदा किसान को पहुचना चाहिए वह नही पहुचता। स्पीकर साहब, 1983 मे कृशि के सम्बन्ध मे अल्यूमीनियम के जो भी उपरकण है उन पर भारत सरकार ने ऐस्साइज डयूटी माफ कर दी थी। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह भी इस विशय मे और खासतौर पर स्प्रिक्लर सैटस पर सेल्ज टैक्स माफ कर दे तो अच्छा रहेगी। स्पीकर साहब, अगर हरियाणा सरकार माफ करेगी तो उसका नतीजा यह होगा कि कुछ उधोगपति जिन्होने यू0पी0 मे या दूसरे प्रान्तो मे व्यापार कर रखा है वे किसानो के नाम से सीधे ये उपरकण ले आएगे और यहां बेचेगे। यहा वे व्यपारी ज्यादा सेल्ज टैक्स वसूल करेगे। इससे किसान को कोई लाभ नही होगा और व्यपारी ज्यादा कमा जाएगा

तथा फेयर कम्पीटी ान भी नही होगा। इसलिए सैल्ज टैक्स माफ जरूरी है। स्पीकर साहब, हमारा प्रदे ाप कृशि प्रधान प्रदे ा है। चौधरी देवी लाल ने 19888 मे घोशणा की थी कि हम कृशि उपकरणो पर से सेल्ज टैक्स माफ करेगे। 1983 मे भारत सरकार ने ऐल्यूमीनियम पाइप्स पर से ऐक्साइज डयूटी खत्म कर दी थी और दूसरी प्रौडक्टस पर केवल 45 प्रति त डयूटी रखी थी। इसीलिए मै कहना चाता हू कि अगर सरकार भारत सरकार की बात न माने तो चौधरी देवी लाल की बात तो माने जिसकी उन्होने 1988 मे घोशण की थी। उन्होने तो सारे टैक्स माफ करने की बात की थी लेकिन यह सरकार उनकी भी बात नही मान रही है।

स्पीकर साहब, सातवी पंचवर्शीय योजना के लिये हरियाणा सरकार ने जो पैसा रखा था वह 2900 करोड था लेकिन वह बाद मे 2500 करोड रह गयां। मेरा कहना यह है कि ज्यादातर पैसा नौन प्लाज स्कीम्ज के लिए पर ज्यादा खर्च होने के कारण जितनी तरक्की होनी चाहिए उतनी तरक्की नही होती। अगर ऐसा ही होता रहा तो मै समझता हू कि तरक्की कम होती चली जाएगी। स्पीकर साहब, 1991–92 का जो बजट अनुमान रखा है वह 765 करोड रूपए का है। मै समझता हू कि अगर महगाई इसी हिसाब से बढती रही तो साल के अन्त मे 572 करेाड रूपए का ही रह जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध मे मै सरकार का वि ोश ध्यान दिलाना चाहता हू कि जब भी यहां पर कोई बात आती है

तो वि ोश रूप से पुलिस के बारे मे आ ाका उठती रहती है। अध्यक्ष महोदय आज से एक सौ तीस वर्श पहले पुलिस कानून बना था और उस समय सामाजिक परिस्थितियो आर्थिक परिस्थितियो और पुलिस के काम ध्रधे की व्यवस्था भिन्न थी। एक सो तीस साल मे दे ा की और प्रदे ा की परिस्थितियो बदली है। उनके काम करने का जो तरीका था, जो परिस्थितियो थी वे बदली है। इसलिये इस आधुनिकीकरण के समय मे केवल उनकी सख्या बढाने से काम चलने वाला नही है। जब तक कि उनको ठीक प्रकार से ट्रैनिग न दी जाए और ठीक प्रकार से उनको साधन उपलब्ध न करवाये जाए जब तक उन्हे साईकलोजीकली, ठीक प्रकार से बताया जाए कि किस तरीके से लोगो से व्यवहार कना है तब तक पुलिस मे जागरूकता नही आएगी। जब तक हम पुलिस रूल्ज को न बदलेगे, उस समय तक पुलिस का जो सालो साल से दुरूपयोग हो रहा है उसमे और बढौतरी होगी और अगर ऐसे ही सिलसिला चलता रहा तो एक दिन प्रजातन्त्र के लिये खतरा पैदा हो जाएगा। इसलिये सरकार को इन बातो की और ध्यान देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, 1979–80 मे श्री धर्मबीर जी पजाब के राज्यपाल थे, उनकी अध्यक्षता मे एक कमी ान बैठा था। केन्द्रीय स्तर पर उन्होने विभिन्न प्रान्तो से अपने अपने विचार इस बारे मे मागे थे। हमने अपने विचार प्रस्तुत किये थे। जो जो सुझाव हम लोगो ने दिये थे हो सकता है उनमे से एक आध बात मानी जा चुकी हो लेकिन फिर भी पुलिस वालो के आवास के लिये, रहन

सहन के लिये, दूसरी सहूलियतो के लिए एक कमेटी बनाई जानी चाहिये जो यह देखे कि आज जो पुलिस का राजनीतिकरण हुआ है और अब राजनीतिकरण अपराधीकरण मे बदल गया है इसके कारण क्या है? अगर इन सभी बातो की और ध्यान नही दिया गया तो प्रजातन्त्र के लिये बडा भारी खतरा पैदा होगा और लोगो के लिये भी दुखदायी होगा। इसलिये सरकार को इस और सतर्कता से सोचना चाहिए। इसी प्रकार से अखबार वालो के बारे मे भी सरकार को कुछ भाकाए थी, उन से गिला था तो मै यह कहना चाहता हू कि प्रजातन्त्र के अन्दर प्रैस चाहे किसी प्रदे ा की हो उनके विचार की स्वतन्त्रता निहायत ही जरूरी है। इसके लिए पिछले दिनो बार बार यह सुंना गया था कि प्रैस वालो पर सरकार ने झूठे मुकदमे बनाये है और वहा भिन्न भिन्न सस्थाओ ने सगठन के रूप से सगठित होकर दिल्ली मे धरना भी दिया है जिसका जिकर अखबारो मे भी आया है। इनकी एक सस्था एल0एम0एम0 नाम से जानी जाती है जिसको लोग लूट मार सघ के नाम से भी जानते है उन्होने प्रैस पर हमला किया और वहा काम काज बिल्कुल ठप्प हो गया। यह एल0एम0एम0 जो सस्था है वह जनता एस से संबधित हैं और इन सब घटनाओ के पीछे राजनीतिक हाथ अव य है और ऐसे जो व्यक्ति इस दे ा मे प्रदे ा मे भाासक व प्र ाासक बने बैठे है जो कि यह सारे काम करवा रहे है ऐसे व्यक्तियो से जब तक ठीक प्रकार से निपटा नही जाएगा तब तक यह प्रदे ा के लिये, दे ा के लिये व प्रजानतन्त्र व लोगो की प्रैस

की आजादी के लिये खतरा ही पैदा करते रहेगे। इसलिये सरकार को इन बातो का कोई न कोई हल अव य निकालना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय, इससे आगे मै यह कहूगी कि हमारी सरकार ने पिछले सालो मे काफी प्रगति की है और प्रगति वि ोश रूप से एक बात मे तो अव य की है औरो की मुझे जानकारी नही है। लेकिन भूतपूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी के दामाद को हिसार मे डिसटिलरी के लिए मौलैसिज का काटा 1/1/4 लाख की कैपैसिटी से बढाकर पिछले तीन सालो के दौरान 3 लाख टन कर दिया है। यह एक प्रगति का कार्य अव य इस सरकार ने किया है। इस के खिलाफ हमने चौधरी चरण सिंह जी के नेतृतव वाली केन्द्री सरकार को और फिर श्री राजीव गाधी जी को एक मांग पत्र भी दिया था। अध्यक्ष महोदय, मै आपको क्या बताऊ। आप आज अगर हिसार की उस सडक पर जाए पर वह फैक्टरी लगी हुई है तो वहा खडे नही हो सकोगे। लोगो का उस जगह पर आना जाना बडा दूभर है। लोगो का उस जगह पर रहना हराम है और उस फैक्टरी के पोल्यू ान के कारण लोग अनके बीमारियो के ि ाकार हुए पडे है। उस फैक्टरी का मोलैसिज का जो कोटा बढाया गया है, क्या इस हिस्सेदारी मे भी कही सरकार इवाल्वड तो नही है या कोई और कारण तो नही है? इसका स्पश्टीकरण सरकार करे वरना इस सरकार के प्रति भाकाए स्वाभाविक तौर पर बढेगी। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो हम स्वच्छ प्र ाासन की बात करते है और दूसरी तरफ इस तरह

से स्टेट के अन्दर भाराब बनाने को बढाव दे रहे है। महात्मा गांधी जी ने भी भाराब के खिलाफ बहुत कुछ कहा है लेकिन ये लोग अपने आपको गांधीवादी कहते हुए भी इस ओर ज्यादा उदारता का सबूत दे रहे है।

इससे अगली बात मै ऊन मिल के बारे मे कहना चाहता हू जो कि लोहारू के अन्दर लगाई जानी थी। पिछले दिनो जब चौधरी औमप्रका ा चौटाला मुख्यमंत्री थे, उन्होने वहा पर इस सम्बन्ध मे घोशणा की थी उसके बाद श्री बनारसीदास गुप्ता आये। धीरपाल जी भी सहकारिता मंत्री थे। गुप्ता जी की अध्यक्षता मे लोहारू के अन्दर इस ऊन मिल का ि ालान्यास किया गया था लेकिन आज सरकार किन्ही कारणो से टाल मटोल कर रही है। इतना कहने के बाद और चौधरी देवी लाल जी की घोशण के बाद भी वह काम सिरे नही चढ पाया। उसके ि ालान्यास पर 70–80 हजार रूपए का खर्च हुआ था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी जब डिवैलप्मैट मिनिस्टर हुआ करते थे उस वक्त इन्होने अपने विभाग के संबध मे एक चिटठी लिखी थी कि पचायती की जमीन पर कुछ प्रभाव ाली व्यक्तियो ने कब्जा कर रखा है। कल जब एक सवाल आया तो उसके जवाब मे कहा गा कि नाजायज कब्जा करने मे श्री औमप्रका ा चौटाला का नाम नही है। तो हम जानते चाहते है कि ऐसे प्रभाव ाली आदमी कौन है? अगर कोई और आदमी इनके सरक्षण मे हो तो उसके नाम हमे बता दे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आर्य जी अब आप बैठे। अब श्री हरपाल सिंह जी बोलेगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मै एक मिनट मे अपनी बात खत्म कर दूगां।

Mr. Speaker: Please take your seat now. I have already called upon Shri Harpal Singh. Nothing more will be recorded, If Arya Ji Says something now.

कामरेड हरपाल सिह (टोहाना): स्पीकर साहब, आपका बहुत बहुत भाुक्रिया कि आपने मुझे बजट की डिमाडज पर बोलने का समय दिया। सब से पहले मै लेबल एंड एम्पलायमेंट की डिमाड न0 12 पर बोलना चाहूगा। इसके लिए इन्होने 212064000 रूपये का खर्चा मांगा है। इसमे इडस्ट्रियल रिले ाज के लिए 75.31 हजार रूपये है वर्किग कडी ान एंड सेफटी के लिए 31.74 हजार रूपये है और जनरल लेबल वैलफेयर के लिये 6.99 हजार रूपये है। दूसरर तरफ सो ाल सिक्योरिटी फार लेबर के लिए कुछ भी नही है, रिहैबलीटे ान आफ बौडिड लेबर के लिए कुछ नही है। और असिसटैस टू अर्बन पूअर के लिए भी कुछ नही है। कल जब बजट पर चर्चा चल रही थी तो हमारी सरकार का दावा था कि 71 प्रति ात बजट ग्रामीण विकास पर खर्च होगा। लेकिन असिसटैस टू रूरल पूअर के लिए कोई पैसा नही है और चाइल्ड लेबर की वैलफेयर के लिए कोई पैसा नही रखा गया है। मैने एक कामल अटैन्ा ान मो ान दिया था कि 25 हजार भट्ठा मजदूर हडताल

पर है। भटठा मालिको ने उन पर हमला किया लेकिन हमारे मजदूर श्रम विभाग मे कुछ नही कियां इसलिये मै इस श्रम विभाग को अगर बे ार्म विभाग कहू तो कोई गलत न होगा। मजदूरो के केस कई कई सालो से पैडिग पडे है। इनके अफसर हमे ाा भट्ठा मालिको की हिमायत करते है। मै मुख्यमंत्री जी से दर्खास्त करूगा कि वे इस विभाग को चुस्त करे ताकि मजदूरी की वर्किग कंडी ान सुधर सके।

अब मै डिमाड न0 14 जो फूड एण्ड सप्लाईज के बारे मे है पर कुछ कहना चाहूगा। गोदारा साहब कह रहे थे कि लोगो को बहुत ज्यादा अनाज अलाट किया गया। यह बडी खु ाी की बात है और मै सरकार को बधाई देता हू। लेकिन सरकार एक बात बताए कि वह अनाज रास्ते मे कहा ब्लौक हो गया? सरकार इस बात की इन्कवायरी करवा कर दोशियो को सजा दे। वह अनाज लोगो तक क्यो नही पहुचा। मै फूड एण्ड सप्लाईज विभाग से संबधित डिमाड पर बोलते हुए यह कहना चाहूगा कि जो रोजमर्रा की चीजे है जैसे साबुन, तेल, मिर्च मसाले और सूती कपडा बगैरहा इनको उचित तथा सस्ते दामो पर बेचने के लिए नीचे स्तर तक गावो मे सरकार दुकाने खोली जाए ताकि देहात के गरीब लोगो को रोजमर्रा की चीजे उचित और सस्ते दामो पर मिल सके। सरकार की तरफ से एक परिवार एक रोजगार की बात कही गई है। यानी यह सरकार एक परिवार के एक बेरोजगार को रोजगार देगी। यह सरकार एक परिवार एक रोजगार की बात तो

करती है हमे यह बताए कि सभी परिवारो के एक एक बेरोजगार को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बजट मे कितने पैसो का प्रावधान किया गया है ?

डिमाड न0 16 विलेज इडस्ट्रीज और स्माल स्कैल इडस्ट्रीज से सबधित है। इस डिमाड मे बताया गया है कि सरकार लगभग 9 करोड रूपए स्माल स्केल इडस्ट्रीज पर खर्च करेगी। इस डिमाड मे टोटल 13 करोड रूपये के लगभग प्रावधान किया गया है जिसके अन्दर विलेज इडस्ट्रीज, स्माल इडस्ट्रीज, हैडलूम एंड हैडीक्राफटस इडस्ट्रीज आ जाती है। हैडीक्राफटस इडस्ट्रीज के लिये तो केवल 56 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है और डायरैक ान एंड ऐडमिनिस्ट्रे ान के लिए 1 करोड 92 लाख रूपऐ का प्रावधान किया गया है। लेबर एंड एम्पलायमेंट के लिए 5 करोड रूपये का प्रवाधान किया गया है। मेरी समझ मे नही आया कि इतने थोडे पैसे मे वह सरकार किस किस बेरोजगार को रोजगार दे पाएगी। इसके अलावा सरकार यह भी कहती है कि उन सभी बेरोजगारी को सरकारी नौकरी नही दी जा सकती परन्तु हम एक परिवार के एक बेरोजगार को रोजगार के साधन जरूर उपलब्ध कराएगे। इस सरकार ने लेबर एंड एम्पलायमेंट के लिए 5 करोड 71 लाख रूपए के लगभग प्रावधान किया है और सरकार यह भी कहती है कि हरियाणा मे डेढ लाख परिवार है जिनके एक एक बेरोजगार को रोजगार देना है। इनते कम पैसे मे यह सरकार किस किस बेरोजगार को रोजगार दे पाएगी। मुझे तो इस सरकार

की ईमानदारी पर भाक होता है इतने कम पैसे के प्रावधान से हरियाणा प्रान्त के सभी परिवारो के एक एक बेरोजगार को रोजगार के साधन उपलब्ध नही कराए जा सकते । एक तरफ तो यह सरकार कहती है कि सभी परिवरो के एक एक बेरोजगार को रोजगार दिया जाएगा और दूसरी तरफ इस सरकार ने लेबर एंण्ड एम्पलायमैट के लिए केवल 5 करोड 71 लाख रूपए के लगभग प्रावधान किया है। तो यह सरकार सभी परिवारो के एक एक बेरोजगार को नौकरी कैसे दे पाएगी? सरकार इसके लिये ज्यादा से ज्यादा पैसे का प्रावधान करती ताकि सभी परिवरो के एक एक बेरोजगार को रोजगार के साधन जुटाए जा सकते।

डिमांड न0 10 पब्लिक हैल्थ विभाग से संबधित है। इस डिमाड के बारे मे बोलते हुए मै कहना चाहूगा कि इस सरकार ने इसमे 57 करोड 51 हजार रूपये के लगभग वाटर सप्लाई स्कीम तथा सेनीटे ान के लिए प्रावधान किया है। जिसमे से डायरैक ान एण्ड एडमिनिस्ट्रे ान के लिए 22 करोड 68 लाख रूपए के लगभग प्रावधान किया गया है अबैन वाटर स्पलाई स्कीम के लिए 1 करोड 60 लाख रूपए के लगभग प्रावधान किया है और रूरल वाटर सप्लाई स्कीम के लिए 1990–91 मे 34 करोड 50 लाख रूपए का प्रवधान किया गया था लेकिन वर्श 1991–92 के लिए 26 करोड 60 लाख का प्रावधान किया गया है। एक तरफ तो हरियाणा प्रान्त के हर गांव को पीने का पानी मुहैया करने का दावा करती है और दूसरी तरफ इस साल पिछले साल से कम पैसे का इस स्कीम के

लिए प्रावधान किया है। मेरी समझ मे नही आता कि वह सरकार इतने कम पैसे से हरियाणा प्रान्त के हर गाव को किस तरीके से पीने का पानी मुहैया कराएगी। अर्बन डिवैल्पमैट के नाम जिस तरीके से म्यूनिसिपल कमेटीज को ग्राट बांटी गई उसके बारे मे तो आपको पता ही है स्पीकर साहब, एक दिन पहले बोलते हुए भी मैने यह सवाल किया था और आज फिर कह रहा हू कि गावो के जो लोग भूमिहीन हो चुके है वे लोग रोजगार की तला ा मे भाहरो के अन्दर आ गये है। जो पहले गावो के अन्दर कारीगर का काम करते थे या मजदूरी करते थे वह रोजगार के लिए भाहरो मे आ कर छोटी छोटी बस्तियो मे बस गए है। उन लोगो की बहुत बुरी हालत है। न उनको पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध है, न उनके पास रहने के मकान उपलब्ध है, न उनके बच्चो को पढने के लिए स्कूल का प्रबध है यानि उनको जिन्दगी की जरूरियात की कोई भी सुविधा उपलब्ध नही है। पता नही फिर यह सरकार म्यूनिसिपल कमेटीज को इतनी कम ग्राट दे कर अर्बन डिवैल्पमैट की बात कैसे करती है। मुझे तो सरकार की यह बात थोथली नजर आती है। टोहाना एक छोटा सा कस्बा है, भूना एक छोटा सा कस्ब है उन कस्बो मे जो बस्तियां है उन बस्तायो के लोगो को पीने के पानी की बहुत कीम है। पीने के पानी के लिए उन बस्तायो के लोगो को आपस मे झगडे होते है। ऐसे बस्तियो मे रहने वाले भी इस दे ा के नागरिक है। इस प्रदे ा के नागरिक है। किसी भी सरकार के नागरिक हो उनको जिन्दा रहने के लिए पानी बहुत ही जरूरी है। इसलिए उनको सरकार द्वारा पीने का

पानी जरूर मुहैया कराया जाना चाहिए। न उन लोगो के लिए रोजगार के कोई साधन है न उनके रहने के लिए मकान है न उनको पीने के लिए पानी उपलब्ध है। क्या सरकार ऐसी बस्तियो मे रहने वाले लोगो के लिए इन सभी चीजो का इन्तजाम कर पाएगी? स्पीकर साहब, अगले साल के लिए सेनीटे ान के लिए एक पैसे का भी प्रावधान नही किया गया है। सिवरेज सर्विस के लिए 2 करोड 95 लाख रूपऐ का प्रावधान किया गया है। मै इस सरकार से जानना चाहता हू कि क्या म्यूनि ापल कमेटीज इतने कम पैसे मे सिवरेज कवर कर पाएगी।

स्पीकर साहब, अब मै डिमांड न0 8 पर बोलना चाहता हू इस डिमाड के तहत कैपिटल ऐक्सपैन्डिचर के लिए 53 करोड 43 लाख 67 हजार रूपए मागे गए है। इनमे से डायरेक ान एण्ड ऐडमिनिस्ट्रे ान पर 3 करोड 65 लाख 79 हजार रूपये खर्च होगे। कन्स्ट्रक ान के लिए 36 लाख 20 हजार रूपये रखे गये है म ाीनरी एण्ड एक्यूपमैट के लिए 2 करोड 15 लाख रूपये रखे गये है। मेन्टीनैंस के लिए 3 करोड 20 हजार रूपये रखे गये है। स्पीकर साहब, एक तरफ तो सरकार विकास का दावा करती है और दूसरी तरफ विकास नाम की कोई चीज यह नही कर रही। मै आपको बताना चाहूगा कि 1990–91 मे तो मेन्टीनैंस और रिपेयर के लिए 5 करोड 79 लाख रूपये के करीब रखे गए है जबकि अग इस काम के लिए 1991–92 मे सिर्फ 3 करोड 20 लाख रूपये ही रखे गये है। यानि इस काम के लिए उल्टे 2 करोड रूपये कम

रखे गये है। इसी प्रकार से पुल वगैरा बनाने के लिए 1990–91 मे तो 21 करोड रूपये रखे गये जबकि अब 1991–92 के लिए 19 करोड 27 लाख रूपये रखे गये है यानि इस के लिये भी पिछले साल के मुकाबले 2 करोड कम रखे गये है। इस बात का सभी को पता है कि पिछले साल के मुकाबले इस साल काफी महगाई बढ चुकी है इन्होन ज्यादा पैसा रखने की बजाये कम कर दिया है। इससे ही पता चलता है कि ये क्या विकास कर पाएगे? स्पीकर साहब, किसी भी प्रदे ा मे ट्रास्पोर्टरो को कोई सुविधा दी जानी होती है तो सबसे पहले उस प्रदे ा मे सडके बनानी होती है और जो पुल बीच मे पडते है वे बनाने होते है। इसके अलावा जो पुरानी सडके खराब हालत मे हो उन्हे ठीक कराया जाता है।

अध्यक्ष महोदय, अब मै डिमाड न0 2 पर बोलना चाहता हू। सरकार इस मांग के तहत पब्लिसिटी के लिए बहुत अधिक पैसा रखा है। सरकार ने अपनी पब्लिसिटी करानें के लिए 5 करोड 51 लाख 87 हजार रूपये रखे है। मेरी समझ मे नही आता कि पब्लिसिटी के लिए इतना अधिक पैसा रखने की क्या जरूरत थी? इस बारे मे मेरा सरकार को सुझाव है कि पब्लिसिटी पर ज्यादा पैसा खर्च करने की बजाये अगर विकास पर यह पैसा खर्च किया जाये तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

श्री अध्यक्षः अब आप बैठिये। अब श्री मनीराम जी बोलेगे।

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, जब 6 तारीख को भागमल जी बोलने के लिये खडे हुये थे तो आप ने कहा था कि बजट पर बोल लेना। लेकिन इनको समय अभाव के कारण बजट पर भी बोलने का मौका नही मिल पाया। इसलिये मेरा आपसे निवेदन है कि आप इन्हे भी 10 मिनट का समय दे दे।

श्री अध्यक्षः 10 मिनट का समय तो नही दिया जा सकता, हां पाच मिनट का समय दिया जाता सकता है। अब श्री मनीराम जी बोलेगे उसके बाद भागमल जी बोलेगे।

श्री मनीराम (डबवाली, अनूसूचित जाति): स्पीकर साहब, मे डिमाड न0 10,12,13,16,17,22,19 और 10 पर बोलना चाहूगा। स्पीकर साहब, आपको भी और सभी साथियो को भी पता है कि हरियणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। 1977 मे जब चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व मे पहल बार गैर काग्रेस पार्टी की सरकार बनी तो उन्होने किसानो की सुविधाआ के लिए बहुत काम किए थे। जब इससे पहले काग्रेस पार्टी की सरकार थी तो उसने किसानो के लिये कुछ नही किया था। अब हाउस मै चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह और कैप्टन अजय सिंह, जिन्हे हम सीनियर हवलदार कहते है वे बैठे नही है अब मै उन्हे बताता कि चौधरी देवी लाल जी किसानो के लिए क्या कया काम किये। स्पीकर साहब, मै बताना चाहता हू कि हमारी सरकार ने दे ा मे सबसे पहले किसानो को औलावृश्टि से हुए नुकसान का मुआवजा 400 रूपये पर एकड के हिसाब से दिया है। इसी तरह से सडक के साथ

साथ किसानो के जो पेड है उनमे भी आधा हिस्सा उनको दिया गया है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जितनी हमदर्द यह सरकार किसानो की है उतनी काग्रेस कभी नही रही। सरकार के नोटिस मे मै एक बात लाना चाहता हू कि 84 करोड 97 लाख रूपये जो कृशि के लिये रखे गये है ये बहुत ही कम है। मै चाहूगा कि इस रा ि ा को बढाया जाये। अब जो मौजूदा सरकार है वह अपने किसानो को अच्छे बीज देती है और खाद पर भी सबसिडी देती है। किसानो की भी जो मांगे होती है उनको पूरा करने की को ि ा ा की जाती है।

अध्यक्ष महोदय, जब से प्रो0 सम्पत सिंह जो आई0पी0एम0 बने है तब से किसानो को पूरी बिजली और पूरा पानी मिल रहा है। हमारी सरकार ने रजवाही को और नहरो को भी पक्का करना भ्ारू कर रखा है। खालो को भी पक्का किया जा रहा है। यदि इनको पक्का न किया जाए तो टेल पर पानी नही पहुच पात। अगर रजबाहे पक्के हो, खाली पक्की हो तेा पानी अधिक से अधिक मांत्रा मे टेल पर जाता है। इसके साथ ही किसानो की सुविधा के लिए एक्सीयन कम से कम 15 दिन मे एक बार जा कर देखता है कि काम ठीक प्रकार से चल रहा है या नही। अगर किसानो को बिजली और पानी ठीक मिलता है तो खेतो मे अच्छी फसल होगी अच्छा बीज किसान को मिले तो पैदावार ज्यादा होगी, फसल ज्यादा होगी तो किसान को भाव

अच्छा मिलेगा। अच्छा भाव मिलने से किसान खु ाहाल होगा और यदि किसान खु ाहाल होगा तो प्रदे ा भी खु ाहाल होगा।

स्पीकर साहब, अब मै ि ाक्षा के बारे मे अपने विचार व्यक्त करना चाहता हू। चौधरी देवी लाल की सरकार आने से पहले हरियाणा प्रदे ा ऐसा प्रदे ा था जहां लडकियो को पढाना उचित नही समझा जाता था। चौधरी देवी लाल की सरकार ने लडकियो की ि ाक्षा की ओर वि ोश ध्यान दिया। आज सारे हरियाणा मे कोई ऐसा गांव नही है जहां लडकियो के लिए प्राइमरी स्कल की व्यवस्था न हो। हमारी सरकार हर साल 100 से ले कर 500 तक स्कूल नये बनाती है। इसके अतिरिक्त प्राईमरी स्कूलो को मिडल स्कूलो, मिडल स्कूलो को हाई स्कूलो मे अपग्रेड भी किया जाता है । अगर दे ा और प्रदे ा के लोग पढे लिखे होगे तो प्रदे ा और दे ा की प्रगति होगी। माता का पढा लिखा होना बहुत जरूरी है क्योकि अगर माता पढी लिखी होगी तो वह अपने बच्चो को अधिक तरह से पालेगी। बच्चे घर से पहली ट्रेनिग लेते है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के एक पौली क्लीनिक बनाया जाना है। इसके लिये जमीन भी दे दी है लेकिन अभी तक इस पर कार्य भाुरू नही हुआ है। इस पोलिक्लीनिक के खुल जाने से गांव चौटाला और उसके आस पास के कई गावो को लाभ होगा इसलिये मै सरकार से प्रार्थना करूगा कि इसको जल्दी से जल्दी खोला जाए। स्पीकर साहब, अब मै श्रमिक वर्ग को दी जाने वाली मजदूरीी के बारे मे अपने विचार रखना चाहता हू। जब चौधरी

देवी लाल की सरकार सत्ता मे आई तो एक मजदूर को 7 रूपये प्रति दिन मजदूरी मिलती थी लकिन उसके बाद इसे बढा कर 19. 25 रूपये किया गया। इस वक्त हरियाणा मे एक साधारण मजदूर को 31.40 रूपये प्रतिदिन मजदूरी मिलती है जो कि भारतवर्श मे पजाब को छोड कर और किसी प्रान्त मे नही है। आज राजस्थान और मध्यप्रदे ा मे मजदूर को प्रतिदिन कितनी मजदूरी मिलती है यह मेरे बी0जे0पी0 के साथियो को मालूम ही होगा। ओलावृश्टि के कारण फसलो को हुए नुकसान का मुआवजा भी हरियाणा सरकार ने दिया है। राजस्थान के किसान मुआवजे के लिए मुख्यमत्री श्री भैरो सिंह भोखावत से मिलने गए और उन्हे मुआवजे देने के लिए कहा तो भेरो सिंहि भोखावत ने कहा कि फसल पर किसान का खर्चा क्या आता है मुटठी भर बाजरा लगता है उसके लिए क्या मुआवजा दिया जाए। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः चौधरी मनी राम जी आप की सरकार ने पिछले 4 साल के दौरान कितने कर्जे माफ किए है यह तो आपको भी मालूम ही है। हमारी मध्य प्रदे ा की सरकार ने 11 महीने के भाासन मे 664 करोड रूपए के कर्जे लोगो के माफ किए है।

13.00 बजें

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, गावो के अन्दर चौपाले बनायी गयी, बेरोजगारी भत्ता दिया गया। आठवी पास को 50

रूपये, मैट्रिक पास को 75 रूपये और बी0ए0 पस को 100 रूपये बेरोजगारी भत्ता दिया गया है। (घटी) स्पीकर साहब, आपका आदे ा मानते हुए तथा धन्यवाद करते हुए इतना कह कर ही मै अपना स्थान लेता हू।

श्री भाग मल (सढौरा अनूसूचित जाति): स्पीकर साहब, मेरे हल्के मे आपको यह तो पता है कि बरसात ज्यादा होती है लेकिन पानी वहा पर ठहरता नही है न वहा पर कोई नहर है और न ही ट्यूबवैल्ज है। अगर बारि ा हो गयी तो थोडे बहुत दाने हो जाते है। अगर बारि ा न हो तो वहा पर सारे ही इलाके मे सुखा पड जाता है। ऐसी हालत मे वहा पर जमीन भी थोडी पडती है। जो जमीन है भी, उसमे जगलात लगे हुए है। जगलात मे से पेड काटने की इजाजत नही है। दूसरे तरीके से, वहासे चोरी से जंगलात जरूर काटे जा रहे है। वह डिपार्टमैट की मिली भगत से काटे जा रहे है इसकी कोई इक्वायरी नही होती। मेरी एक प्रार्थना है। मेरे हल्के से सूरजमुखी के पौधे की बहुत खेती होती थी। पिछली बार वहा पर 40 रूपये पैकेट के हिसाब से वह बीज मिल रहा था। अब की बार सारे अम्बाला और यमुनानगर मे बीज के लिये लोग तरस रहे है। हमारे यहा वैसे तो खाने के तेलो की कमी है। लेकिन जब किसान यह बीज बोना चाहता है तो उसको बीज ही नही मिलता। मेरी किसानो की इस सरकार ने यह प्रार्थना है कि इस बीज का कोई न कोई जरूर तुरन्त इंतजाम करे क्योकि मैने सुना है कि अगर किसी को चाहिये तो यह 40 रूपये का एक

पैकेट ब्लैक मे 300 रूपये मे मिल रहा है। यह भी देखना चाहिए तो यह जो बीच डिपार्टमैट के पास आया था, वह कहा गया, किस को बेचा गया चोरी से किसी एक आधा को तो नही दे दिया गया। इस बात की पूरी इंकवायरी होनी चाहिये, कि वह बीज कहा गया। कितना बीज आया था, किस किस को सप्लाई हुआ है। स्पीकर साहब, मेरा हल्का एक पिछडा हुआ इलका है। नारायणगढ से लेकिन ठीकरपुरा गांव तक सिर्फ एक हाई स्कूल है। उसके आप पास 20 किलोमीटर तक कोई दूसरा हाई स्कूल नही है। नारायणगढ से लेकर भााहपुर तक कोई हाई स्कूल नही है। बच्चो को 20–20 किलोमीटर तक जाना पडता है। पिछले दिनो एक प्रोपोजल एजूके ान डिपार्टमैट को दी थी। हमारे लोग ऐजूके ान मिनिस्टर साहब से मिले थे। मेरी प्रार्थना है कि नगला राजपूतान, मारवा कलां और मछरौली के स्कूलो को अपग्रेड किया जाये। नगला राजपूतान का स्कूल मिडल से हाई स्कूल बनाया जाये। दूसरा मारवा कला और मछरौली के नजदीक कोई हाई स्कूल नही है। दो सो अढाई सौ बच्चे रोजाना उन स्कूलो के लिए बसो मे जाते है। उनको बस भी नही मिलती। बडी तकलीफ है। 8–10 किलोमीटर दूरी तक कोई हाई स्कूल नही है। हमारा इलाका एक पिछडा हुआ इलाका है। इसमे बहुत सी जगहो पर सडके नही है। पुल नही बने हुए है। मेरी मांग यह है कि एक पुल तो संगरानी गाव के नजदीक है तो अव य बनाना चाहिये। वहा पर 1978 मे यह पुल बनना भाुरू हुआ था। बीच मे बरसाता हो गयी। दोनो तरफ की दीवरो बन गयी थी। एक तरफ की दीवार बह गयी। एक

तरफ की दीवार अब भी खडी है। एक तरफ बडी तगडा गांव है। वहा पर बरसात के दिनो मे काफी पानी आ जाता है। इसलिए मेरा कहना यह है कि उस पुल को जल्दी से जल्दी कम्पलीट किया जाये ताकि लोगो को सुविधा हो सके। वहा के लोगो को तरफ से यहा पर बार बार अनुरोध किया गया है कि वहा पर पुल भीघ्र अति भीघ्र बनाव जाए। वहा पर दो अढाई लाख रूपये का खर्च होना है। अगर वहा पर कोई डूब जायेगा तो हमारे लोगो का नुकसान हो जायेगा। उनकी बहुत सी प्रौपर्टी का तो नुकसान हो ही रहा है। एक दूसरा पुल सढौरा नदी का एक पुल था। उसका ऐस्टीमेट आया था। चौधरी देवी ला जब इलैक ान के समय मे सढौरा गये थे तो उस समय उनसे बात हुई थी। उनको यह बताययया गया था कि इस पुल के न होने की वजह से लोगो को काफी परे ानी है। उस समय उन्होने यह कहा था, ठीक है, इसको बनायेगे। वह मुख्यमंत्री बनने के बाद केन्द्र मे भी पहुच गये लेकिन आज तक वहां पर पुल नही बन पाया है। इस पुल के बनने से 25–30 गावो को फायदा होता है। इसके न बनने से यह गांव बिल्कुल कट आफ हो जाते है। साल मे आठ महीने तक उनको एप्रोच करना मु कल हो जाता है। इसके साथ ही दो तीन रोडज ऐसी है जो कम्पलीट होनी जरूरी है। एक किलोमीटर का एक टुकडा है। जो महे वरी से पिजौर तक बनना है। वहा पर बस सर्विस भी नही है। दूसरी तक सडक कोटला से बजौली की है। इस के बनने से 15 किलोमीटर का चक्कर बच जाता है। इससे लोगो की असुविधा दूर हो सकती है।

स्पीकर साहब, महे वरी से पिजौरा की सडक एक किलोमीटर लम्बी है इसके बनने से रण्जीतपुर से लाडवा के लिए सीधा रास्ता मिल जाएगा और लोगो को पन्द्रह बीस किलोमीटर का फासला कम हो जाएगा। दूसरी सडक कोटला मे बिजली की है। इसके बनने से सढौरा से रणजीतपुर को जाने के लिए पन्द्रह सोलह किलोमीटर का फासला कम हो जाएगा। अब रणजीतपुर जाने के लिए बिलासुपर से होकर जाना पडता है। स्पीकर साहब, हमारे यहा की जो म्यूनिसिपल कमेटी है वह कभी बहुत अच्छी थी लेकिन आज उसकी वित्तीय स्थिति खराब है क्योकि उसके अनुदान सहायता नही मिलती। मेरी प्रार्थना है कि उस म्यूनिसिपल कमेटी को अनुदान देकर वहा की जो समस्या है उनको हल किया जाए। (घटी) इन भाब्दो के साथ स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद करते हुए मै अपना स्थान लेता हू।

वित्त मंत्री (श्री तैयब हुसैन): मोहतरिक स्पीकर साहब, तकरीबन बाते कही गई है जो कल कही गई थी और करीब उन सब का जवाब भ दिया जा चुका है। फिर भी, मुख्तसर तौर पर मोआजिज मैम्बर साहिबान की इफरमें ान के लिए मे कुछ अर्ज करना चाहता हू। स्पीकर साहब, यहा पर पुलिस के खर्च के बारे मे बार बार आई है कि पुलिस पर इतना खर्चा क्योकि किया जा रहा है? जिस दिन मे हाउस चल रहा है उसी दिन से हाउस मे किसी न किसी बात पर पुलिस का मामला आजाता है। इस बारे मे बडी तफसील से बात हु ई है और सदन को बताया गया है कि

हमारे पडौसी राज्य मे हालात ऐसे है उसकी वजह से खर्चा ज्यादा बढ गया है । मै हाउस को यह भी बताना चाहता हू कि हमने जितनी सैन्टर की माग की थी वह अभी भी पूरा नही हुई है। सभी सदस्यो को इस बात के लिये हरियाणा गवर्नमैट का म ाकूर होना चाहिए कि हमारे सूबे की ला एण्डउ आर्डर की पोजी ान बहुत बेहतर है। भााम को दिल्ली से या कही और ये आने से जब देर हो जाती है तो लोग भााहबाद के बाद हरियाणा की टैरेटरी मे से गुजर कर आना पसन्द करते है। सभी को इस बात के लिए सरकार को मुबारिकबाद होना चाहिये कि लोगो को यकीन है कि हम हरियाणा की टैरटरी मे महफूज है। स्पीकर साहब, एस0वाई0एल0 के बारे मे काफी बात आई। स्पीकर साहब, इसके लिये हमारी सरकार सीरियस है और सरकार पूरी कोि ा ा कर रही है कि यह नहरे जल्दी से जल्दी बनै। खुडिया साहब ने कुछ बाते आई। उन्होने जो कुछ कहा है वह हमारे नोटिस मे है मै समझता हू कि इसका दुक्का कोई बात हो जाती है और हम उसको दूर करने की कोि ा ा करते है। उन्होने पेन् ान की बात कही। स्पीकर साहब, मै हाउस की इन्फरमे ान के लिये बताना चाहता हू कि जिनको पहले साठ सत्तर रूपया पेन् ाज मिलती थी हमने उसको सौ रूपये मे कन्वर्ट कर दिया है और अब 36 हजार केसिज मे सौ रूपया महीना पेन् ान दे रहे है। उनकी कुछ मुकामी ि ाकायते थी। उन्होने डिस्ट्रिक्ट ऐडमिनिस्ट्रे ान की सराहना की है। रोहतक के डी0सी0 और एस0पी0 अच्छी है उन्होने ऐसा कहा है। उन्होने फूड एण्ड सप्लाइज डिपाटमैट मे खरबाी बताई है, कमी

बताई है। स्पीकर साहब, जब जिले के हैड ठीक काम कर रहे है तो फूड एण्ड सप्लाईज विभाग कोई गल्त काम कैसे कर सकते है? यह बात समझ मे नही आई । हरिजनो का जहां तक ताल्लुक है सरकार इस बारे मे जागरूक है जहां भी कोई चीज इस बारे मे नोटिस मे लाई जाएगी हम उस पर ऐक ान लेगे। श्री योगे ा चन्द भार्मा ने कहा कि औलावृश्टि का जो मुआवजा चार सौ रूपए फी एकड दिया गया वह कम है उसको बढाया जाना चाहिये। स्पीकर साहब, जो कुछ भी दिया गया है। यह नियम के मुताबिक दिया गया है। स्पीकर साहब, ये सारी चीजे मुकामी है। सम्बन्धित मिनिस्टर्ज को भेज देगे। चौधरी असलम खां ने अपने यहा किसी टैक्स बैरियर की बात कही। उनकी ग्रिवेन्स को मुताल्लिका महकमे को भेज देगे और जरूरी कार्यवाही करेगे वैसे तो गोदारा जी ने और सतबीर सिंह कादियान जी ने सारी बाते बडी तफसील के साथ बताई है। वे पूरे फेक्टस बता रहे थे लेनिक अपोजी ान के भाई भाोर मचा रहे थे। कम से कम सच्ची बातो को तो इन्हे आराम से सुनना चाहिये। ये लोग रैवेन्यु विभाग के खर्चे की बात को और पास बुक लेने की बात को काफी उलझा रहे थे। जब मेरे पास यह विभाग था उस वक्त इन सारी बातो को फाइलेलाइज किया गया था और अब त्यागी जी इसकी देख रहे है। हम ने यह सारा मामला भारत सरकार के पास भेजा हुआ है।

आवाजे:जर फरीदाबाद वाली प्लाटो की बात भी बात दीजियेगा।

श्री तैयब हुसैनः वहा के तहसीलदार को ससपैन्ड ही नही किया गया बल्कि उसके खिलाफ पुलिस केस भी दर्ज हुआ है। प्लाटो की अलाटमैट मे काफी गडबड भी हुई है। उस वक्त सूरजभान जी उस महकमे के वजीर थे। यह सारी अलाटमैट उन्ही के जमीनो मे ही हुई थी। (ाोर एवम व्यवधान) अब जब उस आदमी के खिलाफ सरकार ने कोई कार्यवाही की है तो इनको परे ाानी हो रही है। उस केस से सम्बन्धित सभी फाइले पचकूला के किसी एक इडस्ट्रियलिस्ट के घर से बरामद हुई है। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे है कि उस वक्त री सूरजभान जी मंत्री थे। वे कोई इनकी मेहरबानी से वजीर नही बने थे। इन्होने उस जमीदारे के खिलाफ कार्यवाही की थी। जो भी बाते वित्त मंत्री महोदय कहे जर सजीदगी से कहे और उत्तर भी इन्हे बडी सजीदगी से देना चाहिये। विपक्ष के आदमी ने जो बात कही है इन्हे उसका आदर करना चाहिये। आप वित्त मंत्री है, हरेक बात का सही उतर दीजियेगा।

श्री तैयब हुसैनः मोहतरिम स्पीकर साहब, मैने कोई ऐसी बात नही कही जिसके कारण मेरे मौआजिज दोस्त परे ाान हों रहे है। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः तैयब हुसैन जी, इन दूसरे भाईयो की निस्बल हम आपसे अच्छी बातो की उम्मीद करते है।

श्री तैयब हुसैनः भार्मा जी, आपकी जो बाते है, हम भी उनको मानते है आपका हम आदर करते है, आपका सम्मान करते है। स्पीकर साहब, मै तो इन्हे असलियत के करीब लाने की कोि ा ा कर रहा हू लेकिन ये मेरी बातो का बुरा मना रहे है।(ाोर) स्प्रिकलिग सैटस पर सबसिडी की बाते इडीविजुअल तौर पर श्री हीरा नन्द आर्य काफी टाइम पहले मुझे से डिस्कस कर चुके है। चौधरी देवी लाल जी के समय इस बात पर डिस्क ान के लिए मीटिग हुई थी, उस वक्त इन सैटस पर 3000 रूपये किसानो को सबसिडी के तौर पर दिये जाते थे फिर किसानो की तकलीफो को ध्यान मे रखते हुए यह रा ि ा बढाकर 4000 रू0 कर दी गयी है। इन सैटस पर सेल्ज टैक्स माफ करने की बात भी आई। इन मे जो पाईप्स लगते है अगर इन पर टैक्स की छूट दी गई तो भाायद इस का मिसयूज होने का डर होगा। इसलिये सैल्ज टैक्स माफ करना उचित नही है। जहा तक लोन वेविग की बात है, मैने इस बारे मे कल भी बताया था कि हमारे यहा 10.36 लाख आदमियो का 266.05 करोड रूपये का कर्जा माफ किया गया है। पता नही ये कहा से फिगर उठा कर ले आए। जहा तक हिसार की डिस्टिलरी से पोल्यू ान की बात है उस पर हमने काफी कार्यवाही की है लेकिन अदालतो की तरस से स्टे आर्डर्ज है इसलिये इस पर मजीद कार्यवाही नही की जा सकी। कामरेड हरपाल सिंह ने चाइल्ड लेबर के बारे मे कोई स्पैसिफिक बात नही कही लेकिन मै उनको बता दू कि हमारे यहा बौडिड लेबर की कोई बात नही है गेहू की जहा तक बात है, इस बारे मे एक काल अटैन्ा ान मो ान

भी ऐडमिट हो चुका है। मै फिर भी बता दू कि गेहू बहुत ज्यादा तादाद मे डिस्ट्रीब्यू ान के लिये भेजा गया उसके बाद भी पता नही इनको क्यो परे ाानी होती है। फिर भी कोई ि ाकायत अगर कोई लिख कर देगा तो उसे देखे लेगे। ऐम्पलायमैट देने के लिए कल भी मैने बताया थाा उस वक्त भाायद कामरेड साहब सदन मे नही थे। हमारी स्कीमे है कि हर परिवार के एक आदमी को नौकरी मिले उसके लिए एक कमेटी बनाई गई है। उसमे यह जरूरी नही है कि सब को सरकारी नौकरियो ही मिल, सवाल तो रोजगार देने का है। अगर कुछ आदमियों को सरकारनी नौकरियो मिल जाती है। और उनका पहले एक भी आदमी सरकारी नौकरी मे नही है तो पता नही इनको उससे क्या परे ाानी है। उन लोगो को परे ाानी हो सकती है जिन लोगो के आदमी नौकरियो मे ज्यादा लगे हुए है। (विघ्न) चाइल्ड लेबर की सिक्योरिटी के लिए हमारे यहा कोई प्रोबलम नही है, अगर कोई प्रोबलम आएगी तो उस पर गौर कर लेगे। सडको का जहा तक ताल्लुक है इसके लिए 21 करोड रूपए का प्रावीजन किया गया है। इन्होने पता नही कैसे कह दिया कि यह नही हुआ वह नही हुआ। कुछ लोग पब्लिसिटी के लिए ही बाते कर देते है। हा तक वाटर सप्लाई की बात है, हमारी इरादा था कि सितम्बर और मार्च तक इस काम को पूरा कर देते लेकिन कुछ कराणो की वजह से कुछ गावो मे पानी देने का काम नही हो सकता इसलिये अगले साल के लिए इस मद मे हमने कम पैसे का प्रावधान किया है। जहा तक ओलावृश्टि की बात है यह एक कुदरती बात है इसके लिए हमने स्पै ाल

गिरदावरो के आर्डर कर दिए है और पहले ही डी0सी0 की डिसपोजल पर 167.15 लाख रूपए दे दिए है ताकि वे लोगो को तुरन्त सहायता दे सके। प्रोफैसर परमा नन्द जी ने बोलते हुए कहा कि पिछले साल इस सरकार ने केवल 80 गावो को पौने का पानी उपल्ब्ध करया । मै अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि हमने 80 गावो को नही बल्कि 380 गावो को पीने का पानी उपलब्ध कराया है। आप अपना रिकार्ड करैक्ट कर ले। इसी तरह से स्कूलो के मामलात है। मै अर्ज करना चाहूगा कि जो ओप्रे ान ब्लैक बोर्ड है उसके तहत स्कूलो मे फर्नीचर और ऐजुके ान जी भी इक्विपमैटस है वह सब दिए जा रहे है। अगर कोई बात मुखालफत करने के लिए कही जाए तो वह अलग बात है उसका कोई इलाज नही है। इस सरकार ने अपने कर्मचारियो को 34 करोड रूपए की राहत दी है। इसके बारे मे मैने आपकी कल भाी बताया था। माननीय सदस्यो ने जो जी बात कही है इस सभी बातो को पूरा करने की कोि ा ा करेगे। प्रदे ा के विकास के लिए से हमे सहयोग दे। किसी बात की केवल मुखालफत करने कें लिए ही मुखालफत न करे। इन्ही भाब्दो के साथ मे अर्ज करूगा कि इन डिमाण्डज को पास किया जाए।

Mr. Sperker: Hon'ble members before I put the various damands to the vote of the House, I have to infrom that notices of amendments to demand Nos. 4 & 9 were reveived form Dr. Harnam Singh. M.L.A which have been disallowed.

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मै एक अमैडमैन्टस को प्रैस करता हू।

Mr. Speaker: Very Sorry, I have disallowed these notices. और ये अमैडमैटस आ नही सकती अब डाक्टर साहब आप बैठिए।

अगर हाउस की सहमति हो तो सभी डिमाडज को एक साथ पुट कर दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

Mr. Speaker: Quesation is-

That a sum not exceeding Rs. 17447000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of charges under Demand No. 1 Vidhan Sahba.

That a sum not exceeding Rs. 460008000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of charges under Demand No. 2 General Administration.

That a sum not exceeding Rs. 12441707000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of charges under Demand No. 3 Home

That a sum not exceeding Rs. 28218000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that

will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of charges under Demand No. 4 Revenue.

That a sum not exeeding Rs. 108467000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 5 Excise & Taxation.

That a sum not exeeding Rs. 792625000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 6 Finance.

That a sum not exeeding Rs. 11991694000 for revenue expenditure and Rs. 3665000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 7 other Administrative Services.

That a sum not exeeding Rs. 570531000 for revenue expenditure and Rs. 534367000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 8 Buildings and Roads.

That a sum not exeeding Rs. 3557614000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 9 Education.

That a sum not exeeding Rs. 1654161000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

1991-92 in respect of chargs under Demand No. 10 Medical and Public Health.

That a sum not exeeding Rs. 80697000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 11 Urban Devlopment.

That a sum not exeeding Rs. 212064000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 12 Laboru and Employment.

That a sum not exeeding Rs. 1800102000 for revenue expenditure and Rs. 18264000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 13 Social Welfare and Rahabiliation.

That a sum not exeeding Rs. 48254000 for revenue expenditure and Rs. 1970080000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 14 Focd and Supplies.

That a sum not exeeding Rs. 2313501000 for revenue expenditure and Rs. 848394000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 15 Irrigation.

That a sum not exeeding Rs. 229535000 for revenue expenditure and Rs. 64216000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 16 Industries.

That a sum not exeeding Rs. 849720000 for revenue expenditure and Rs. 6300000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 17 Agriculture.

That a sum not exeeding Rs. 300599000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 18 Animal Husbandry.

That a sum not exeeding Rs. 31766000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 19 Fisheries.

That a sum not exeeding Rs. 452406000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 20 Forest.

That a sum not exeeding Rs. 737814000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 21 Community Development.

That a sum not exeeding Rs. 352767000 for revenue expenditure and Rs. 181286000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 22 Cooperation.

That a sum not exeeding Rs. 184892000 for revenue expenditure and Rs. 255400000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 23 Trasport.

That a sum not exeeding Rs. 18552000 for revenue expenditure and Rs. 20500000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 24 Tourism.

That a sum not exeeding Rs. 2476256000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1991-92 in respect of chargs under Demand No. 25 Loans and Advances by State Government.

The motion was carried.

श्री अध्यक्ष: अब हाउसव कल सुबह 9.30 बजे तक ऐडजर्न किया जाता है।

13.22 बजे

(इस समय वीरवार, दिनांक 14 मार्च, 1991 प्रातरू 9.30 बजे तक *स्थगित हुआ)